हरियाणा विधान सभा

की

कार्यवाही

15 मार्च, 2002

(प्रथम बैठक)

खण्ड 1, अंक 8

अधिकृत विवरण

विशय सूची

भाुक्रवार, मार्च 15, 2002

पृश्ठ संख्या

तारांकित प्र न एवं उत्तर	(8)1
नियम 45(1) के अधीन सदन की मेज पर रखे गये तारांकित प्र नों के लिखित उत्तर	(8)17
ध्यानाकर्शण प्रस्ताव–	(8)20
फरीदाबाद के क्षेत्र में प्राइवेट स्कूलों के थोड़े समय में बहुत बढ़ जाने व इन स्कूलों में विद्यार्थियों के दाखिले भी अत्यधिक दरों पर होने के संबंध में।	
वक्तव्य	(8)21
ि ाक्षा राज्य मंत्री द्वारा उपरोक्त ध्यानाकर्शण प्रस्ताव संबंधी	
विभिन्न विशयों का उठाया जाना	(8)23
सदन की मेज पर रखे गये कागज–पत्र	
वर्श 2002–2003 के लिए बजट पर सामान्य चर्चा (पुरारम्भ)	(8)24

वैयक्तिक स्पश्टीकरण	(8)30
श्री मांगेराम गुप्ता एम.एल.ए द्वारा वर्श 2002–2003 के लिए बजट पर सामान्य चर्चा (पुनरारम्भ)	(8)31
वैयक्तिक स्पश्टीकरण	(8)36
चौ बंसीलाल एम.एल.ए. द्वारा वर्श 2002–2003 के लिए बजट पर सामान्य चर्चा (पुनरारम्भ)	(8)37
बैठक का समय बढ़ाना	(8)57
वर्श 2002–2003 के लिए बजट पर सामान्य चर्चा (पुनरारम्भ)	(8)57
वैयक्तिक स्पश्टीकरण	(8)61
श्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा एम.एल.ए. द्वारा	
बैठक का समय बढ़ाना	(8)62
वर्श 2002–2003 के लिए बजट पर सामान्य चर्चा (पुनरारंभ)	(8)62

हरियाणा विधान सभा

भाुक्रवार 15 मार्च 2002

विधान सभा की बैठक विधान सभा हाल, विधान भवन, सैक्टर–1 चण्डीगढ में प्रात 9.30 बजे हुई, अध्यक्ष(श्री सतबीर सिंह कादियान) ने अध्यक्षता की।

तारांकित प्र न एंव उतर

श्री अध्यक्ष : मैम्बर्ज साहेबान, अब सवाल होंगे।

Sports Stadium, Fatehabad

1018. Ch.Lila Krishan : Will the chief Minister be pleased to state-

(a) whether there is any proposal under consideration of the Government to construct Sports Stadium at Fatehabad and;

(b) if so, the time by which the aforesaid proposal is likely to be implemented ?

मुख्य संसदीय सचिव (श्री रामपाल माजरा) :

(क) हॉ, श्रीमान जी।

(ख) जैसे ही धनराि । उपलब्ध होगी प्रस्ताव का क्रियान्वन कर दिया जायेगा।

श्री लीला कृश्ण : स्पीकर साहब, जब से चौटाला साहब की सरकार बनी है तब से स्पोर्टस के मामले में इतना जो ा–खरो ा है जो आज से पहले किसी सरकार में नहीं था। मैं चौधरी भजन लाल जी की सरकार में टूरिज्म मिनिस्टर था और चौधरी बंसी लाल जी की सरकार में भी वेयर हाउसिंग कारपोरे ान का चेयरमैन रहा हूॅ। मैं खुद गवाह हूॅ कि खेल के मामले में जितना जो ा–खरो ा चौटाला साहब की सरकार में है उतना जो ा–खरो ा पिछली किन्हीं सरकारों में भी नहीं रहा है। स्पीकर साहब, गवर्नमेंट की पालिसी है कि हर जिले मे स्टेडियम बनने चाहिएं। मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से पूछना चाहता हूॅ कि जिस प्रकार से हिसार स्टेडियम में स्पोर्टस होस्टल है क्या उसी प्रकार से फतेहाबाद में बनाये जाने वाले स्टेडियम के अन्दर भी होस्टल आदि बलाया जायेगा।

श्री राम पाल माजरा : स्पीकर साहब, यह ठीक है कि हर जिला स्तर पर खेल स्टेडियम बनाये गए है। अभी 2 जिले कैथल और फतेहाबाद हैं जहां पर स्टेडियम बनाये जा रहे हैं। फतेहाबाद में जो स्टेडियम बनाया जा रहा हैं उसके लिए 14 एकड़ जमीन की आव यकता है। इसमें से 12 एकड़ जमीन तो अधिग्रहण कर ली गई है जबकि 2 एकड़ जमीन के कागजात तैयार हो रहे है। अध्यक्ष महोदय, माननीय साथी ने पूछा है कि वहां पर स्टेडियम के अलावा और क्या बनेगा। इस बारे में मैं अपने साथी को बताना चाहूॅगा कि वहां पर एक 400 मीटर का

ट्रैक, पैवेलियन भवन और बहुउद्दे ीय हाल बनेगा। इस स्टेडियम के लिए अभी तक 7 लाख 39 हजार रूपये जारी कर दिए हैं और इसकी चार दीवारी का काम तुरन्त प्रभाव से भाुरू करने जा रहे है।

श्री जसवीर मलोर : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से जानना चाहता हूॅ कि क्या स्पोर्टस काम्पलैक्स गुड़गांव का कार्य प्रगति पर है। यदि प्रगति पर है तो उसके कब तक पूरा हो जाने की उम्मीद है।

श्री राम पाल माजरा : स्पीकर साहब, यह ठीक है कि अम्बाला और गुड़गांव में एस्ट्रोटर्फ का काम भाुरू कर दिया गया है। इस काम को 2002—2003 में अर्थात् 6 महीने में कम्पलीट कर दिया जायेगा। इसके लिए टेण्डर आ गए हैं और गुड़गांव मे नये स्पोर्टस काम्पलैक्स का काम हुड्डा द्वारा भाुरू कर दिया गया है। यह काम वहां पर सैक्टर 38 में 45 एकड़ जमीन पर भाुरू कर दिया गया है। इस स्पोर्टस काम्प्लैक्स को साढ़े आठ करोड़ रूपये में बनाया जा रहा है और इसके बनने तक इस काम्पलैक्स की लागत भी बढ़ जाने की उम्मीद है।

श्री रमे ा कुमार खटक : स्पीकर साहब, मैं आपके माध्यम से सी.पी.एस. जी से जानना चाहता हूॅ कि स्टेडियम बनाये जाने के लिए क्या—क्या नार्म्ज रखे गए हैं।

श्री रामपाल माजरा : स्पीकर साहब, इसके लिए दो स्तर है। जिला स्तर पर जो स्टेडियम बनाये जाते हैं वे कुछ बड़े बनाए जाते हैं और उनमें कुछ अतिरिक्त सुविधाएं दी जाती हैं लेकिन जो ग्रामीण स्तर पर स्टेडियम बनाए जाते हैं। उनके लिए 5 एकड़ जमीन ग्राम पंचायत दे और अपनी तरफ से 75 हजार रूपये सरकार के पास जमा करवाए। 75 हजार रूपये स्टेट गवर्नमैंट की ओर से दिए जाते हैं तब केस सैंटर गवर्नमैंट को भेजा जाता हैऔर फिर मन्जूरी मिलने पर स्टेडियम बनाया जाता है।

श्री भगवान सहाय रावत : अध्यक्ष महोदय, जैसे कि हमारे यहां जिला स्तर के स्टेडियम के साथ ही ग्रामीण स्तर पर भी स्टेडियम बनाने का प्रावधान है और जैसे कि अभी माननीय मुख्य संसदीय सचिव महोदय ने यह बताया है कि जो ग्राम पंचायत 75 हजार रूपये अपनी तरफ से जमा करवाएगी तो स्टेडियम बनाया जाएगा। मैं आपके माध्यम से सी.पी.एस. महोदय से यह जानना चाहता हूँ कि जिन ग्राम पंचायतों ने 75 हजार रूपयें जमा करवाए हुण हैंवे कितनी हैंऔर वहां पर स्टेडियमज कब तक बन कर तैयार हो जायेंगे।

श्री रामपाल माजरा : अध्यक्ष महोदय, मैं अपने माननीय साथीको बताना चाहूँगा कि पहले तो केस गवर्नमैंट ऑफ इण्डिया को भेजा जाता है। स्पीकर सर, 27 खेल मैदानों के लिए 40 लाख रूपये आबंटित कर दिए गए हैं औरएन पर काम भारू कर दिया गया है। इसके अतिरिक्त कुछ दरखास्तें और भी आई हैं स्टेट

गवर्नमैंट उन दरखास्तों को ऐजामिन करेगी बौर फिर केस गवर्नमैंट ऑफ इण्डिया को भेजेगी जब कि कुछ केस ऑलरैडी गवर्नमैंट ऑफ इण्डिया को भेजे हुए है।

श्री अमर सिंह ढांडे : स्पीकर सर, मेरे क्षेत्र नगरपालिका चीका में आठ एकड़ जमीन स्टेडियम के लिए दी हुई हैं और 75 हजार रूपये की राि ा भी जमा करवाई हुई है, मैं आपके माध्यम से आदरणीय सी.पी.एस. महोदय से यह जानना चाहूॅगा कि वहां पर स्टेडियम का काम कब तक भाुरू हो जाएगा ?

श्री रामपाल माजरा : अध्यक्ष महोदय, जैसे कि मैंने बताया है कि फोरमैल्टिज पहले पूरी करते हैं। जिन पंचायतों ने 75 हजार रूपये की राि ा जा करवा दी होती है उनके केसिज को स्टेट गवर्नमैंट की ओर से सैंटर गवर्नमंट को भेजा जाता हैं और उसके बाद ही स्टेडियम का काम भाुरूा करते हैं।

श्री लीला राम : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से सी.पी.एस. महोदय को यह बताना चाहूॅगा कि कैथल में अभी तक खेल स्टेडियम नहीं बना है जबकि वहां पर खेल स्टेडियम मन्जूर किया हुआ है। मैं आपके माध्यम से सी.पी.एस. महोदय से यह जानना चाहूॅगा कि कैथल में खेल स्टेडियम कब तक बन कर तैयार हो जाएगा।

श्री रामपाल माजरा : स्पीकर सर, जैसे कि मैंने पहले ही बताया है कि दो जिले ऐसे हैं जहां खेल स्टेडियम नहीं है।

जिला कैथल और जिला फतेहाबाद में स्टेडियम का काम भाुरू हुआ है। कैथल जिला में उसके लिए जमीन की दिक्कत थी। इसके लिए हुड्डा में 30 एकड़ जमीन ऐक्वायर करने का फैसला किया है। जमीन ऐक्वायर करने के लिए दफा 4 तथा दफा 6 के तहत नोटिस जारी कर जमीन प्राप्त की जाएगी और वहां पर बाद में स्टेडियम तैयार किया जाएगा।

आई.जी(सेवानिवृत) भोर सिंह : स्पीकर सर, दो जगह पर हॉकी के लिए एस्ट्रोटर्फ बनाने जा रहे हैं यह अच्छी बात है। स्पीकार सर, हमारे दे ा में हॉकी का स्तर बहुत ही नीचे चला गया है जबकि पहले हमारी हॉकी का स्तर बहुत ही ऊंचा था। इन दोनों जगहों पर हम किस तरह की व्यवस्था करने जा रहे हैं खासतौर पर उन बच्चों के जिए जो कि बडिंग हैं, वही आगे चल कर उभर कर ऊपर आएंगे, क्या उन बच्चों के लिए किसी प्रकार की व्यवस्था करने जा हे हैं या कुछ किये जाने की कोई परपोजल सरकार के पास हैं?

श्री रामपाल माजरा : अध्यक्ष महोदय, जिस प्रकार से इन्होनें अभी बताया है कि एस्ट्रोटर्फ के लिए काम भाुरू किये जा रहे हैं। इसी प्रकार से बच्चों की उम्र के मुताबिक उनके कौ ाल को डिवैल्प करने के लिए नर्सरियां भाुरू की गई हैं। विभिन्न बोर्डज तथा कारपोरे ान्ज से कहा गया है कि इन नर्सरियों में से ही बच्चों का डिवैल्प किया जाएगा और आगे जाकर स्कूलों और कॉलेजों में डिवैल्प होकर आगे जाएंगे। मैं माननीय साथी को

बताना चाहूँगा कि बच्चों का जो स्किल है और जो प्रतिभाएं हैं ग्रामीण अंचल में उनको कलैक्ट करके उनको डिवैल्प किया जायेगा।

श्री नफे सिंह राठी : स्पीकर सर, बहादुरगढ़ में ब्रिगेडियर होि ायार सिंह स्टेडियम है और उस स्टेडियम के नाम पर मल्टीपरपज हॉल के नाम पर 10 लाख रूपये कई साल से आए पड़े हैं लेकिन 10 लाख में मल्टीपरपज हॉल नही बन सकता। मैं माननीय सी.पी.एस. जी से जानना चाहूँगा कि क्या उस पैसे से वहां पर एक रैसलिंग भौड बनाया जा सकेगा ?

श्री रामपाल माजरा : स्पीकर सर, वैसे तो जिस परपज के लिए पैसा आया है वह उसी परपज के लिए खर्च होना चाहिए। अगर माननीय साथी उस पैसे को किसी दूसरे परपज के लिए यूज करना चाहते है तो वे परपोजल बना कर भेजें ताकि उसी काम के लिए पैसे लगाने के लिए हम विचार कर सकें। (विध्न)।

श्री बलवन्त सिंह मायना :अध्यक्ष महोदय, मैं आपके द्वारा माननीय मंत्री जी से जानना चाहता हूँ कि मेरे हल्के के जुलाना गांव के अन्दर स्टेडियम के लिए नार्मज के हिसाब से पैसा जमा करवा दिया गया है, वहां पर कब तक काम भाुरू होने की सम्भावना है।

श्री रामपाल माजरा : अध्यक्ष महोदय, मैंने पहले भी बताया है और अब फिर बता देता हूँ कि जिनकी तरफ से 75

हजार रूपए और पांच एकड़ जमीन दे दी गई है, वहां पर काम जल्दी भाुरू हो जाएगा। हमारे पास 27 खेल मैदानों के लिए पैसा आ चुका है और हमने गवर्नमैंट ऑफ इण्डिया को दरख्वास्तें भेजी हुई हैं, जितने भी केस हैं उनको एग्जामिन कर लिया गया है और कार्य प्रोसैस में है। गवर्नमैंट ऑफ इण्डिया से पैसा उपलब्ध होने पर कार्य पूरा कर दिया जाएगा।

श्री राम फल कुण्डु : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके द्वारा माननीय मंत्री जी से जानना चाहता हूँ कि सफीदो में भी खेल का मैदान बनाने की परपोजल इनके पास बनकर आई थी, क्या वह सरकार के विचाराधीन हैं। अगर हां तो कब तक कार्य पूरा कर दिया जाएगा ?

श्री रामपाल माजरा : अध्यक्ष महोदय, इस बारे में भी मैं माननीय सदस्य को बताना चाहूँगा कि सफीदो के बारे में भी यही नार्मज हैं जो कि मैंने जिला स्तर के बारे में बताएं है। अगर इन्होंने फारमैलेटीज पूरी की होंगी और 75000 रूपया जमा करवा दिया होगा तो मैं इनको यह बताना चाहूँगा कि यह कार्य प्रोसैस में है और उस पर जरूर कार्यवाही होगी।

श्री अनिल विज : अध्यक्ष महोदय, अम्बाला और गुड़गांव में जो एस्ट्रोटर्फ अम्बाला कैन्ट में जो मौजूदा फुटबाल स्टेडियम है जो पर दूसरी खेल एक्टिविटिज भी होती है और बाकी मल्टीपरपज

काम भी होते हैं उसमें भी एस्ट्रोटर्फ लगाया जा रहा है या अलग से स्टेडियम बनाया जा रहा है।

श्री रामपाल माजरा : अध्यक्ष महोदय, एस्ट्रोटर्फ लगाने का जो अम्बाला में प्रोविजन किया गया है यह अलग से लगाया जाएगा। अम्बाला और गुड़गांव में एस्ट्रोटर्फ लगाने का काम जल्दी ही भाुरू हो जाएगा।

Posting of Doctors in C.H.Jhajjar

999.Sh.Daryao Singh Rajora : Will the Minister of State for Health be pleased to State whether there is any proposal under consideration of the Govt.to post the Doctor for night duty in the Civil Hospital,Jhajjar; if so, the time by which the doctor will be posted there ?

स्वास्थ्य राज्य मंत्री(डॉ.एम.एल.रंगा) : जी नहीं, सामान्य अस्पताल,झज्जर में चिकित्सा अधिकारी रात्रि मे काल ड्यूटी पर उनलब्ध होता है।

श्री दरियाव सिंह राजौरा : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके द्वारा माननीय मंत्री जी से कहना चाहता हूँ कि झज्जर जिले से 80 किलोमीटर के बीच में अस्पताल में रात की ड्यूटी पर डाक्टर की कोई व्यवस्था नहीं है। वहां पर रात की ड्यूटी पर डॉक्टर होना बहुत जरूरी है। कई बार तो मुझे मौका मिला है कि दिन वाले डॉक्टर को बुलाने के लिए रात को जगाना पड़ता है इसलिए वहां पर लोगों को बहुत मुि कल का सामना करना पड़ता है।

एक—एक और डेढ़—डेढ़ घंटा बैठने के बाद डॉक्टर आता है इतने में मरीज की हालत पतली हो जाती है। इसके अलावा किसी को कोई छोटी—मोटी चोट लग जाती है तो उसको रोहतक के लिए रैफर कर दिया जाता है। वहां तक जाते जाते मरीज की हालत और खराब हो जाती है इसलिए वहां पर मंत्री जी रात के डॉक्टर की व्यवस्था करने की कृपा करें।

डॉ.एम.एल.रंगा : अध्यक्ष महोदय, वैसे तो रोहतक का मैडिकल कॉलेज और अस्पताल झज्जरे से 30—35 किलोमीटर दूर है और रिवाड़ी के बारे में बताया कि वह रोहतक से 80 किलामीटर दूर पड़ता है। अध्यक्ष महोदय, मैं अपने साथी को बताना चाहूँगा कि हमारे परम आदरणीय मुख्य मंत्री जी की प्राथमिकता है कि जहां पर जिला हैड क्वार्टर है, जहां पर जिला है वहां पर कैजुअल्टी सर्विस दी जाए। अध्यक्ष महोदय, पिछली बार बजट में इन्होंने देखा होगा कि 15 लाख 50 हजार रूपये का प्रावधान था और मई में स्टाफ सैंक ान कर दिया था ओर आज वहां पर कैजुअल्टी के नाम पर स्टाफ सैंक ान है। इसके साथ ही मैं माननीय साथी को बताना चाहूंगस कि हमारे यहां जहां—जहां पर रिक्त वैकैन्सियां हैं तो उनके लिए हमने 200 पदों को एडवरटाईज करके इन्टरव्यू ले लिए हैं और उनकी जहां जहां जरूरत है वहां—वहां लगा दिया जाएगा तथा साथ ही जहां पर भी कैजुअल्टी सर्विस की जरूरत है वह भी भाुरू कर दी जायेगी।

प्रों.राम भगत : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके द्वारा माननीय मंत्री जी से जानना चाहता हॅू कि नारनौंद में एक सी.एच.सी. हैं। उसके बारे में मैं सरकार से पिछले दो सालों से रिक्वैस्ट कर रहा हॅू। (विध्न)

श्री अध्यक्ष : राम भगत जी, आप रिलेटिड प्र न ही पूछें। यह झज्जर के बारे में प्र न हैं और आप उससे रिलेटिड स्पलीमैंटरी पूछें।

प्रों.राम भगत : अध्यक्ष महोदय, मैं यह पूछ रहा हॅू कि हमारे नारनौंद में जो सी.एच.सी. है वहां पर कोई लेडी डॉक्टर नही हैं, मंत्री जी वहां पर लेडी डॉक्टर कब तक भेजने का कश्ट करेंगे।

डॉ.एम.एल.रंगा : अध्यक्ष महोदय, मैं इनको यह बताना चाहूंगा कि हमारे 200 डाक्टर्ज कमी सूची यथा भीघ्र आने वाली है और हम सबसे पहले नारनौंद में लेडी डाक्टर लगाएंगे।

श्री मती वीना छिब्बड़ : स्पीकर सर, अम्बाला में एक बहुत सुंदर हॉस्पीटल है लेकिन उसके अंदर कोई एक्सरे वि ोशज्ञ नहीं है और वहां जो अल्ट्रा साउंड म ीन है वहा भी बेकार पड़ी हुई हैं। एक्सरे करने वाला है लेकिन उसके बारे में रिपोर्ट देने वाला कोई डॉक्टर नहीं है। अगर वहां पर कोई एक्सरे वि ोशज्ञ आ जाए तो अल्ट्रा साउंड का काम वहीं पर हो सकता है। अब यह है कि लोग वहां आ जाते हैं लेकिन बाद मं उनको बाहर से जाकर

अल्ट्रा साउंड करवाना पड़ता है। इसलिए मैं मंत्री महोदय से आपके माध्यम से पूछना चाहूंगी कि क्या वे वहां पर कोई रेडियोग्राफर लगाने की व्यवस्था करेंगे। अध्यक्ष महोदय, इसके अलावा मैं यह भी कहना चाहूंगी कि जितने भी एम.डी.डॉक्टर हों,उनको पोस्टमार्टम के कार्य में न लगाया जाए। जब वे पोस्टमार्टस के लिए जाते हैं तो बाद में पोस्टमार्टम के केसिज में इनको न्यायालयों में गवाही के लिए जाना पड़ता है नतीजा यह होता है कि इनसे अपना इलाल करवाने के लिए अस्पतालों में जनता की लाइने लगी रहती हैं लेकिन ये वहां पर उपलब्ध नहीं होते। इसलिए मैं मंत्री जी से कहला चाहूंगी कि आपात् स्थिति को छोड़कर पोस्टमार्टम के लिए एम.डी. डॉक्टर के बजाए अन्य डाम्क्टर्ज की ड्यूटी लगायी जाये ताकि बाद में अगर ूसरे डॉक्टर्ज को गवाही के लिए कोर्टस में भी जाना पड़े तो जनता को कोई दिक्कत न हों। सी तरह से अध्यक्ष महोदय, एम.डी. डॉक्टर्ज की ड्यूटी रात को भी अस्पताल में न गलायी जाए। जब से रात को ड्यूटी पर होते हैं तो दिन में ये अस्पताल में लोगौं का इलाज नहीं करते। लोगों की वहां पर बड़ी–बड़ी लाइनें लगी रहती हैं लोगों को पता ही नहीं होता कि इनकी ड्यूटी रात को थी। लोग दूर–दूर से गांवो से आते हैं। इसलिए मंत्री जी इस बारे में भी ध्यान दें।

डॉ.एम.एल.रंगा : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से सम्मानित सदस्या को बताना चाहूँगा कि जो सुपर स्पै ालिस्टस

या सपैरूालिस्टस डॉक्टर्ज हैं, उनका इस बारे में ध्यान रखते हैं कि दिन में ही उनकी सेवाएं ली जाएं। यह दूसरी बात है कि अगर कोई डॉक्टर छुट्टी चला जाए तो मजबूरी में उनकी ड्यूटी रात को भी लगानी पड़ती है लेकिन आगे से जरूर इस विशय में ध्यान रखा जाएगा कि जो एम.डी.,एम.एस.या सुपर स्पे ालिस्ट डाक्टर्ज हैं उनकी दिन में ही ड्यूटी लगायी जाए। इसके अलावा इन्होने इनकी ड्यूटी पोस्टमार्टम के लिए न लगाने के बारे में भी कहा। अध्यक्ष महोदय, अगर पोस्टमार्टम के केसिज में एम.डी. की ड्यूटी कोट्रस में गवाही देने के लिए लगायी जाती है तो उनकी जगह दूसरे डॉक्टर्ज की व्यवस्था की जाती है उनकी जगह पर कोई न कोई डॉक्टर जरूर बिठाया जाता है ताकि वह मरीजों की देखीभाल कर सके।

श्रीमती वीना छिब्बड़ : स्पीकर सर, लोग जिन डॉक्टर्ज से अपना इलाज पहले से ही करवा रहे होते हैं वे उन्ही को बाद में भी दिखाना चाहते है।

डॉ.एम.एल.रंगा : अध्यक्ष महोदय, इसी तरह से इन्होनें एक्सरे वि ोशज्ञ वहॉं पर लगाने की बात कही। अम्बाला जिले को भी लिया हैं। यूरोपियन कमी ान द्वारा यह प्रावधान किया गया है कि यदि इन अस्पतालों में कोई डॉक्टर्ज या वि ोशज्ञ सरकार के पास नहीं है तो सह प्राइवेट डॉक्टर्ज को अंगेज करके उसको पैसा देकर काम चला सकते है। फिर भी मैं माननीय सदस्या को कहना चाहूंगा कि वहां पर रेडियोग्राफर की व्यवस्था यथा ीघ्र की

जायेगी। अध्यक्ष महोदय, अगर कोई जहर खाकर मर जाता है या जैसे कई बार ऐक्सीडैंटस हो जाते हैं तो ऐसे केलिज में एम.डी. डॉक्ट की पोस्टमार्टम के लिए ड्यूटी लगायी जाती है इस अवस्था में सूपर स्पे ालिस्टस या स्पे ालिस्टस से ही यह कार्य करवाना अनिवार्य हो जाता है। ऐसे केसिज में कोर्टस मे उनको गवाही देने जाना ही पड़ता है इसलिए उनकी जगह दूसरे डॉक्टर्ज को कोर्टस में नहीं भेजा जा सकता। फिर भी दूसरे डाक्टर्ज मरीजों को अटैंड करते है।

श्री भागी राम : स्पीकर सर, इसमें कोई दो राय की बात नहीं यह कि क्वैं चन पर्टीकुलर झज्जर में बारे क्वै चन पुछें। वे केवल टालने के लिए ऐसा करते थे क्योंकि उस समय के वजीर तैयारी करके ही नहीं आते थें। वे ऐसे ही कह देते थे कि आप दोबारा से क्वै ाचन पूछें लेकिन अध्यक्ष महोदय, हमारे वजीर ऐसे हैं कि पूरी तैयारी करके जैं कि जिन जगहों पर डॉक्टर्ज की ड्यूटी हैं और वहीं पर सरकारी अस्पतालों में उनकी घरवाली भी डॉक्टर्ज हैं और उन्होंने अपना प्राइवेट अस्पताल खोल रखा है तथा वहां पर सरकारी अस्पताल में उनकी घरवाली भी डॉक्टर्ज हैं और उन्होंने अपा प्राइवेट अस्पताल खोल रखा है तथा वहां पर सरकारी अस्पताल की दवाइयां प्राइवेट अस्पताल में ले जाकर यूज करते हैं। ऐसी कितनी ि ाकायतें इनके पास आयी हैं कृपया यह बताएं।

डॉ.एम.एल.रंगा : अध्यक्ष महोदय, वैसे तो इनका यह सवाल इस प्र न से संबंधित नहीं है लेकिन फिर भी मैं इनको बताना चाहूंगा कि इस विशय में हमारे पास 28 ि ाकायतें आयी है जिनमें से हमने 18 को चार्ज ीट किया हुआ हैं। हमारा फ्लाईंग स्कावड होस्पीटल्ज में जाकर इस बारे में देखता हैं। यदि आगे भी इस तरह की ि ाकायतें हमारें पास आएंगी तो हम अव य कार्यवाही करेंगें। अगर सम्मानित सदस्य को इस बारे में कही से कोई ि ाकायत है तो से बता दें।

श्री भागी राम : स्पीकर सर, ऐलनाबाद में इस तरह की ि ाकायत आयी है।

डॉ.एम.एल.रंगा : स्पीकर सर, ऐलनाबाद में हमने कार्यवाही की है वहां पर स्टाफ नर्स के खिलाफ कार्यवाही की गयी है। यदि इस बारे में कोई और भी ि ाकायत आएगी तो हम उस पर भी कार्यवाही करेंगे।

श्रीमती अनिता यादव : स्पीकर सर, जमालपुर गसंव जाखड़ खाप के लोगों की कमाई से बता हुआ एक अस्पताल है लेकिन वहां पर 6 महीनों से कोई डॉक्टर ही नहीं है (विध्न)

श्री अध्यक्ष : आप केवल झज्जर के बारे में पूछें।

श्रीमती अनिता यादव : स्पीकर सर, यह मेरे क्षेत्र साल्हावास से संबंधित समस्या हैं। वह अस्पताल बड़ी ही आस्था से बनाया गया था और किसानों ने अपनी कश्ट कमाई देकर बनवाया

था वहां आज छह महीने से कोई डाक्टर नहीं इसी तरह से नाहड़,पी.एच.सी में कोई डॉक्टर नहीं है, यदि वहां कोई गाइनाकॉलोजिस्ट लेडी डॉक्टर या कोई जैंटस डॉक्टर भेज दें तो वहीं फर्स्ट ऐड की सुविधा हो जाएगी और इससे मरीजों को सुविधा हो जायेगी। अध्यक्ष महोदय, मेरा मंत्री महोदय से अनुरोध है कि इन तीनो जगहों पर डॉक्टर भेजे जाएं।

डॉ. एम.एल.रंगा : अध्यक्ष महोदय, हमारी सरकार की प्राथमिकता यह थी कि जिन प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रो में कोई डॉक्टर नहीं है वहां डॉक्टर नियुक्त किए जाएंगे। इस बात को ध्यान में रखकर हमारी सरकार ने आते ही दिसम्बर,1999 में 323 डॉक्टरों की नियुक्तियों करवाई। जनवरी 2000 में 58 डॉक्टरों की व 2001 में 183 डॉक्टरों की नियुक्तियां करवाई। आज के दिन हमारे पास डॉक्टरों के कुल 1677 पद हैं जिनमें से 1428 डॉक्टर कार्यरत है, 249 डॉक्टरों के पद खाली हैं उसमें से दिसम्बर, 2001 में 200 डॉक्टरों के पद ऐडवर्टाइज किए जा चुके हैं ओर जनवरी में उनका इन्टरव्यू लिया जा चुका है तथा अगले महीने तक उनकी नियुक्ति कर दी जायेगी। जहां तक बहल अनीता यादव ने बताया है उनके यहां भी इन डॉक्टरों में से डॉक्टर कर दिए जायेंगे। इसी बीच में 30 डॉक्टर्ज पी.जी करके आने वाले हैं उनमें से जो स्पै ालिटीज प्राप्त महिला डॉक्टर होगी वह इनके यहां नियुक्त कर दी जायेगी।

श्री देवराज दीवान : अध्यक्ष महोदय, अभी–अभी हमारे साथी श्री भागीराम जी ने डॉक्टरों के बारे में बताया। मैं बताना चाहूॅगा कि हामरे सानीपत में भी एक साकारी डॉक्टर ने प्राइवेट अस्पताल अपनी बीवी को खोल दिया है। उसके बारे में मैने ंमुख्य मंत्री जी को ि ाकायत की थी तो उसका ट्रांसफर कर दिया था लेकिन कुछ दिन बाद उसका ट्रांसफर कैंसिल हो गया ओर वह वहीं का वहीं रहा। अब वह सरकारी अस्पताल के सारे केस अपलर बीवी के पास भेजता है कि ये चैकअप वहाॅ कराओ,टैस्ट वहाॅ कराओ। खुलेआम यह हो रहा है इसके बारे में सारे सोनीपत को पता है, सी.एम.ओ. को भी पता है लकिन सी.एम.ओ भी ऐसा ही है।

श्री अध्यक्ष : देवराज दीवान जी, आप भी कमाल करते है। यदि कोई ि ाकायत है तो लिखकर दे। यह हाउस में करने वाली बात नहीं है।

श्री भगवान सहाय रावत : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से जानना चाहता हूॅ कि रात्रि में डॉक्टर नियुक्त करने के प्र न के उतर में जो कुछ मंत्री महादेय ने बताया है। उसके बारे में मैं भी कुछ जानना चाहूॅगा। हरियाणा में डॉक्टरों की नियुक्तियां करने के बाद से ही यह उम्मीद की जा रही थी कि सभी जगह डॉक्टर लगा दिये जाएंगे। पिछले सदन में भी मैंने यह बात उठाई थी कि हथीन अस्पताल में, उटावड़ व नांगल जाट पी.एच.सी. में डॉक्टर नहीं है ओर कहने पर टेम्परेरी

अरेंजमैंट के तहत वहां डॉक्टर लगा दिए थे अब वहां फिर डॉक्टर नहीं हैं, क्या वहां परमानैट डॉक्टर अप्वाइन्ट करने की कोि ा ा करेंगे। अध्यापकों की तरह डॉक्टर भी भाहरों में बैठे हैं गांव में जाने को तैयार नहीं है,क्या मेवात जैसे क्षेत्र में परमानैंट डॉक्टर नियुक्त किए जांएगें ?

डॉ.एम.एल.रंगा : अध्यक्ष महोदय, हमारी सरकार ने स्वास्थ्य नीति के तहत पहली बार निर्णय लिया है कि जो नये डॉक्टर नियुक्त किए जाएंगे उन्हें रूरल एरिया सर्विस कंपलसरी की हुई है। जहां तक मेवात एरिया में डॉक्टर दिए जाने की बात है इनकी बात ठीक है कि जब भी हम मेवात में किसी डॉक्टर को भेजते हैं तो वे कोई न कोई बहाना लेकर पोस्टिंग कैंसिल करा लेते हैं। फिर भी उस एरिया से डॉक्टर होंगे उनको वहां पोस्टिंग किया जाएगा ताकि वे ट्रांसफर कैंसिल न करवाएं।

Repair of Water Workes

1054 Ch. Jagjit Singh: will the Chief Minister be pleased to whether there is any proposal under consideration of the Government to repair the following water works.Charkhi Dasri Sub Divison:-

(1) Imlota water works;

(2) Patuwas water works;

(3) Paintawas Khurd water works;

(4) Chhapar water works;

(5) Misri water works; and

(6) Bhageshwari water works;?

मुख्य संसदीय सचिव(श्री राम पाल माजरा) : जी नहीं श्रीमान ।

चौधरी जगजीत सिंह सांगवान : अध्यक्ष महोदय, मैंने जलधरों के जो नाम दिए हैं उनमें क्रम संख्या 4 पर छापर नाम दिया हुदा हैं छापर कोई गांव नही है। छपार गांव है इसके बारे में दिखवा लें कि कहीं नाम गलत होने की वजह से जवाब में नही कह दिया हों।

श्री अध्यक्ष : अंग्रेजो में छपार ही लिखा हुआ है। ठीक लिखा हुआ है।

चौधरी जगजीत सिंह सांगवान : सर, हिन्दी में छापर लिखा है इसलिए मैंने कहा है। अध्यक्ष महोदय, मैंने जो क्वै चन दिए थे उसमें इनकी मरम्मत के साथ–साथ इनमें पानी भरनें के लिए भी कहा है, कई सालों से पैंतावास खुर्द मिसरी, इमलोटा में पानी नहीं भरा गया है। इमलोटा,छपार के जलघरों को चलाया भी नही गया है उसके ऊपर मंत्री महोदय क्या करने जा रहें हैं स बारे में बतायें ।

श्री राम पाल माजरा : स्पीकर सर, माननीय साथी ने वि ोश तौर से इमलोटा के जलधर की बात की है यह ठीक है कि 1999 में इमलोटा का जलधर 70 लीटर प्रति व्यक्ति प्रतिदिन

की कैपेसिटी के हिसाब से बनाया गया था। यह ठीक है कि दुबलधन माईनर के टेल एंड पर होने की वजह से इसमें पानी उपलब्ध नहीं हो रहा था परन्तु अब 20–25 दिनों से पानी की रोटे ान ठीक चल रही है और पानी भी ठीक पहुंच रहा है। इसकी कमी पूर्ति को पूरा करने के लिए दो सैलों टयूबवैल्ज लगाये गये हैं इसलिए अब वहां पर पानी ठीक जा रहा है। इसी प्रकार से पैंताबास कलां के जलघर की बात है,यह जलघर बधवाना डिस्ट्रीब्यूट्री से जुड़ा हुआ है इसकी पानीकी कमी को पूरा करने के लिए चार सैलों टयूबवैल्ज लगाये गये है। पैंतावास कलां का जलघर 70 लीटर प्रति व्यक्ति प्रतिदिन की कैपसिटी के हिसाब से बनाया गया है और इसका पानी अब ठीक सप्लाई किया जा रहा है। इसी प्रकार से पैंतावास खुर्द का जलघर 40 लीटर प्रति व्यक्ति प्रतिदिन की कैपेसिटी के हिसाब से बनाया गया है। यह मानहेक माईनर से जुड़ा हुआ है इसकी कमी पूर्ति करने के लिए दो सैलो टयूबवैल्ज लगाये गए हैं आकर रोटे ान से पानी पहुंच रहा है फिर भी मेरे साथी की जानकारी के लिए मैं बताना चाहूंगा कि पहले यह जलघर चार गांवो के लिए अलग से जलघर 72.32 लाख रूपये की लागत का इस योजना में स्वीकार कर दिया गया है। उसका काम 90 प्रति ात पूरा हो चुका है अब बाईफ्रकेट करने के बाद इसकी कैपेसिटी ठीक हो जायेगी। इसी प्रकार छपार का जलघर 70 लीटर प्रति व्यक्ति से मिसरी का जलघर 30 लीटर प्रति व्यक्ति प्रतिदिन की कैपेसिटी के हिसाब से बनाया गया है। उसकी आगुमेंटे ान का काम 60 प्रति ात पूरा हो चुका है और यह काम

मई, 2002 तक, पूरा हो जायेगा। इसी प्रकार से भागेश्वरी के जलघर की बात हैं। वहां पर रोटे ान में पानी की कमी की वजह से पानी की कमी हो गई थी और इस कमी को पूरा करने के लिए दो नलकूप लगाये गये हैं लेकिन अब वहां पर पानी पहुंच गया है। इस प्रकार से 6 जलघरों की माननीय साथी ने बात की है। इन सब का कार्य अब ठीक होने जा रहा है और इनकी जानकारी के लिए मैं बताना चाहूँगा कि इस प्रकार ने पानी की व्यवस्था को संवारने के लिए बहुत कार्य किये हैं। यह सारी इस सरकार की उपलब्धियां है अगर फिर भी माननीय साथी को कोई भांका है तो मैं उनको आंकड़े दिखा सकता हूँ वे चैक कर लें।

श्री कृ ण लाल : स्पीकर सर, मैं आपके माध्यम से चीफ पार्लियामैंटरी सैक्रेटरी महोदय से जानना चाहता हूँ कि असन्ध कस्बा एक सब डिवीजन है वहां पर 70 लीटर प्रति व्यक्ति प्रतिदिन की कैपेसिटी का जलघर था। लेकिन पिछले दिनों माननीय मुख्य मंत्री महोदय ने अढ़ाई करोड़ की लागत से वहां पर वाटर वर्क्स का उद्‌घाटन किया है और वह वाटर वर्क्स चालू हो चुका है। वहां पर 125 लीटर प्रति व्यक्ति प्रतिदिन के हिसाब से कैपेसटिी हो गई है ओर माननीय मुख्य मंत्री महोदय वहां पर सीवरेज सिस्टम लगाने की मंजूरी देकर आये हैं। क्या मंत्री महोदय बताएगें कि वहां पर सीवरेज सिस्टम लगाने की व्यवस्था करने का काम करेंगे, क्योंकि वहां पर सीवरेज सिस्टम लगाने के नार्म्स पूरे हो चुके हैं।

श्री राम पाल माजरा : स्पीकर सर, वैसे तो यह प्र न जलपूर्ति के बारे में था। लेकिन मेरे माननीय साथी श्री कृ णलाल पंचार ने सीवरेज व्यवस्थाके बारे प्र न किया है। यह ठीक है कि सीवरेज व्यवस्था वहीं पर लगायी जाती है जहां पर 10 लीटर प्रति व्यक्ति प्रतिदिन पानी की सप्लाई की जाती है। इन्होनें कहा कि असन्ध में 125 लीटर प्रतिव्यक्ति प्रतिदिन की कैपेसिटी हो गई है तो नार्म्स तो पूरे हो चुके हैं इसलिए सीवरेज व्यवस्था लगाने बारे में विचार कर लिया जायेगा।

श्री धर्मवीर सिंह : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री महोदय से पूछना चाहता हूॅ कि भिवानी जिलें के तीन गांव ऐसे हैं जहां पीने का पानी नहीं है और फसल कटने का समय आने वाना हे इसलिए सरकार इस पर कोई विचार करेगीं।

श्री अध्यक्ष : धर्मवीर जी, जो गांव सवाल में कहे गए हैं आप इन्ही गांवों के बारेमं ही पूछें।

श्री धर्मवीर सिंह : अध्यक्ष महोदय, भिवानी जिले के ये तीन गांव खापड़िवास,झारीवास और खारीवास इन्हीं गांवों के साथ लगते हैं वहां पाने का पानी बिल्कुल नहीं है और फसल कटने का समय आने वाला है और गर्मी का भी मौसम आ रहा है तो क्या सरकार इन गांवों में पानी की व्यवस्था के लिए कोई कदम उठा रही है।

श्री अध्यक्ष : धर्मवीर जी, आप पीने के पानी की बात कर रहे हैं या सिंचाई के पानी की बात कर रहे हैं।

श्री धर्मवीर सिंह : अध्यक्ष महोदय, मैं पीने के पानी के लिए ही कह रहा हूँ।

श्री रामपाल माजरा : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय साथी को बताना चाहूँगा कि वैसे इन योजनाओं में तो इन गांवों का कहीं कोई जिक्र नही हैं फिर भी मेरे साथी धर्मवीर जी ने कहा है कि उनके यहां पाने के पानी की व्यवस्था की जाए तो मैं इनको बताना चाहूँगा कि इस सरकार के मुखिया का पहला काम प्रदे ा की जनता को स्वच्छ पानी पिलाना है।

Distribution of Power Utilities

888 Dewan Pawan Kumar: Will the Chief Minister be pleased to state:-

(a) whether any addition of distribution transformers has taken place in the system of the distribution of the Power utilitie ; and

(b) if so, the details thereof for the last five year ?

मुख्य संसदीय सचिव(श्री रामपाल माजरा) :

(क) हॉ श्रीमान, वितरण प्रणाली को सुदृढ़ करने के लिए तथा बिजली की गुणवता प्रदान करने के लिए बिजली कम्पलियों द्वारा 19651 वितरण ट्रांसफार्मर और जोड़े गए हैं।

(ख) पिछले पांच वर्शो के लिए जोड़े गए वितरण ट्रांसफार्मरों का वर्श अनुसार एक विविरण सदन के पटल पर प्रस्तुत है।

विवरण

पिछले पांच वर्शो के दौरान बिजली कम्पनियों द्वारा प्रणाली में जोड़े गए वितरण ट्रांसफार्मरो का विस्तृत विवरण निम्न प्रकार से है:

वर्श	प्रणाली में जोड़े गए वितरण ट्रांसफार्मर
1997–1998	2887
1998–1999	3599
1999–2000	3504
2000–2001	4465
2001–2002(31–1–2002 तक)	5196
योग	19651

दीवान पवन कुमार : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री महोदय से कहना चाहूँगा कि जो 2001–2002 में

इन्होंने 5196 ट्रांसफारमर्स वितरण करने के बारे में कहा है, मैं इनसे यह जानना चाहता हूँ कि इनमें से कितने पुराने जले हुए ट्रांसफारमर्स की जगह नए लगाए गए है और कितने नये ट्रांसफामर्स नई जगह पर लगाए गए है।

श्री रामपाल माजरा : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय साथी को बताना चाहता हूँ कि जहां ओवर लोड था वहॉ पर ये नए ट्रांसफारमर्स लगाए गए हैं इनमें पुराने ट्रांसफारमर्स की कोई बात नहीं हैं।ये ट्रांसफारमर्स एडी ानल लगाए गए है।

Spurious Seeds

839, Shri Krishan Lal: Will the Minister for Agriculture be pleased to state whether any sample of suprious agricultural seed have been taken in the State during the period from 1st July,1996 to 23rd June,1999 and from 24th June,1999 to 31st,March,2001; if so, the details thereof together with the action taken in this regard ?

कृशि मंत्री(सरदार जसविन्द्र सिंह सन्धू) : अपेक्षित सूचना विधानसभा के पटल पर प्रस्तुत की जाती है।

सूचना

बीज की गुणवता सुनिि चत करने हेतु बीजों के नमुने नियमित रूप से लिये जाते हैं। एक जुलाई,1996 से 23 जून,1999 तक की अविध में बीजों के कुल 6096 नमूने लिये गये,जिनमें से

331 नमूने निम्न स्तर के पायें गये। 24 जून,1999 से 31 मार्च,2001 तक बीजों के कुल 4289 नमूने लिये गये और वि लेशण उपरान्त 224 नमूने निम्न स्तर के पाये गये।

निम्न स्तर के सभी 555 नमूनों से सम्बिन्धत दोशी बीज विक्रताओं के विरूद्ध कार्यवाही की गई हैं। 33 मामलों में बीज की बिक्री रोकी गई तथा 58 विक्रेताओं के लाइसैंस रद्द किये गये। 32 बीज विक्रेताओं के विरूद्ध न्यायालय में केस दायर कियो गये जिनमें से 9 केसों का निर्णय हो चुका हैं तथा 23 मामले अभी भी न्यायालयों में लम्बित हैं। 425 मामालों में जहां पर निर्धारित न्यूनतम बीज मानकों की तुलना में मामूली कमी पाई गई,उन विक्रेताओं को चेतावनी दी गई। भोश बचे 7 निम्न स्तर के नमूनों में से 2 नमूने बीज विक्रेताओं/उत्पादकों की प्रार्थना पर तथा 5 नमूने विभाग के पुराने मिनिकिट बीज से गुणवता जांचने हेतु लिये गये थें जिस पर कोई कानूनी कार्यवाही नहीं की जानी थी।

श्री कृ ण लाल : अध्यक्ष महोदय, जैसा कि मंत्री जी ने सवाल क जवाब में उतर दिया है कि निम्न स्तर के सभी 555 नमूनों से सम्बन्धित दोशी बीज विक्रेताओं के विरूद्ध कार्यवाही की गई हैं। 33 मामलों में बीज की बिक्री रोकी गई तथा 58 विक्रेताओं के लाइसैंस रद्द किए गए। 32 बीज विक्रेताओं के विरूद्ध न्यायालय में केस दायर किए गए जिनमें से 9 केसों का निर्णय हो चुका है तथा 23 मामले अभी भी न्यायालयों में लम्बित हैं। अध्यक्ष महोदय, मैं सबसे पहले मंत्री महोदयसे पूछना चाहूँगा

कि जो 555 नमूने दोशी पाए गए हैं उनमें से कौन–कौन सी फसलों के सैम्पल लिए गए हैं, 33 मामलों मैं बीज की बिक्री पर रोक लगाई गई है उन कम्पनियों के नाम क्या–क्या हैं, जिन 9 केसिज में कोर्ट का फैसला हुआ है उसमें कोर्ट ने किसके हक में क्या फैसला किया हैं और जो 58 लाइसैंस रद्द किए गए हैं उन कम्पनियों के नाम क्या–क्या हैं।

सरदार जसविन्द्र सिंह सन्धू : अध्यक्ष महोदय, माननीय साथी पहले यह पूछा है कि किन–किन फसलों के नमूनें भरे गए हैं, वह लिस्ट तो लम्बी है आपकी इजाजत से मैं पढ़कर सुना देता हूँ।

1 जुलाई,1996 से 31 मार्च,2001 में लिए अविध में लिए कुल नमूनों तथा निम्न स्तर के नमूनों का फसलवार विवरण निम्न प्रकार से है :–

फसल	1–7–96 से 31–3–97	1–4–97 से 31–3–98	1–4–98 से 31–3–99	1–4–99 से 31–3–2000	1–4–2000 से 31–3–2001
1	2	3	4	5	6
कपास	27	262	156	408	280

मूंग	1	25	16	21	15
धान	57	209	152	317	355
ज्वार	19	188	61	73	38
गुआर	2	3	1	5	14
अरहर	5	27	4	10	14
बाजरा	304	328	431	264	240
उड़द	2	3	1	2	5
मक्का	10	12	10	3	9
सरसों	600	383	277	183	192
चना	31	13	5	11	20
बरसीम	9	17	11	5	15
गेहूँ	332	451	599	852	967
मटर	9	6	4	1	1
जौं	12	2	10	5	13
सूरजमुखी	98	87	90	11	18

1	2	3	4	5	6
सब्जियां	221	284	130	65	–
जई	1	–	–	–	–
तिल	–	3	1	–	1
ढ़ैचा	–	1	–	–	1
मसर	–	1	–	2	2
योग	1740	2235	1959	2238	2213
निम्न	63	80	130	168	114
स्तर					

सर, 1–7–96 से लेकर 31–3–99 नमूने भरे गए और 1–4–99 से लेकर 32–1–2002 तक 6815 नमूने भरे गए हैं। अध्यक्ष महोदय, मेरे साथी ने दूसरा प्र न यह भी किया कि जिन 9 मामलों में फैसला हुआ है उसकें बारे में भी विस्तार से बताया जाये। मैसर्ज एच.डी.सी. कलानौर,रोहतक को डिसचार्ज्ड ड्यू टू लिमिटे ान पीरियड किया गया। अमरजीत सिंह एण्ड संज पटौदी को 28–7–97 को सी.जी.एम. कोर्ट की तरफ से फाइन किया गया। तंवर ट्रेडिंग कारपोरे ान,भिवानी को 21–11–2000 को

डिस्चार्ज किया गया । लक्ष्मी एग्रो स्टोर,भिवानी को भी 8–6–2000 को डिस्चार्ज किया गया। कृ ण कुमार,भिवानी को भी 9–8–97 को रिटैस्टिंग फाउंड पास किया गया। विकास बीज भण्डार,डिगवां,भिवानी को 500 रूपये जुर्माना किया गया। अ ोक को भी 1000 रूपये फाइन किया गया। हिन्दुस्तान एग्रीकल्चर जिन्टैक्स आर.एम.एच.डी.सी.,उमरी को भी5 हजार रूपये पर एकड़ के हिसाब से 4 ि ाकायतों के विरूद्ध 35000 रूपे फाईन किया गया।

श्री कृ ण लाल : स्पीकर सर, मंत्री जी ने अपने लिखित रिप्लाई में बताया है कि 33 मामलों में बीज की बिक्री रोकी गई तथा 58 विक्रेताओं के लाइसैंस रद्द कर किये गए। कृपया मंत्री जी जिन 33 मामलों में बीज की बिक्री पर रोक लगाई गई है उनके तथा जिन 58 विक्रेताओं जिनके लाईसैंस रद्द किए गए है, उनके नाम भी बताने का कश्ट करें।

सरदार जसविन्द्र सिंह सन्धू : अध्यक्ष महोदय, इन्होनें अपने मुल सवल में जोो बातें पूछीं थी उनका मैंने जवाब दे दिया। यदि ये इनका नाम पूछना चाहते हैं तो इसके लिए अलग से नोटिस दे दें।

श्री पूर्ण सिंह डाबड़ा : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मंत्री जी को बताना चाहता हॅू कि आज दिन–प्रतिदिन नई–नई सीड प्रोडक ान की कम्पिनयां आ रही हैं जिससे किसानों का बड़ा

भारी नुकसान हो रहा है क्योंकि ये कम्पिनयां अन सर्टिफाईड बीज बेंचती चली जा रही हैं। मै आपके माध्यम से कृशि मंत्री जी से जानना चाहता हूॅ कि ऐसी कम्पिनयों खिलाफ सरकार क्या कदम उठा रही है ?

सरदार जसविन्द्र सिंह सन्धू : अध्यक्ष महोदय, किसानों को सर्टिफाईड बीज मिल रहा है, नकली बीज नही मिल रहा। मै आने साथी सदस्य को बताना चाहता हूॅ कि सरकार इस बारे में पूरी तरह से फिकरमन्द है। इस बात का यही सबुत है कि हर साल हमारा उत्पादन पहले से बहुत ज्यादा बढ़ रहां है।

श्री भागी राम : अध्यक्ष महोदय, माननीय मंत्री जी ने अपने जवाब में बताया है कि 32 व्यक्तियों के विरूद्ध न्यायालय में केस दर्ज हुआ है और इनलमें से 9 का फैसला हो गया है और 23मामले अभी भी विचाराधीनहै। मैं मंत्री जी से जानना चाहता हूॅ कि जिन 9 केसों में कोर्ट का फैसला हो गया है या जो 23 मामले कोर्ट में लम्बित हैं क्या वे अब भी बीजों की दूकान कर रहे हैं या नहीं कर रहें।

सरदार जसविन्द्र सिंह सन्धू : अध्यक्ष महोदय, जिन के खिलाफ कोर्ट में मामला लम्बित है उन सबके लाइसैंस रद्द किए हुए है। जिनका मामला कोर्ट में पैण्डिंग है, उनका कोर्ट का फैसला आने पर ही सरकार कोई फैसला लेगी।

श्री भगवान सहाय रावत : अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय मंत्री जी से जानना चाहता हूँ कि जो लोग नकली बीज बेचते हैं या नकली खाद बेचते हैं और जिनके खिलाफ कोर्ट से जुर्माने होते हैं उनको ब्लैक लिस्ट करके सरकार उनकी पब्लिसिटी करेगी ताकि किसान ऐसे लोगों के बारे में जान सकें तथा जो फार्मरज सैंटर्ज है वहां पर और बी.डी.ओ. सैंटर्ज हैं वहां पर इस तरह की जानकारी उनलब्ध करवाने का कोई प्रावधान होना चाहिए ताकि किसान उनसे दोबारा बीज न खरीदें और सावधानी बरत सकें।

सरदार जसविन्द्र सिंह सन्धू : अध्यक्ष महोदय, जिस भी बीज व्यापारी के खिलाफ मुकद्दमा दर्ज हो जाता है और उसको अदालत से सजा हो जाती हैं तो दोबारा उसको लाइसैंं नहीं दिया जाता है। उस मामले में हमारा जो क्राईटीरिया होता है उसमें कम से कम 85% जर्मिने ान होना जरूरी होता है। यदि किसी केस में 83 या 84% आजाए तो पहली बार वार्निग दे दी जाती है लेकिन बार–बार नहीं होना चाहिए। इससे कम जर्मिने ान होने पर हम उसका लाइसैस तुरन्त रद्द करते हैं और दोबारा उसको लाइसैंस भी नहीं देते हैं।

श्री अध्यक्ष : कृशि मन्त्री जी, मान लीजिए बाप की दूकान का लाईसैंस कैंसल हो जाता है और उसी दुकान में अगर उसका बेटा लाइसैंस लेता हैं तो क्या आप उसकों परमिट करेंगे ?

सरदार जसविन्द्र सिंह सन्धू : अध्यक्ष महोदय, अगर कोई दुकान है और किराये पर है और किरायेदार बदलता है या दूसरी फर्म वहां पर काम करने को तैयार हो जाए तो आज उसको रोकने का कोई प्रावधान नहीं है।

राव इन्द्रजीत सिंह : अध्यक्ष महोदय, मेरा सवाल, जो सवाल पूछा गया है उससे डायरैक्टली सम्बन्धित तो नहीं है लेकिन चिन्ता का विशय है इसलिए मैं आपकी इजाजत से इस बारे माननीय मन्त्री महोदय से जानकारी चाहूँगा।

श्री अध्यक्ष : राव साहब, आप सम्बन्धित सवाल ही पूछें।

राव इन्द्रजीत सिंह : स्पीकर सर, मेरा सवाल सीड से सम्बन्धित ही है अध्यक्ष महोदय, सीड बाहर से आता है और सर्टिफाईड सीड के तौर पर हाई यीलि्ंडग वैरायटी उनको कहा जाता है और उसको प्रोपेगेट करते हैं और बहुत से लोग तो उसके बाद उसको सीड के तौर पर इस्तेमाल नहीं कर सकते हैं। स्पीकर सर, जो हाई यीलि्ंडग वैरायटीज हैं उनको लोग इस्तेमाल कर रहे हैं और जो हमारी डोमैस्टिक सीड है जैसे कि हम गेहूँ की फसल बोयें उसकी थोड़ी बहुत फसल हम रख लें ताकि उसको सीड के तौर पर इस्तेमाल कर लें। यह आज के दिन तो प्रिवेलैंट है लेकिन जो सीड बाहर से आता है उसका रिजर्मिने ान बहुत कम होता है या नहीं हो पाता है। इस सीड का इस्तेमाल करने के साथ–साथ हम इसी सीड पर निर्भर हो जाते हैं उस

विदे ी सीड के ऊपर जो हमारे दे । के अन्दर और प्रदे । के अन्दर आ रहा है।(विध्न) स्पीकर सर, मेरा क्वै चन यह है कि हमारा किसान या जमींदार जिस सीड के ऊपर निर्भर होता जा रहा है और यह भांका है कि आने वाले समय के अन्दर सारा सीड हमारे दे । के अन्दर और प्रदे । के अन्दर इस्तेमाल में आ जाए और हम विदे ी सीउ पर मल्टीनै ानल सीडस कम्पनीज के ऊपर निर्भर न हो जाएं इसके लिए सरकार क्या कदम उठा रही हैं ताकि जो सिलसिला अब चल रहा है वह खत्म हो जाए,क्या सरकार इसके लिए चिन्तित है ?

मुख्य मंत्री (श्री ओम प्रका । चौटाला) : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से सारे हाउस को अवगत करवाना चाहूॅगा कि सरकार की हरचन्द यह कोि । । है कि किसान को दच्छा सीड मिले। इसके लिए हमने अपनी सीडस कारपोरे ान से सब किस्म के सीडस तैयार करते हैं लेकिन कई अफा कुछ किसान जो आपने आप को प्रोग्रैसिव फारमर्ज कहते हैं विदे ी मल्टीने ानल कम्पनीज से, जिन पर हम पाबन्दी नहीं लगा सकते, क्योंकि इनकी सरकार के समय में लिब्रेलाईजे ान की आड़ लेकर उनको छूट दे दी गई और कुछ ऐसी कम्पलियां भी बन गई जो केवल व्यापारिक दृश्टि से कम्पलीज खोल लेते हैं लेकिन जहां कहीं भी ऐसी कोई ि ाकायत मिलती हैं और इन्क्वायरी करने पर वह कसूरवार पाया जाए तो उसे ब्लैकलिस्ट करते है तथा ब्लैकलिस्ट कम्पनी को फिर दोबारा सीड बेचने की अनुमति नहीं हो सकती हैं। स्पीकर सर,

फिर भी हम कोि ा ा करेंगे जहां से कोई ि ाकायत आएगी हम फौरन उस पर ऐक ान लेंगे और किसान को अच्छे से अच्छा सीड उपलब्ध करवाने का हर सम्भव प्रयास करेंगे।(विघ्न)

Construction of Roads

1009,Shri Ranbir Singh: Will the Chief Minister be pleased to state:-

(a) whether there is any proposal under consideration of the Government to construct the following roads of district Bhiwani:-

(i) from Pichopa Kalan to Siswala;

(ii) from Gopalwas to Tilauri;

(iii) Balkara to Kalali;

(iv) Dandama to Sirsali;

(v) Haraudi to kalunwala ; and

(b) if so, the time by which the aforesaid roads are likely to be construced ?

मुख्य मंत्री(श्री ओम प्रका ा चौटाला) :

(क) हॉ, श्रीमान जी, उपरोक्त क्रमांक (ii) पर सड़क को छोड़कर।

(ख) यह द ार्ाना सम्भव नहीं है कि क्रमांक (i),(iii),(iv)और (v) पर सड़कों का कब तक निर्माण हो जायेगा।

श्री रणवीर सिंह : अध्यक्ष महोदय,मैं मुख्य मंत्री जी का और मंत्री जी का धन्यवाद करना चाहता हूॅ कि इन्होनें नम्बर 1,3,4और 5 की सड़कों को मन्जूरी दे दी है। जहां तक नम्बर 2 वाली सड़क का सवाल हैं तो माननीय अध्यक्ष महोदय, गोपालवास से तीलौरी की ढाणी को यह सड़क जाती हैं। इससे बाढ़डा,लोहारू और महेन्द्रगढ़ ये तीन विधान सभा क्षेत्र जुड़ते है। इसके साथ ही 2 जिलों के आवागमन का रास्ता भी खुलता हैं इसलिए मैं सी.पी. एस. साहब से कहना चाहूॅगा कि सरकार इस सड़क को दोबारा से बनाने के बारे में विचार करें।

मुख्य संसदीय सचिव(श्री रामपाल माजरा) : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से सदन को बताना चाहूॅगा कि जब हमारी सरकार ने सता सम्भाली तो हरियाणा में सड़कों का ताना–बाना पूरी तरह से तहस–नहस था। सड़कों पर बड़े–बड़े खड्डे थें। उस वक्त नई सड़कें बनने की कोई योजना नहीं थी। आज हरियाणा प्रदे ा ने इस सरकार के द्वारा मार्किटिंग बोर्ड के तहत रिमार्केबल नई सड़कें बनाने का काम किया है और हरियाणा बनने के बाद यह पहली बार हुआ है। मेरे साथी ने यह पुछा है कि यह सड़क बनेगी यह नहीं बनेगी। अध्यक्ष महोदय, मैं सदन में यह बताना चाहूॅगा कि पिछली सरकार के वक्त जब हम यहां पर प्र न पूछा करतें थे तो उसका जवाब न में आता था। आज मुख्य मंत्री जी के नेतृत्व में यह हुआ हैं कि पिछली सरकार के वक्त में जो जवाब न में आते थे वे अब हॉ में आते हैं। इन सड़कों का

जवाब जो मैंने हॉ में दिया है और मेरे माननीय साथी ने उसके लिए धन्यवाद भीकिया है तो मैं इनको यह बताना चाहूॅगा कि इन सड़कों पर काम एक साल में पूरा कर दिया जायेगां। अध्यक्ष महोदय, वहां पर मिट्टी का काम होगा, अर्थवर्क का काम होगा वहां पर एक लेयर, दो लेयर और तीसरी लेयर पड़ेंगी। यह काम बहुत ही लम्बा होता है और इस पर बहुत ज्यादा खर्चा हाने जा रहा है। मैं अपने साथी रणवीर सिंह जी को बताना चाहूॅगा कि इतना काम होने जा रहा है। हमारे हरियाणा प्रदे ा में बहुत विकास के काम हुए हैं। मैं चौधरी भजन लाल जी को बताना चाहूॅगा कि मेरे पास एक किताब है और यह हरियाणा के विकास की पौथी है अगर मैं इसको यहां पर पढ़कर सुना दूं तो आप कह देगें कि आपको इस पर पूरा–पूरा वि वास है और आप इससे सन्तुश्ट हैं। इस किताब में हरियाणा की एक–एक कांस्टीचुएंसी का अगला प्रोग्राम है कि अगल` एक साल में कहां–कहां पर क्या–क्या होने जा रहा हैं और पीछे क्या हुआ था ? जो काम हो रहे हैं उसकी बसैसमैंट भी साथ–साथ हो रही है। अध्यक्ष महोदय, मैं इनको बताना चाहूॅगा कि सिर्फ कहने से ही काम नहीं होता है, काम किए जा रहे हैं और हर काम जो हो रहा है या नहीं हो रहा है उनकी असस्मैंट भी हो रही है, उनकी मोनिटरिंग भी हो रही है। अध्यक्ष महोदय, यह विकास की पौथी चौधरी ओम प्रका ा चौटाला जी के नेतृत्व में वि ोश तौर पर P.W.D से आज मैं लेकर आया हूॅ। अगर विपक्ष के नेता मुझे इजाजत दें तो मैं आपके समक्ष इसको रख दूं और सदन में दूं। (विध्न) अध्यक्ष महोदय, जो पहली सड़क है वह

5.33 किलोमीटर लम्बी है और उस पर लागत 32 लाख 55 हजार आएगी। इसी के साथी जो दूसरी सड़क बलकरा से कलाली तक 7.70 किलामीटर है लगभग पौने आठ किलोमीटर ओर इस पर सरकार का खर्चा 43 लाख 44 हजार रूपये आएगा। इसके अलावा डांडमा से सिरसली सड़क 3.30लाख रूपए की बनेगी और इसी प्रकार अगली सड़क हड़ौदी से कालुंवाला पर 9 लाख रूपये खर्च होंगे। अध्यक्ष महोदय, ये सड़कें एक वर्श में पूरी हो जाएंगी।

श्री रमे ा कुमार खटक : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से जानना चाहूॅगा कि हमारी सरकार के आने के बाद कितनी सड़कें P.W.D. के द्वारा मंजुर की गई हैं और कितनी सड़कों पर काम किया गया हैं इसके अलावा कितनी सड़कें मार्किटिंग बोर्ड द्वारा बनाई गई है। जो सड़कें बनी इन सब सड़कों पर पर–किलोमीटर के हिसाब से कितना–कितना खर्चा आया है ?

श्री राम पाल माजरा : स्पीकर सर, मैं माननीय साथी को बताना चाहूॅगा कि एक किलोमीटर की सड़क पर लगभग 8 लाख रूपये का खर्च होते हैं। हरियाणा प्रदे ा में 29085 किलामीटर लम्बी सड़कें हैं। इसमें राश्ट्रीय उच्च मार्ग 1346 किलामीटर हैं, राज्य स्तर के मार्ग 2461 किलोमीटर , मुख्य जिला सड़कें 17582 किलोमीटर लम्बी हैं और कृशि विपणन बोर्ड की 6125 किलोमीटर सड़कें हैं। अगर से यह भी पुछना चाहते है कि P.W.D की सड़कों पर कितना काम हुआ है और मार्किटिंग बोर्ड

से सड़कों पर कितना काम हुआ है तो अध्यक्ष महोदय, मेरे पास यहां पर दो बड़ी–बड़ी पौथियां हैं। अगर आप कहेंगे तो मैं इनको पढ़कर सुना देता हूँ। इसके साथ ही मैं आपके माध्यम से विपक्ष के नेता की भी इनको पढ़ने की इजाजत चाहूँगा।(ाोर एवं व्यवधान) इस बारे में माननीय साथी रमे ा खटक जी ने पूछा हैं। (ाोर एवं व्यवधान)

चौधरी जय प्रका ा : स्पीकर सर, बरवाला भाहर में कोई सड़क किसी फेज में नहीं बनी है वहां की सारी सड़कें टूटी पड़ी है। (विध्न)

श्री अध्यक्ष : आप सभी बैठें। (विध्न)

श्री राम पाल माजरा : स्पीकर सर, मेरे साथी जय प्रका ा जी ने पूछा है इनकी समझ थोड़ी सी कम है इसलिए मैं इनको बताना चाहता हूँ कि पहले फेज,दूसरे फेज और तीसरे फेज सड़कों के बनाने के लिए रखे गये है। पहले फेज का काम पूरा हो गया हे और दूसरे फेज का काम इसी महीने भाुरू कर दिया जाएगा। स्पीकर सर, आपने देखा हसेगा कि पहले फेज में जितनी सड़कें बनायी गयीं यर मरम्मत की गयी,वह सब अच्छी की गयी, बेहतरीन की गयी। स्पीकर सर,हरियाणा की जनता इस बात की गवाह है कि यमुनानगर के इलैक्शन में उसने चाहे बिजली की बात हो, पी.डब्ल्यू.डी. की बात हो, तहरों की बात हो या माकेंटिंग बोर्ड द्वारा सड़कें बनाने की बात हो, सब पर मोहर लगायी है।

हरियाणा की जनता ने विकास पर मोहर लगारि डॉ. गम्भीर को हजारोंवोटों से जिताया है और इन भाइयों को तीसरे तम्बर पर पहुॅचाया है। (विध्न) स्पीकर सर, हरियाणा की जनता ने विकास के ऊपर मोहर लगायी हैं। ये लोग तो सुनना नहीं चाहते। (विध्न) जब इस सरकार ने हयिाणा में सता संभाली थी उस समय सड़कों की क्या पोजी ान थी और आज सड़कों की क्या पोजी ान है, यह हरियाणा की जनता चुद जानती है। स्पीकर सर, डॉ. गंभीर ने इनको तो तीसरे स्गिन पर पहुंचा दिया है। इनको याद होगा कि यमुनानगर के इलैक ान में इनके साथा क्या हुआ था। **(इस समय कई माननीय सदस्य बोलने के लिए खड़े हो गए)**

श्री अध्यक्ष : आप सभी बैठे। अब राठी साहब अपनी सप्लीपैंट्री पूछेंगे।

चौधरी नफे सिंह राठी : स्पीकर सर, यह बात ठीक है कि हरियाणा में बहुत बढिया सड़कें बनायी गयी हैं और हरियाणा में विकास के कार्य बहुत तेजी से चल रहे हैं। स्पीकर सर, हम तो दिल्ली के बोर्डर पर बसते हैं वहां पर कई रास्ते ऐसे हैं जो दिल्ली को जाते हैं। जब हम दो साल पहले दिल्ली जाते थे तो दिल्ली साईड की सड़कें बढ़िया होती थीं और हमारी साईड की सड़कों में गड्डे होते थे लेकिन अब हमारी तरफ की सड़कें बढ़िया हैं ओर उनकी तरफ की सड़कों में गड्डे हैं। मैं आपके माध्यम से सी.पी.एस. साहब से जानना चाहूंगा कि जो सड़कें पी.डब्ल्यू.डी. से ट्रांसफर होकर मार्केटिंग बोर्ड के पास आयी हैं उन पर पहले काम

भाुरू भी हो गया था लेकिन उनकी छोटी–मोटी रिपेयर का कार्य अब कौन सा डिपार्टमैंट करवाएगा ?

श्री राम पाल माजरा : स्पीकर सर, काफी सड़कों की रिपेयर का काम माकेटिंग बोर्ड द्वारा करवाया गया है। जितनी भी सड़कें उन्होंने टेकअप की थीं उन पर रिपेयर का काम पूरा कर दिया गया है फिर भी अगर कहीं कोई सड़क रह गयी होगी तो उसके ऐस्टीमेटस बगैरा नहीं पहुंचे होंगे इसलिए उसकी रिपेयर नहीं हो पायी होगी। स्पीकर सर, मैं मांगेराम जी को बताना हाता हूॅ कि जींद जिले में जब इनलका राज था, जब ये 1991 से लेकर 1996 तक मंत्री थे उस समय माकेटिंग बोर्ड द्वारा 6.86 किलोमीटर ही सड़कें नयी बनायी गयी थी। इसके लिए ही ये अपने आपको तीस मारखां वित मंत्री कहते हैं। जबकि इस प्रकार के सम में वहां 31 किलोमीटर नयी सड़कें बनायी गयी हैं। (विध्न) इन पर एक करोड़ 81 लाख रूपये लगे हैं। स्पीकर सर, मैं इनको केवल बानगी के तौर पर यह बता रहा हूॅ।

Water works of Bawwa Village

'953, **Smt. Anita Yadav:** Will the Chief Minister be pleased to state whether Govt.is aware of the fact that works of village Bawwa,Distt.Rewari has been completed since long and the pipe has also been laid in the village; if so te time by which the said water works is likely to be made functional ?

मुख्य मंत्री(श्री ओम प्रका ा चौटाला) : जी हॉ,श्रीमान् ; गांव बव्वा का जल घर पहले ही चालू है।

श्री अध्यक्ष : आनरेबल मैम्बर्ज, अब प्र न काल समाप्त होता है।

नियम 45 (1) के अधीन सदन की मेज पर रखे गये तारांकित प्र नों के लिखित उतर

Widening of the Faridabad-Badarpur National Highway

***1029,Shri Rajinder Singh Bisla:** Will the Chief Minister be pleased to state:-

(a) whether there is any proposal under consideration of the Government to widen the Faridabaad-Badarpur(Delhi) National Highway in the State.

(b) whether there is also any proposal under consideration of the Government to complete fly over on the Faridabaad-Badarpur National Highway in the State; and

(c) if so, the details thereof ?

मुख्य मंत्री(श्री ओम प्रका ा चौटाला) :

(क) नहीं, श्रीमान् जी।

(ख) नहीं, श्रीमान् जी।

(ग) उपरोक्त (क) तथा (ख) पर उतर के दृश्टिगत प्र न ही नहीं उठता।

Amount spent on the repair of Natrional Highways

946. Shri Ram Phal Kundu : Will the Chief Minister be pleased to state the details of the amount spent on the repair and upgradation of National Highways in the State during the last two years ?

मुख्य मंत्री(श्री ओम प्रका । चौटाला) : राश्ट्रीय राजमार्गो का दर्जा बढ़ाने के लिये 92.43 करोड़ रूपये तथा 102. 53 करोड़ रूपये और मरम्मत पर 16.10 करोड़ रूपये और 19.69 करोड़ रूपये क्रम ाः वर्श 1999–2000 तथा 2000–2001 में खर्च किए गए थे।

Road Constructed under Prime Minister Road plan

940. Dr. Raghuvir Singh Kadian : Will the Chief Minister be pleased to state the total length of roads in kilometers constructed under Prime Minister Road Plan during the last two & half years in Beri Constituency ?

मुख्य मंत्री(श्री ओम प्रका । चौटाला) : प्रधान मंत्री ग्रामीण सड़क योजना के अन्तर्गत 15 अगस्त, 2000 से जब से यह

योजना भाुरू हुई है, बेरी निवार्चन क्षेत्र में कोई नई सड़क नहीं बनाई गई है।

Rewari Lift Irrigation Scheme

961. Sh. Rambir Singh : Will the Chief Minister be pleased to State the time by which the Rewari Lift Irrigation Scheme will be completed together with the area which will be benefitted therefrom ?

मुख्य मंत्री(श्री ओम प्रका ा चौटाला) : रेवाड़ी उठान सिंचाई योजना पर कार्य 31–3–2003 तक पूरा होने की सम्भावना है। इस योजना से 37352 हैक्टेयर क्षेत्र लाभान्वित होगा।

Number of person registered with Employment Exchanges

824. Capt. Ajay Singh Yadav : Will the Chief Minister be pleased to state:

(a) the number of unemployed persons registered with the employed exchanges in the State during the year 1997-1998, 1999-2000 and 2000-2001 to date ; and

(b) the number of persons out of those referred to in part (a) above have been given employment during the said period in Government and Private Sectors separetely .

मुख्य मंत्री(श्री ओम प्रका ा चौटाला) :

(क) तथा (ख) : श्रीमान्, सूचना सदन के पटल पर रखी जाती है।

सुचना

(क) वर्श	वर्श के दौरान पंजीकृत प्रार्थियों की संख्या
1997–1998	2,54,755
1998–1999	2,93,818
1999–2000	2,73,423
2000–2001	2,34,108
1–4–2001 से 31–1–2002	1,64,687

(ख) राज्य के रोजगार कार्यालयों द्वारा सरकारी क्षेत्र तथा निजी क्षेत्र में सजीव रजिस्टर पर दर्ज प्रार्थियों में से रोजगार पर लगवाये गये प्रार्थियों की अलग–अलग संख्या अनुसार है :

वर्श	सरकारी क्षेत्र	निजी क्षेत्र	कुल
1997–1998	5682	14285	19967
1998–1999	3705	9880	13585
1999–2000	1311	4142	5453
2000–2001	1261	4179	5440

1—4—2001 से 31—1—2002	527	3887	4414

Repair /Widenig of Roads

1005. Smt.Sarita Narain : Will the Chief Minister be pleased to state –

(a) whether it is a fact that the road from Kalanaur to Pilana is in dilapidated condition ; if so, the time by which it is likely to be repaired ;

(b) whether there is any proposal under consideration of the Government to widen the following roads of kalanaur Constituency :--

(i) Kalanaur to Nigana ;

(ii) Dobh-Balb Marodk ;

(iii) Chimani and Kalanaur to Pilana ; and

(c) if so, the details thereof, togetherwith the time by which these roads are likely to be widened ?

मुख्य मंत्री(श्री ओम प्रका ा चौटाला) :

(क) नहीं श्रीमान् जी, सड़क यातायात योग्य हैं। फिर भी वर्श 2002—03 में इस सड़क की मरम्मत और मजबूत करने का प्रस्ताव है।

(ख) (i),(ii) तथा (iii) हॉ, श्रीमान् जी।

(ग) इन सड़कों की 37.04 कि.मी लम्बाई को पर्याप्त धन की उपलब्धता के आधार पर 31—3—2004 तक चौड़ा करने की संभावना है।

Setting of Sub-Station at Chang & Bhiwani

1027. Shri Shashi Parmar : Will the Chief Minister be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to construct a 33 K.V. Sub-station at village Chang in Mundhal Constuency and 132 K.V. Sub-Station in Bhiwani City ; if so, the datails thereof ?

मुख्य मंत्री(श्री ओम प्रका ा चौटाला) : हॉ श्रीमान्,गांव चांग में एक 33 के.वी. उपकेन्द्र 1.10 करोड़ रूपये की लागत से निर्माण करने का एक प्रस्ताव विचाराधीन है। औद्योगिक क्षेत्र भिवानी में एक नया 132 के.वी.उपकेन्द्र तथा सम्बन्धित प्रसार लाइनों का 4.62 करोड़ रूपये की लागत से निर्माण करने का कार्य पहले ही भाुरू किया गया है। कार्य को टर्न की आधार पर निर्माण करने के लिए नियतन किया गया है।

Laying of Sewerage in Ratia

1034. Shri Jarnail Singh : Will the Chief Minister be pleased to state whether there is any proposal under consideration of Govt. to provide sewerage system in Ratia City ; if so , the details thereof ?

मुख्य मंत्री(श्री ओम प्रका ा चौटाला) : नहीं श्रीमान् जी। प्र न ही नहीं उठता।

Judicial Complex,Tohana

1038.Sadar Nishan Singh : Will the Chief Minister be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Govt. to construct a Judicial Complex at Tohana ?

मुख्य मंत्री(श्री ओम प्रका ा चौटाला) : जी हॉ।

Sewerage in Narnaund

1025. Prof. Ram Bhagat: Will the Chief Minister be pleased to state the time by which the sewerage work in village Narnaund in Narnaund Constituency is likely to be completed ?

मुख्य मंत्री(श्री ओम प्रका ा चौटाला) : नारनौंद में सीवरेज का कार्य मार्च,2003 तक कमी ान किये जाने की संभावना है।

Construction of National highway, Panipat-Jhajjar

936. Shri.Shadi Lal Batra : Will the Chief Minister be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to construct National Highway from Panipat to Jhajjar via Rogtak and Jhajjar to Rewari ?

मुख्य मंत्री(श्री ओम प्रका ा चौटाला) : पानीपत से झज्जर वाया रोहतक तथा झज्जर से रिवाड़ी सड़कें पहले ही राश्ट्रीय राजमार्ग है।

Construction of Grain Market, Hodel

957. Shri.Udai Bhan : Will the Minister for Agriculture be pleased to state –

(a) whether there is any proposal under Consideration of the Government to construct a new modern grain market in the City in district Faridabad ; and

(b) if so, the time by which it is likely to be constructed ?

मुख्य मंत्री(सरदार जसविन्द्र सिंह सन्धू) : (क) व (ख) होडल भाहर में नई अनाज मंडी बनाने बारे प्रस्ताव की प्रारम्भिक जॉच चल रही है। अतः इस समय कोई समय–सीमा नहीं बताई जा सकती।

Vridh Aashram

sh.Ram kumar Nagura : Will the Minister of State for Social Welfare be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Govt. to construct Vridh Aashram in villages Rajaund & Aleva in Rajaund Constiuency , if so, the detail thereof ?

समाज कल्याण राज्य मंत्री (श्री रिसाल सिंह) : नहीं, श्रीमान् जी।

ध्यानाकर्शण प्रस्ताव–

फरीदाबाद इत्यादि क्षेत्र में निजी स्कूलों की अत्याधिक वृद्धि सम्बन्धी–

Mr. Speaker : Hon'ble Member, I have received a calling attention notice from Shri Rajinder Singh Bisla, M.L.A. regarding the mushroom growth of private Schools in the area of Municipal Corporation, Faridabad etc. I admit it. Shri Rajinder Singh Bisla, M.L.A., may read his notice

श्री राजेन्द्र सिंह बिसला : मैं इस महान् सदन का ध्यान नगर निगम, फरीदाबाद के क्षेत्र में प्राइवेट स्कूलों के थोड़े समय में बहुत बढ़ जाने व इन स्कूलों में विद्यार्थियों के दाखले भी अत्याधिक दरों पर होने के संबंध में एक बहुत ही महत्वपूर्ण तथा अत्याव यक विशय की ओर दिलाना चाहता हूँ। ये प्राइवेट स्कूल सरकारी एजेंसियों से मार्किट में ऐसी भूमि की प्रचलित कीमत की तुलना में, बहुत सस्ती दा पर भूमि प्राप्त कर लेते हैं। इन निजी स्कूलों के प्रबन्धकों द्वारा दाखनों तथा स्कूल फीस इत्यादि–इत्यादि अत्याधिक दरों पर वसूल करके जनता का भाोशण किया जा रहो है क्योंकि ऐसे स्कूलों के दाखिले के लिए कोई निहित मानदण्ड निर्धारित नहीं किए गए हैं। मैं चाहता हूँ कि सरकार को इस अत्याव यक लोक महत्व के विशय की तुरन्त जॉच पड़ताल करनी चाहिए तथा लाभदायक सं ोधनात्मक पग उठाए जाने चाहिएं तथा इन स्कूलों में विद्याथियों के दाखिले के लिए कुछ मानदण्ड निर्धारित करने चाहिएं। सरकार इस संबंध में सदन के पटल पर एक वक्तव्य देकर अपनी स्थिति स्पश्ट करे।

वक्तव्य–

ि ाक्षा राज्य मंत्री द्वारा उपरोक्त ध्यानाकर्शण प्रस्ताव संबंधी–

श्री अध्यक्ष : अब ि ाक्षा राज्य मंत्री वक्तव्य दैंगे।

ि ाक्षा राज्य मंत्री (चौ. बहादुर सिंह) : नगर पालिका क्षेत्र फरीदाबाद में 373 प्राइवेट तथा 148 सरकारी स्कूल चल रहे हैं केवल 4 विद्यालयों को नगर पालिका फरीदाबाद द्वारा सीान अलाट किये गये हैं। इनमें से 2 सीान निर्धारित कीमत पर अलाट किये गये और 2 सीान नगर पालिका फरीदाबाद द्वारा बाजारी कीमत पर खुली बोली द्वारा अलाट किए गए। हुड्डा द्वारा 72 विद्यालयों को जमीन अलाट की गई है इनमें से 7 अलाटमैंट चालू नीति के अधीन खुली बोली द्वारा अलाट की गई हैं। भोश 65 सीान भिन्न–भिन्न समय उस समय पर चालू नीति के अधीन निधारित कीमत के आधार पर अलाट किये गये। हुड्डा की गर्तमान नीति के अनुसार 50 प्रति ात विद्यालय सीान ि ाक्षा विभाग के लिए आरक्षित हैं जिन्हें 99 वर्श के पट्टे के आधार पर मात्र 100 रूपयें प्रति वर्श की सामान्य पट्टा भाुल्क पर अलाट किये जाते हैं, भोश 50 प्रति ात स्कूल सीान प्राइवेट पार्टी (रजिस्टर्ड ि ाक्षण संस्थान,नियास) को नीलामी के द्वारा निम्नलिखित भार्तों पर अलाट किये जाते हैं।:–

1. कब्जा लेनेके 2 वर्श के अन्दर–अन्दर उन्हें भवन निर्माण करना होगा।

2. यदि भूमि का उपयोग अलाट किये गये उद्दे य के लिए नहीं किया जाता तो भूमि उस पर किये गये निर्माण सहित हुड्डा को वापस चली जायेगी।

3. किसी भी स्थिति में भूमि के स्थानान्तरण की अनुकति नहीं दी जायेगी।

4. विद्यालयों में 10 प्रति ात सीट समाज के आर्थिक तौर पर कमजोर वर्ग के छात्रों से ली जाती है इसके अतिरिक्त 10 प्रति ात सीट उन छात्रों के लिए भी आरक्षित की जायेंगी जिनके बारे में फीस का निर्धारण उनके योग्यता एवं साधनों के आधार पर व्यक्ति वि ोश केस में किया जायेगा।

इनमें से बहुत से स्कूल हरियाणा सरकार से अनापति प्रमाण–पत्र प्राप्त करके केन्द्रीय माध्यमिक ि ाक्षा बोर्ड से सम्बन्धता प्राप्त करते हैं। ऐसे विद्यालयों का पाठ्यक्रम,परीक्षा पद्धति तथा प्र ाासकीय कार्य केन्द्रीय माध्यमिक ि ाक्षा बोर्ड द्वारा गये निर्दे ाों अनुसार संचालित किए जाते हैं। छात्रों के दाखलें बारे अराजकीय बिना अनुदान प्राप्त विद्यालय अपने स्वयं के नार्म का अनुसरण करते हैं। फीस तथा फण्ड प्रबन्धकों द्वारा अपने स्तर पर लिये जाते है।

अराजकीय विद्यालयों का समुचित संचालन करने के लिए हरियाणा विद्यालय ि ाक्षा अधिनियम,1995 दिनांक 4–6–1999 को अधिसूचित किया गया था जिसमें विद्यालयों की मान्यता प्रवे ा फीस तथा फण्ड आदि बारे व्यवस्था की गई है। इन प्रावधानों के अन्तर्गत प्रत्ये मान्यता प्राप्त विद्यालय में फीस उस विद्यालय द्वारा प्रदान की जा रहीं सुविधाओं के अनुरूप ही निर्धारित को जायेगी। इस फीस के अतिरिक्त सरकार से स्वीकृति प्राप्त किये बिना कोई और भुल्क नहीं लिये जायेंगे। विद्यालय भुल्क और अन्य प्रकार की सभी निधियां इस अधिनियम के अन्तर्गतबनये जाने वाले नियमों अनुसार ही लिये जायेंगे। इस अधिनिय के अन्तर्गत अनयम बनाये जा रहे हैं औरइस बारे जिनके द्वारा यह सुनि चत किया जायेगा कि जनहित को पूर्णतः सुरक्षित रखा जाये। राज्य सरकार द्वारा इन नियमों को बनाने के लिए एक कमेटी का गठन किया गया हैं। आगामी कार्यवाही कमेटी की सिफारि ों प्राप्त होने पर की जायेगी।

अध्यक्ष महोदय, मैं अपके माध्यम से सम्मानित साथी से खासतौर से अनुरोध करना चाहूॅगा कि हम इस बारे में रूलज बनाने जा रहे है। मैं आपकें माध्यम से सभी माननीय सदस्यों से अनुरोध करता हूॅ कि वे अपने सुझाव इस बारे में लिखकर दे दें उनके सुझाव अगर ठीक लगे तो उनका विचार मान लिया जायेगा।

श्री राजेन्द्र सिंह बिसला : अध्यक्ष महोदय, मैंने जो काल अटैं ान नोटिस आपके माध्यम से इस हाउस में दिया है

उसके बारे में मेरी मं ाा यह है कि यह बहुत महत्वपुर्ण विशय है। फरीदाबाद नगर निगम का जो क्षेत्र है उसमें इतने कान्वैंट स्कूल और सी.बी.एस.सी. से एफिलिएटिड स्कूल हैं वि ोशकर हुड्डा के सैक्टरों में ये इंस्टीच्यू ांज सस्ते रेट पर जमीन ले लेती हैं और सरकार को यह जमीन देनी पड़ती हैं। इन इंस्टीच्यू ांज वालों की वहां बिल्डिग बनाने के बाद सारी की सारी संस्था की 100 प्रति ात कमर्ि यलाइज सोच हो जाती है, व्यापारिक सोच हो जाती हैं। अध्यक्ष महोदय, आप मेरे इस कथन के साथ सहमति प्रकट करेगें कि 20–25 साल पहले तब भाहरों में इन कान्वेंट स्कूलों की भरमार नहीं थी उस समय गरीब किसान, मजदूर,आई. पी.एस.,डाक्टर,इंजीनियर और राजननीति में बड़े–बड़े पदों को सु ाोभित करते थें। लेकिन आज गांव के ओर वि ोशकर भाहरो के सरकारी स्कूलों के बच्चे आगे नहीं आ रहे है। इन बच्चों को आगे आने से उन स्कूलों ने रोक दिया है जो पूंजीपति वर्ग की संस्थाओं ने भाहर का सारा एरिया कैप्चर कर लिया है। अध्यक्ष महोदय, यह अति चिन्तनीय विशय है ओर चुनौती सरकार की समझ के सामने है और जब बड़े से बड़े राजनैतिक लोग और सामाजिक संस्था के लोग उनको कहते हैं कि गांव का बच्चा है, किसान परिवार का बच्चा है और मैरिट का बच्चा है तो भी उनको इन ि ाक्षण संस्थाओं में एडमि ान नहीं दिया जाता हैं। यह एक बड़ा वि ि ायस सर्कल बन गया हैं। जो बच्चा 95 परसैंट अंक लेकर आता है उनको इन ि ाक्षण संस्थाओं में दाखिला दिया जाता है और पैसे के बल पर जिन्होनें एग्जामिने ान वगैरह के

ऊपर कैप्चर कर रखा है उन्हीं के बच्चों के पास किया जाता है। डॉक्टर,इंजीनियर्ज,आई.ए.एस.और आई.पी.एस और जो समाज के पूंजिपति लोग हैं उन्हीं के बच्चों को ही वहां दाखिला दिया जाता है। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से और वि ोशकर मुख्यमंत्री जी से आग्रह करूंगा कि इस व्यवस्था को पैसे वालों ने जो कैप्चर कर लिया है, आपके होते हुए मुझे पूरी आ ा है कि इस सिस्टम को ठीक कर लिया जाएगा। इन संस्थाओं में जहां किसान, गरीब का बच्चा आ नहीं सकता इस व्यवस्था को ठीक किया जाए और पूंजीपति वि ायस सर्कल को तोड़ दिया जाए।

चौधरी बहादुर सिंह : अध्यक्ष महोदय, मैंने जैसा बताया है कि इस मामले में हम रूल्ज बनाने जा रहे हैं उसमें से लोग भी अपने सुझाव दें ताकि इसमें खास तौर से ध्यान दिया जा सकें। अध्यक्ष महोदय, मैं इनके फरीदाबाद के एक गांव में एक स्कूल में गया था, यह एक क्रि चयन स्कूल हैं। उस स्कूल का बड़ा अच्छा स्टैंडर्ड था। उस स्कूल में 700 बच्चे थे और 700 बच्चे में से 650 बच्चे गरीब थे। इसलिए यह बात नहीं हैं कि गरीब बच्चों को एडमि ान नहीं मिलता है। लेकिन एडमि ान और फीस के रूलज बनाने के बाद इसको ठीक तरीके से चलाएंगे और उसमें इनका सहयोग जरूरी है, ये अपने सुझाव दें, मेरे विचार में केवल सवाल पूछने से बात नहीं बनती। इनके सुझाव आएंगे और उन पर विचार करके हम उसको मानने की कोि ा ा करेंगे।

श्री राजेन्द्र सिंह बिसला : अध्यक्ष महोदय, मैंने निवेदन किया है लगता है आदरणीय मंत्री जी मेरी भावनाओं को समझ नहीं पाए। आज मैरिट जैसी चीज नहीं रही है। बैक डोर से दाखिले हो रहे हैं। मंत्री जी जिस स्कूल का जिक्र कर रहे हैं, यह ठीक है कि वह स्कूल नि चत रूप से अच्छा स्कूल हैं। वह स्कूल देहात के अन्दर है, वहां ज्यादातर बच्चे गांव के हैं इसलिए जो बात इन्होंने की है मैं उसकी ताईद करता हूँ लेकिन जो दूसरे कान्वेंट स्कूलज हैं वहां बकायादा बिना रसीद दिए कई–कई लाख रूपये डोने ान लिया जाता है। जो समाज का 80 प्रति ात वर्ग है जो कमाकर खाने वाला वर्ग है, जो अनाज पैदा करता है और जो दे ा के लिए लड़ता है उनके बच्चो के इन स्कूलों में दाखिले नहीं होते। गांवों की जब जमीनें एक्वायर की जाती है तो आश्वासन दिया जाता है कि गांव के बच्चों को इन स्कूलों में एडमि ान दया जायेगा। उपाध्यक्ष महोदय बैठे हैं ये भी इस ढिल–मुल नीति की वजह से प्रभावित हैं। हमारे प्रयासों के बाद भी साधारण परिवार के इन्टैलीजैंट और मैरिट वाले बच्चों को इन स्कूलों में दाखिला नही दिया जाता हैं। फरीदाबाद में ए.पी.जे.एस. और दिल्ली पब्लिक स्कूल हैं, वहां एक भी गांव के इंटैलीजैंट बच्चे को दाखिला नहीं दिया जाता। पैसे वालों के बच्चों को ही दाखिला मिलता हैं। कृपया इस धारणा को तोड़कर इस व्यवस्था को ठीक करवाया जाए।

चौधरी बहादुर सिंह : अध्यक्ष महोदय, जैसा कि मैंने बताया कि हम रूल्ज बनाने जा रहे हैं उसमें सारा प्रोवीजन रखेंगे कि कितनी फीस होनी चाहिए, एडमी ान का क्या तरीका होना चाहिए। मैरिट के हिसाब से तो दाखिले चल रहे हैं और वे जारी रहेंगे। बाकि रूल्ज में प्रावधान रखेंगे कि कौन से स्कूल में कितनी फीस होनी चाहिए, उन स्कूलों में दाखिले का क्या क्राइटेरिया होना चाहिए। ये सारी रूल्ज बनने के बाद समस्या का समाधान हो जाएगा। (ाोर एवं व्यवधान)

विभिन्न विशयों का उठाया जाना

कैप्टन अजय सिंह यादव : अध्यक्ष महोदय, मैंने रूल्ज ऑफ प्रोसीजर एण्ड कंडक्ट ऑफ बिजनैस इन दि लैजीस्लेटिव असैम्बली के रूल 73 ए. के अंडर फीमेल फयोटीसाइड के बारे में भाार्ट डयुरे ान डिस्क ान का नोटिस दिया था। उसके बारे में आपने क्या फैसला दिया हैं।

श्री अध्यक्ष : कैप्टन साहब, यह डिस अलाउ कर दिया गया है।

सदन की मेज पर रखे गए कागज–पत्र

Mr. Speaker : Now, a Minister will lay the papers on the Table of the House.

Finance Minister (prof. Sampat Singh) : Sir, I beg to lay on the table –

The Education and Langauges Dapartment notification no. S.O. 38/H.A. 12/1999/Ss. 8 and 24/2001 dated the 29th March, 2001, regarding Haryana Aided Schools (Special Pension and Contributory Provident Fund) Rules 2001, as required under section 24(3) of Haryana School Education Act,1995.

The Audit Report on the Accounts of Haryana Financial Corporation for the year ended 31st March 2000, as required under saction 619-A(3) (b) of the Companies Act, 1956.

The Report of the Comptroller and Auditor General of india for the year ended 31st March,2001 (Civil) of the Govt. of Haryana in pursuance of the provisions of clause (2) of Article 151 of the constitution of india .

The Report of the Comptroller and Auditor General of India for the year ended 31st March, 2001(Revenue Recieipts) of the Government of Haryana in pursuance of the provisions of clause (2) of Articles 151 of the Constitution of India .

The Report of the Comptroller and Auditor General of India for the year ended 31st March, 2001(Commercial) of the Government of Haryana in pursuance of the provisions of clause (2) of Article 151 of the Constitution of India .

वर्श 2002–2003 के लिए बजट पर चर्चा (पुनरारम्भ)

Mr. Speaker : Hon'ble Members, now general discusion on the budget for the year 2002-2003 will be resumed.जैसा कि आप जानते हैं कि बजट पर बोलने के लिए 9

घंटे का समय रखा गया है और विभिन्न पार्टियों को उनकी स्ट्रैंथ के हिसाब से समय निर्धारित किया गया था। कांग्रेस पार्टी के लिए 120 मिनट,बी.जे.पी. के लिए 36 मिनट, इण्डियन नै ानल लोकदल के लिए 282 मिनट, हरियाणा विकास पार्टी के लिए 12 मिनट और एन.सी.पी. के लिए 18 मिनट का समय रखा था। तथा निर्दलीय उम्मीदवारों के लिए 66 मिनट का समय रखा गया था। कांग्रेस की तरफ से मांगे राम गुप्ता जी 63 मिनट बोल चुके हैं और कांग्रेस ने 15 मिनट का समय बी.जे.पी. को दे दिया था कि श्री कृ ण पाल गुज्जर ने ले लिया ।(विध्न)

चौधरी भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, कृ णपाल जी को उसके समय में तो बोलने नहीं दिया और आप कह रहे हीं कि हमारा समय भी उसको दे दिया गया। यदि हमारा समय उसके साथ जोड़ा जा रहा है तो उसे दोबारा बुलाया जाये।

वित मंत्री (प्रो.सम्पत सिंह) : अध्यक्ष महोदय, आप चौधरी भजन लाल जी को समय बता दें कि कांग्रेस को कितना समय दिया गया है और बी.जे.पी. को कितना समय दिया गया है ?

श्री अध्यक्ष : चौधरी भजन लाल जी कांग्रेस पार्टी को बजट पर बोलने के लिए 120 मिनट का समय दिया गया था जिसमें से 63 मिनट मांगेराम गुप्ता जी बोल चुके हैं और 15

मिनट का समय आपके कहने पर बी.जे.पी. को दे दिय गया। अब कांग्रेस के लिए सिर्फ 42 मिनट का समय बचा है। (विध्न)

प्रो.सम्पत सिंह : अध्यक्ष महोदय, चौधरी भजन लाल जी के कहने पर ही आपने बी.जे.पी. को 15 मिनट अधिक समय दिया है यह रिकार्ड की बात है। यह हाउस की कार्यवाही में भी आया हुआ हैं। इन्हें अपनी कम की बात पर कायम रहना चाहिए। आपकी रूलिंग है उसको ये चैलेंज नही कर सकते। अध्यक्ष महोदय, चौधरी भजन लाल जी का ताजा–ताजा समझौता बी.जे.पी. के साथ हुआ है और ये आज ही इस समझौते को तोड़ रहे हैं। इनके कहने पर ही 15 मिनट का समय बी.जे.पर. को दिया गया था। इन्होंने यमुनानगर में जो समझौता किया था उसको निभायें। (विध्न)

चौधरी भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, हम झूठ नहीं बोलते। बी.जे.पी. के सदस्य तो अपने समय में भी नहीं बोल माये और आप कह रहे हैं कि हमारा समय भी उन्हें दे दिया गया।

मुख्य मंत्री (श्री ओम प्रका ा चौटाला) : अध्यक्ष महोदय, यदि चौधरी भजन लाल जी 15 मिनट के लिए ही अपनी दोस्ती तोड़ेंगें तो ये तीन साल साथ कैसे निभायेंगे। अध्यक्ष महोदय, 15 मिनट का समय इन्होंने बी.जे.पी. को देकर जो फिराखदिली दिखाई है उसको निभाना चाहिए। अध्यक्ष महोदय, इसी दोस्ती को निभाने के लिए तो कांग्रेस विधायकों ने राज्यसभा के मैम्बर के

लिए निर्दलीय कंडीडेट के फार्म भरवायें हैं, यह पार्टीकी अनु ाासनहीनता है और इस बारे में इन्हें उनके खिलाफ डिसीप्लीनरी एक ान लेना चाहिए। लेकिन इन्होंने अपनी दोस्ती को निभाने के लिए ही इंडिपैंडैंट फार्म फाईल किए हैं ताकि दूसरों के वोट बटोर सकें। (ाोर एवं व्यवधान)

चौधरी भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, दोस्ती निभाने के बारे में मैं चौटाला साहब को बताना चाहूंगा कि दोस्ती न निभाने की बात हमने इनसे सीख ली हैं। बी.जे.पी. ने इनका साथ दिया लेकिन बी.जे.पी. का बहुत सत्याना ा किया हैं। हम तो थोड़ी बहुत सहायता कर रहे हैं अगर ये करने देंगे तो।

श्री ओम प्रका ा चौटाला : अध्यक्ष महोदय, चौधरी भजन लाल जी दोस्ती के बारे में चौधरी बंसी लाल जी से पूछें कि कांग्रेस से दोस्ती करने के बाद उनकी क्या दुर्गति हुई ?

चौधरी भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, हमने अपनी मर्जी से इनका साथ नहीं दिया था, मेरे दोनों बेटे उस समय विधायक थे और वे समर्थन देने से माना कर रहे थे लेकिन मजबूरी में समर्थन देना पड़ और उसी की वजह अध्यक्ष महोदय चौटाला साहब आज यहां बैठे हैं।

प्रो.सम्पत सिंह : स्पीकर सर, हम उस चौधरी बंसी लाल जी की सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लेकर असये थे

लेकिन कांग्रेस ने चौधरी बंसी लाल जी का साथ दिया और कुछ दिन बाद ही साथ छोड़ दिया।

चौधरी भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, उस समय मेरे दोनों बेटे अंत तक समर्थन न देने के लिए अड़े रहे थे लेकिन मजबूरी मेंसमर्थन देना पड़ा।

प्रो.सम्पत सिंह : अध्यक्ष महोदय, इन्होंने बंसी लाल जी का समर्थन करके उनका भी काम ठपप करवा दिया और अपना भी। (ोर एवं व्यवधान)

नगर एवं ग्राम आयोजना मंत्री(श्री धीर परल सिंह) : स्पीकर साहब, श्री कृ ण पाल गुर्जर जी कल बजट पर चर्चा करते हुए फिल्मी अन्दाज में हाउस में गलत जानकारियों दे रहे थे। स्पीकर साहब, इस महान सदन में लिखा हुआ है कि गैर जिम्मेदाराना ढंग से बोलने या गलत बोलने पर यानि दोस्ती ही स्थितियों में मनुश्य पाप का भागी होता है। (विध्न) उन्होंने हमारे विभाग के बारे में गैर जिम्मेदाराना बात कही और गलत कही। यदि मैं इसे झूठ भाब्द का इस्तेमाल करते हुए संबोधित करूंगा तो फिर यह भाब्द अनपार्लियामैंटरी बन जोगा। वे कल यहां पर गलत बात कहते हुए अपनी लम्बी चौड़ी बात कह रह चले गए। यहां पर द ांक साथी भी बैठे थे और प्रैस के भाई भी बैठे हुए थें। उन्होंने चौधरी भजन लाल को अपना राजनीतिक गुरू बनाकर..... (विध्न) इन्होनें उनको क्या पाठ पढ़ाया फिल्मी अन्दाज में ऐसा

माहौल बनाया कि मेरे विभाग से संबंधित वे यहां पर गलत बात कह गए ंऔर यहां पर आरोप पर आरोप लगातें रहें। (विध्न)

चौधरी भजन लाल : मैं ऐेसे आदमी को चेला नहीं बनाता। (विध्न)

श्री धीर परल सिंह : कल आपने अपनी पार्टी के समय में से उसको बोलने के लिए 15 मिनट दिए हैं तो क्या अब मैं अपने विभाग के बारे मे या अपनी सरकार के बारे में उन्होंने हमारे ऊपर जो आरोप लगाये हैं उनके बारे में सदन को नही बता सकता। (विध्न) अध्यक्ष महोदय, इस महान सदन की मर्यादा जो भंग हुई है, सदन की भावनाओं को जो चोट लगी है उस बारें में ठीक–ठीक जानकारी से सदन को अवगत कराना मेरा दायित्व बनता है।(विध्न)

श्री कर्ण सिंह दलाल : स्पीकर साहब, इस वक्त संबंधित गैम्बर सदन में उपस्थित नहीं है। (विध्न)

श्री अध्यक्ष : आप बैठ जायें। (विध्न) ये कोई आरोप नही लगा रहे। ये हाउस को जानकारी देने के लिए बोल रहे है। (विध्न)

चौधरी भजन लाल : आन ए प्वायंट आफ आर्डर सर। (विध्न)

श्री अध्यक्ष : चौधरी भजन लाल जी, आप पहले इनकी ध्यान से बातें सुनें, उसके बाद ही आप कुछ कहना।(विध्न) आप फिर बोल लेना,आप बैठ जाएं। (विध्न)

चौधरी भजन लाल : ये भी ऐसे बोल नहीं सकते।(विध्न)

श्री धीर परल सिंह : चौधरी साहब, मैं बोलूंगा। मैंने आपसे टाईम नहीं लिया। (विध्न)

श्री अध्यक्ष : चौधरी भजन लाल जी, आप बैठिये। (विध्न)

श्री धीर परल सिंह : स्पीकर साहब, कृ ण पाल जी तरफ से पहला प्र न यह आया कि किसी जनसेवा ट्रस्ट की एक एकड़ जमीन हुड्डा की तरफ से ट्रांसफर की गई जिस कारण करीड़ों रूपये का नुकसान हुआ । अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से इस महान सदन को यह जानकारी देना चाहता हॅू कि उन द्वारा कही गयी बात असत्य और काल्पनिक बात थी। (विध्न) चौधरी भजन लाल जी द्वारा मनगढ़ंत बात थी।(विध्न) अगर एक इंच जमीन भी हमारे विभाग द्वारा इस ट्रस्ट को दी गई हो तो मैं गुनहगार हॅू। अध्यक्ष महोदय, हमारे द्वारा इस ट्रस्ट को एक संस्था को इतना लाभ पहुंचाया गया है इस बारे में मैं कहना चाहूंगा कि उनकी तरफ से जो चर्चा की गई है वह गैर जिम्मेदाराना ढ़ग से की गई है और हाउस को गुमराह करने का काम किया गया है।

मैं इसकी निन्दा भी करता हूँ और हाउस को मैं विश्वास दिलाता हूँ कि हुड्डा की एक इंच जमीन भी इस ट्रस्ट को ट्रांसफर नहीं की गई। अध्यक्ष महोदय, दूसरा विशय था...........(विध्न)

चौधरी जय प्रका ा : भाोपिंग कम्पलैक्स तो बना था(विध्न)

श्री अध्यक्ष : जय प्रका ा जी, आप बैठिये। (विध्न)

चौधरी जय प्रका ा : क्या पुछना भी पाप है। (विध्न)

श्री अध्यक्ष : जय प्रका ा जी, आप बैठ जाएं।(विध्न) इनकी कोई बात रिकार्ड न की जाये।(विध्न) आप बैठिये। आप को जो देना है वह लिख कर दे दें। (विध्न) बगैर इजाजत के बीच में बोलना भी पाप है।

श्री धीर परल सिंह : अध्यक्ष महोदय,गुर्जर साहब का दूसरा विशय डी.एल.एफ./यूनिवर्सल को वाणिज्य सेंटर के लिए जमीन देने के बारे में था। स्पीकर साहब, उन्होनें दिनांक 6–1–1999 को ग्राम सनकोड़ा जिला गुड़गांव के लिए लाइसेंस के लिए एप्लाई किया। इस इलाके में 30–1–1999 को 215 एकड़ जमीन` लिए सैक्टर 30 में अधिग्रहण की कार्यवाही भाुरू हुई और सैक ान 6 का नोटिस हुआ। (विध्न) स्पीकर साहब, दिनांक 20–1–1999 को ए–क्लास के जो निर्माण थे वे छोड़े गए और उसके बाद 171 एकड़ जमीन जो सैक्टर 30 में बचती है.......(विध्न) जब चौधरी भजन लाल का राज आ गया तो.....(विध्न) कल ये

कांग्रेस के भाई कहने लगे कि हमारे 15 मिनट उनको दे दें। हमारे को ये कहते है कि 100 करोड़ रूपये का घपला हुआ। अध्यक्ष महोदय, चौधरी साहब, जब मुख्य मंत्री थे तो 23–5–1995 को मैं. ईस्ट इण्डिया कम्पनी को होटल बनाने के लिए लाइसैंस दिया गया। 171 एकड़ में से इनके वक्त में 30 एकड़ जमीन होटल बनाने के लिए दीतो इससे आप अन्दाजा लगाये कि कितना घपला हुआ होगा। (विध्न) मैं यह मान सकता हॅू कि जब ये हम पर 100 करोड़ रूपये के घपले का आरोप लगाते हैं तो इनके वक्त में 6 गुना अधिक लाइसैंस दिया गया तो फिर उसके हिसउब से इनके वक्त में 600 करोड़ रूपये का घपला हुआ होगा।

चौधरी साहब, आप भी सहमत होंगे 171 एकड़ जमीन पर माननीय हाईकोर्ट ने स्टे दिया हुआ था और जितने भू–पति थे जमीन के मालिक थे सभी पार्टीज जो हाईकोर्ट में गई हुई थीं उनको हाईकोर्ट ने स्टे दिया हुआ था और उसके बाद स्पीकर सर, 171 एकड़ जमीन में से केवल 12 एकड़ जमीन पर अवार्ड हो पाया बाकी पर इसलिए नहीं हो पाया क्योंकि कोर्ट ने स्टे दिया हुआ था। स्पीकर सर, अगली बात यह है कि जो श्रीमान् जी बोल रहे थे, कृ ण पाल जी, वह स्वयं उस समय मंत्री थे। 30–7–1998 को हरियाणा मन्त्री परिशद् की बैठक होती है और उस बैठक में यह निर्णय होता है कि 33 भू–पतियों के पास सैक ान–4 से पहले अपनी जमीन है या मलकियत है औ वह लाइसैंस के लिए एप्लाई करना चाहते हैं तो स्पीकर साहब उसको लाइसैंस दिया

जाए, नॉर्म के आधार पर उसकी भूमि रिलीज की जाए। यह हरियाणा मन्त्री परिशद् का फैसला था और वे श्रीमान् जी स्वयं उस मीटिंग में भाामिल थे मैंने रिकार्ड में उसकी हाजरी देख ली है। स्पीकर सर, उसके बाद जैसे मैने आपसे निवेदन किया 6—1—1999 को यह आवेदन आया और विभाग ने उस पर कार्यवाही की। कार्यवाही करने के बाद विभाग ने उनसे लिखित में यह लिया कि हाईकोर्ट में जो केस पैंडिंग है उनको वापिस लिया जाएगा, पार्टीज ने लिख कर दिया कि हम केस वापिस लेंगे और उसके साथ जमीन का जो लाइसैंस है वह हरियाणा मन्त्री परिशद् के अनुमोदन के बाद दिया गया। स्पीकर सर,बिइंग ए मिनिस्टर मैं उनकी बात को चैंलेज करता हूॅ अगर एक तारीख को कोई कार्यवाही हुई हो तो मेरा रिजाईन स्वीकार कर लिया जाए या जो गलत जानकारी हाउस में दी गई है और गलत बात कही गई है चौधरी भजन लाल जी के कहने पर जो ड्रामा हुआ उन पर ऐक ान होना चाहिए।(विध्न)

श्री ओम प्रका ा चौटाला : स्पीकर सर, चौधरी भजन लाल जी की पुरानी आदत रही है कि ये दोस्ती निभाते हैं और मैं भी इनकी इस बात का कायल हूॅ। (विध्न) क्योंकि इनकी दोस्ती चौधरी बंसी लाल जी से भी रही है और मैं परमात्मा से दुआ करूंगा कि इनकी दोस्ती बी.जे.पी. से निभ जाए। (विध्न) इनको यह दोस्ती जरूर निभानी चाहिए थी लेकिन कई मर्तबा क्या होता है कि हम प्रस करते हैं लेकिन फिर भी मार पड़ती है। स्पीकर

सर,एक कहावत है कि तेली के गई फिर भी रूखा खाया दोस्ती भी निभाई लेकिन राज्य सभा के पेपर्ज भी दर्ज नहीं हुए। (विघ्न) दोस्ती भी निभाई इसके लिए इनके कुछ साथियों ने धर्म परिवर्तन भी कर लिया और पार्टी में अनु ाासन नहीं रहा, इंडिपैंडैंट के तौर पर दस्तखत भी किए और पेपर भी फाईल किए और उधर दोस्ती भी निभाई। स्पीकर सर, जो लोग एक रेल में इकट्ठे सफर नहीं कर सकते उन लोगों की दोस्ती भी सिरें नहीं चढ़ी और राज्य सभा के पेपर भी रिजैक्ट हो गए। (विघ्न)

चौधरी भजन लाल : कायदे के मुताबिक तो पेपर रिजैक्ट नहीं हो सकते है। (विघ्न) आप मेरी बात सुनिये (विघ्न)

श्री अध्यक्ष : चौधरी भजन लाल जी, उन्होंने कोई खास बात नहीं कही है इसलिए आप अपनी सीट पर बैठें। चौधरी भजन लाल जी जो कुछ कह रहे है वह रिकार्ड न किया जाए। (विघ्न)

चौधरी भजन लाल : स्पीकर सर, आपको क्या पता है कि उन्होनें बड़ी बात कह दी है। एक बात में ही उन्हौंने सारी बात कह दी है (ाोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : चौधरी भजन लाल जी, आप अपनी सीट पर बैठे। चौधरी धीरपाल सिंह जी बोल रहे हैं उनको अपनी आत कम्पलीट करने दें उसके बाद आप अपनी बात कह लेना। (विघ्न) इनकी कोई बात रिकार्ड न करें।

चौधरी भजन लाल : अध्यक्ष महोदय

श्री अध्यक्ष : चौधरी भजन लाल जी,आप अपनी सीट पर बैठें इनकी कोई बात रिकार्ड न करें। (विघ्न)

श्री अध्यक्ष : भजन लाल जी, बंसी लाल जी उठकर चले गये हैं अब आप क्या बोल रहे हैं ?

चौधरी भजन लाल : चौधरी जय प्रका ा सांगवान का नोमिने ान रिजैक्ट हो गया हैं। (विघ्न)

श्री अध्यक्ष : चौधरी भजन लाल जी, आप अपनी सीट पर बैठ जाएं आपके दोस्त तो सदन से बाहर चले गए हैं।

चौधरी भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, मैं यह कहना चाहता हूॅ कि कायदे के मुताबिक वह रिजैक्ट नहीं हो सकता हैं। अध्यक्ष महोदय, आप माईक वाले को बोलें कि माईक खोलें।

श्री अध्यक्ष : आप जो भी बोलना चाहते हैं वह बोलें मुझे सब सुन रहा हैं।

चौधरी भजन लाल : आप जब उनको कहते है तो वे माईक ऑन कर देते हैं और आप जब कहते हैं तो वे माईक बंद कर देते हैं।

श्री अध्यक्ष : इनको मेरी यह बात तो माननी पड़ेगी ही। मैं जब कहूॅगा तभी वे माईक ऑन करेंगे।

चौधरी भजन लाल : यह कोई बात नहीं हैं। अब आप यह क्यों नहीं कहते कि सैक्रेटरी ने नोमिने ान पेपर आपके आदे ा से रिजैक्ट कर दिया होगा। वह प्रिजाईडिंग आफिसर है। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : नहीं–नहीं, ऐसा नहीं हो सकता हैं। यह कानूनी प्रक्रिया है, इलैक ान प्रोसीजर है इसमें किसी से कोई भेदभाव नहीं बरता जाता है। (ाोर एवं व्यवधान)

चौधरी भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, मैं यह कहना चाहता हूँ कि दोस्ती निभाना हर आदमी का फर्ज है। जहां तक निभा सके निभानी चाहिए। हमने आपकी भी निभाई, इनकी भी निभाएंगे और B.J.P की निभाएंगे।

श्री ओम प्रका ा चौटाला : भजन लाल जी, आप सदन में कांग्रेस के बतौर अपोजि ा के नेता ह कह रहे हैं कि आप B.J.P से दोस्ती निभाएंगे। अब आप बाद में मुकर मत जाना कि आपने यह बात नहीं कही हैं।

चौधरी भजन लाल : ओम प्रका ा चौटाला जी, ऐसा नहीं है। मैं आपको यह बताना चाहूँगा कि दोस्ती का क्या मतलब है, किसी के साथ ज्यादती हो,अन्याय हो,चाहे वह आदमी HVP,BJP या आपकी पार्टी का हो हम उस पर भी ज्यादती नहीं होने देंगे। हम उसकी भी मदद करेंगे।(ाोर एवं व्यवधान)

श्री धीर परल सिंह : स्पीकर सर,कृ ण पाल जी ने 18–7–2000 के बारे में खास दबाव डाला कि एक दिन में सारा काम हो गया। मैं उनको यह बताना चाहूँगा कि हमारे सी.ए. हुड्डा ने 18–7–2000 को फाईल कमि नर के पास भेजी, कमि ानर साहब ने सह फाईल 3 दिन के बाद 21–7–2000 को आगे भेजी थी। उसके बाद मुख्य मंत्री जी ने उस फाईल को 14–9–2000 को एप्रूव किया था। कृ ण पाल जी ने कहा कि यह सारी प्रक्रिया सिर्फ एक घंटे में पूरी हो गई थी। उन्होनें यह बात सदन में कह कर सदन को गुमराह किया है। 19–7–2000 को वह फाईल डाउन जाती है और फिर मंत्री परिशद् के पास जाती है। इसके बावजूद भी राश्ट्रीय राज मार्ग प्राधिकरण भारत सरकार ने लिखकर बोर्ड को कहा कि वह लिखकर उनसे अनुमति लें। उनसे अनुमति लेने के बाद ही नक ो स्वीकृत किए गए। अध्यक्ष महोदय, कृ ण पाल जी जो यहां पर कह रहे थे कि अगर चार एकड़ जमीन को तैयार करते, सड़क बनवाते,सीवरेज डालते, पानी की लाइन डालते और बिजली की लाईन लगाते तो उस पर हमारा खर्चा 50 लाख आना था। मैं यह कहना चाहता हूँ कि अगर हम वहां पर प्लाट काटते और उनको बेचते तो हमें साढ़े तीन करोड़ रूपये मिलते और वह भी छः साल में सालाना कि तोंमें मिलने। हमने लाइसैंस देने के बाद, ऊपर से परमि ान देने के बाद उससे विभाग को जो पैसा मिला है उस बारे में मैं आपके माध्यम से सदन को बताना चाहूँगा कि लाइसैंस फीस 1 करोड़ 10 लाख 94 हजार हमने ली। स्क्रूटनी फीस 2 लाख 69 हजार 4 सौ रूपये ली, सर्विस चार्जिज 2 लाख

69 हजार 4 सौ रूपये ली, कन्व र्नन चार्जिज 2 करोड़ 61 लाख के करीब मिली है। (विध्न) यहां पर कृशण पाल जी ने कहा था कि 100 करोड़ रूपये का घाटा हुआ हैं अध्यक्ष महोदय, अगर हम प्लाट तैयार करके बेचते तो हमें उससे साढ़े 3 करोड़ रूपए ही मिलते और वह भी सालाना कि तों में छः साल में मिलते। अध्यक्ष महोदय, हमें जो अब तुरन्त पैसा मिला है वह 5 करोड़ 92लाख69हजार300रूपये मिला है। (विध्न) चौधरी साहब, अब तो दनि है। अध्यक्ष महोदय, दूसरा उन्होंने आरोप लगाया कि खसरा नम्बर 532 () खसरा नम्बर 533 () खसरा नम्बर 534 () है यह कुल मिलाकर 2.38 एकड़ बनता है। इस पर जो लाइसैंस दिए गए और जिस नीति के अन्तर्गत दिए गए तो 30–7–1998 को जो हरियाणा मंत्रिपरिशद् ने जिस मीटिंग में निर्णय लिया था उसमें श्रीमान् कृशण पाल गुर्जर भी थे। उसमें यही निर्णय लिया गया था कि अगर किसी के पास अपनी जमीन है और वह लाइसैंस के लिए अप्लाई करता है तो लाइसैंस के साथ उसकी जमीन को भी अधिग्रहण से कुक्त किया जाएगा। स्पीकर सर, इस पार्टी का 1993–94 से कब्जा था। इससे लाइसैंस के बाद जो हमें पैसा मिला वह 2 करोड़ दो लाख 75 हजार रूपये था। स्पीकर सर,यह दूसरा प्वायंट हैं। इसके अलावा उन्होंने देवीनगर की बात भी कही। वे हमारे साथी चले गए। स्पीकर सर, वह जो जमीन एक्वायर हुई है वह 1.02 एकड़ है उसमें आरा लगा हुआ है वहां ए–क्लास का निर्माण होना हैं। चौधरी भजन लाल जी, आप चीफ मिलिस्टर के साथ–साथ हुड्डा के मिनिस्टर भी रहे हैं आपको पता

होना चाहिए कि यह हुड्डा की नीति है कि जहां पर ए–क्लास का निर्माण हेगा वहां पर जमीन अधिग्रहण के बाद सैक ान 6 के बाद उसको मुक्त किया जा सकता है। इस 1.02 एकड़ जमीन पर ए–क्लास का निर्माण होगा। स्पीकर सर, वहां पर कर्मचारी रह रहे थें उनके आवास बने हुए थे। इससे पहले भी उन्होंने वहां पर आरा लगाने के लिए निदे ाक, उद्योग विभाग,हरियाणा से अनुमति ली थी। यह पंजीकृत इंस्टीच्यू ान है। उनके साथ यह भार्त रखी गयी थी कि 1.02 एकड़ जमीन में से वे तीस मीटर जमीन ग्रीन बैल्ट के लिए छोडेंगे। स्पीकर सर, इसी के साथ जो 2.47 एकड़ जमीन थी वह धार्मिक आश्रम की थी। एक ट्रस्ट बना हुआ है कोई सम्मानित पूर्वज थे दनकी वहां पर समाधि हैं। वहां पर उनकी परिवार की आपस में कोई अनबन होगी लेकिन इन्होंनें उसको भी घसीट लिया। वहां पर रहने की, खाने–पीने, पार्किग की व्यवस्था हैं। वहां पर छोटे–छोटे बच्चों के लिए झूले हुए हैं भााम को बच्चे वहां पर झूला झूलते है। 2.47 एकड़ जमीन जो थी इसका एक ट्रस्ट था यह धार्मिक संस्था थी। यह सोचकर इसको जमीन दी गयी थी कि यह संस्था बुजुगों के लिए, महिलाओं के लिए एवं बच्चों के लिए अनेक कार्य कर रही हैं। इसमें ए–क्लास का निर्माण भी है साथ वहां पर भावनाएं भी जुड़ी हुई हैं क्योकि उसमें एक समाधि थी। स्पीकर सर, इसी मापदंड के आधार पर उनको यह 2.47 एकड़ जमीन छोड़ी गयी लेकिन इन्होनें उसका भी बवेला मचा दिया। स्पीकर सर, मैं आपके माध्यम से कहना चाहता हूॅं कि आप इस बारें में रिकार्ड मंगा कर देंखें कि जो उन्होनें

कहा है कि 19 करोड़ रूपये का इस पर हुड्डा ने खर्च किया होगा,हुड्डा ने जमीन डिवैल्प करी वहां पर फुब्बारें लगा दिए लेकिन मैं चाहूॅगा कि एक पैसा भी इन दोनों जमीनो पर खर्च नहीं किया। अगर एक पैसा भी खर्च हुआ हो तो धीर पाल एक मिनट में ही इस्तीफा दे देगा, नहीं तो वह व्यक्ति इस्तीफा दे दें जिसने कदम–कदम पर इस बारे में झूठ बोला और हाउस को गुमराह किया। उन्होनें यहां पर एक ऐसा फिल्मी माहौल बनाया कि जो यहां पर द ोक थे वे भी चिंतित हो रहे थे, प्रैस ने भी अपने–अपने अखबारों में लिख कि सरकार को घेरने की कोि ा ा की गयी। स्पीकर साहब, मैं आपके माध्यम से सदन से कहना चाहूॅगा कि यह निदनीय है। (विध्न) भजन लाल जी, आपने भी तीस एकड़ जमीन का लाईसैंस दे दिया था। कल तो ये उनकी सुपोर्ट कर रहे थे और कह रहे थे कि उनको मेरे समय के भी 15 मिनट बोलने के लिए दे दो। वाह,कल तो इनको बड़ा बी.जे.पी. से प्रेम हो गया था कल आपने उनसे इतना मीठा प्रेम कर लिया। (विध्न) स्पीकर सर, गलत बात कहने से काम नहीं चलेगा। यह हाउस न इनका है और न मेरा है बल्कि यह हाउस हरियाणा प्रदे ा का है। जो लोग गुमराह करेंगे वह गुनाहगार होंगे। स्पीकर सर, हमारे राज में एक पैसा भी इस जमीन पर खर्च नहीं हुआ और न ही कोई घपला हुआ हैं। सारे काम कानून कायदे के अनुसार हुए है। दोश गलत बात कहने वालों का है और दोशी उनके उस्ताद हैं। स्पीकर साहब, यही बात मैं कहना चाहता था।

श्री ओम प्रका ा चौटाला : अध्यक्ष महोदय, मैं पूरे सदन के सभी सम्मानित सदस्यों को वि ोश रूप से विपक्ष के नेता को और उनकी पार्टी के वरिश्ठ सदस्यों को अर्ज करना चाहूँगा कि सदन का समय बहुत बहुमूल्य होता है। पूरे प्रदे ा के दो साल का लेखा–जोखा तय करते हैं। कल सदन में एक जिम्मेवार पद पर बैठे हुए व्यक्ति ने बजट पर चर्चा की भाुरूआत की। लगभग एक घंटें से अधिक समय तक गुप्ता जी बोले हौंगे। (विध्न)

चौधरी भजन लाल : उस समय में से 20 मिनट तो टोका–टाकी लगी रही।

श्री अध्यक्ष : गुप्ता जी पूरे 63 मिनट बोले थे।

श्री ओम प्रका ा चौटाला : अध्यक्ष महोदय, गुप्ता जी ने एक लफ्ज भी बजट से संबंधित नहीं कहा और स्वयं उन्होनें तसलीम किया है कि मैंने किताब नहीं पढ़ी। (विध्न) इसी प्रकार मेरे सम्मानित दोस्त बठे नहीं हैं वे लगभग 36 मिनट तक अपने समय का बाले और 15 मिनट चौधरी भजन लाल जी के हिस्से के बोले, टोटल 51 मिनट बोले और बड़ी ही निराधार, अनर्गल बातें कहीं जिनका कोई सिर पैर नहीं था। निराधार और अनर्गल बातें कहकर सदन का समय खराब किया। हम इसको गहराई से देंखेगे और अगर यह ब्रीच ऑफ प्रिविलेज भी बनता होगा तो ऐक ान लेंगे। मैं कहना चाहता हूँ कि आप लोग सदन की गरिमा का ध्यान

रखे, सदन के समय का ख्याल रखकर बात करें। टू दि प्वायंट बात करें । भाशण देने की कोि ा ा न करें। भाशण देने की कोि ा ा में उलझ जाएंगे इसलिए बजट पर चर्चा करें। मैं ईमानदारी से कहता हूँ कि यदि कोई सदस्य रचनात्मक सुझाव देगा तो उन्हें सरकार मानेगी।

वैयक्तिक स्पश्टीकरण

श्री मांगे राम गुप्ता एम.एल.ए. द्वारा

श्री मांगे राम गुप्ता : अध्यक्ष महोदय, मैं पर्सनल ऐक्सप्लेने ान देना चाहता हूँ। (विध्न)

श्री अध्यक्ष : आप बैठ जाइए। रघुवीर सिंह काद्यान को बजट पर बालने के लिए अनुमति दी जा चुकी है।

श्री मांगे राम गुप्ता : अध्यक्ष महोदय, मुख्य मंत्री जी सदन का समय खराब करने की बात कर रहे है मुझे आपने समय दिया। मैंने आपसे बोलने की इजाजत लेकर बोलना भाुरू किया। उस समय सब लोग मुझे बीच में टोका–टाकी कर रहे थे ओर इस प्रकार मुझे आधे घण्टे तक डिस्टर्ब किया गया और आपने जब मुझे कहा कि बैठ जा तो मैं बैठ गया। अध्यक्ष महोदय, मुख्य मंत्री जी ने कह दिया कि मै किताब पढ़कर नहीं आया। मैं आज कह रहां हूँ कि वितमंत्री जी ने हाउस में जो बजट पर स्पीच पढ़ी उसी के मुताबिक मैंने ाउस में आंकड़े रखे। वितमंत्री जी की स्पीच से बाहर मैंने एक भाब्द भी गलत नहीं बोला। अगर एक भाब्द भी

गलत बोला हो तो आप जो सजा दें मैं वह सजा भुगनते के लिए तैयार हूॅं। (विध्न) मुख्य मंत्री जी तो हाउस में थें ही नहीं । मैंने एक भी बात विदाउट रिकार्ड नही कही है।

प्रो. सम्पत सिंह : अध्यक्ष महोदय, मुख्यमंत्री जी के कहने का मतलब यह है कि मांगेराम जी से हमे बहुत उम्मीद थी इन्हौनें यह कहा था कि स्पीच को छोडकर बाकी जो पेपर्स हमने दिए है। जैसे ऐक्सप्लेनेट्री नोट दिए हैं, रेवेन्यू के,इंकम के जो डिटेल्ड नोट सर्कुलेट किये हैं,एस.वाई.एल. के बारे में जो कागज दिए हैं इन्होनें खुद माना कि इन्होंने वे नहीं पढ़े हैं। इन्होनें यह कहा था कि एस.वाई.एल. के बारे में बजट में कुछ नहीं दिया हुआ। तब इन्होनें कहा कि बजट स्पीच को छोड़कर मैंने कुछ और नहीं पढ़ा। मैंने यह कहा था कि इनको तो पढ़ना चाहिए था इसमें और कोई लम्बी चौड़ी बात नहीं है।

श्री ओम प्रका ा चौटाला : अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय गुप्ता जी को बताना चाहूॅंगा कि गुप्ता जी जब आदमी खुद भाशण देता हैं तो यह बात ध्यान में नहीं रहती कि वह क्या बोला हैं। जब आपके पास आपकी स्पीच करैक ान के लिए आये तब उसकी पढ़कर देख लेना कि आपने क्या बोला है तब आपकी समझ में आ जायेगा।

वर्श 2002—2003 के लिए बजट पर सामान्य चर्चा (पुनरारम्भ)

डॉ. रघवीर सिंह कादयान (बेरी) : स्पीकर सर, आपने मुझे बजट पर बोलने केलिए समय दिया इसके लिए आपका धन्यावाद। स्पीकर सर, सबसे पहले वित विभाग के बारे में कहना चाहूॅगा कि वित विभाग ने जिस अच्छे ढंग से यह बजट बनाया है मेरे हिसाब सेकिसी माननीय सदस्य को बजट के बारे में इतनी माहरत हासिल नहीं है कि वह इस बजट को पढ़ सके और समझ सके। लेकिन मौटे तौर पर अगर नज डाली जाये तो यह साफ नजरआता है कि पूरे का पूरा बजट तनख्वाहों में और नॉन प्लॉन एक्सपैंडीचर में और कर्मचारियो की सैलरी की अदायगियों में बंट जाता है। वितीय प्रबन्धन के नाम पर भी कोई नयी चीज नजर नहीं आती। पिछले दो सालों के बजट पर नजर डालें तो पी.सी. आई. की रेट ऑफ ग्रोथ साफ घटती दिखाई दे रही है। माननीय वित मंत्री महोदय ने 2000–2001 के बजट में वार्शिक योजना व्यय 2530 करोड़ रूपये रखा था और उस समय ट्रेजरी बैंचिज के सदस्यों ने बड़े जोर से मेजें थपथपाई थीं कि इतना बड़ा प्लान बनाया है। लेकिन उसमें रिवाईज्ड एस्टिमेटस में वह 1815 करोड़ रह गया। 2000–2001 की एनुअल प्लान में 39 फीसदी की गिरावट आई और इसी तरह 2001–2002 का बजट रखा गया उसमें वार्शिक योजना 2150 करोड़ रूपये की थी लेकिन उसमें भी डाऊन फाल कट हुआ कि वह वार्शिक योजना भी 1838 करोड़ रूपये की रह गई। उसमें भी सीधे तौर पर 20 फीसदी की गिरावट आ गई। उसी प्रकार अब माननीय वित मंत्री जी ने वर्श 2002–2003 का बजट पे ा किया है। इसमें भी वार्शिक साल की तरह ट्रेंड रहा तो

यह प्लान भी 1600 करोड़ रूपये की रह जायेगी और 1600 करोड़ में भी अगर एक्चुअल वैल्यू देखी जाये तो कंट्री का इंफले ान दर साढ़े चार से पांच फीसदी और कम हो जायेगी और उस हिसाब से यह 1500 करोड़ रूपये की प्लान ही रह जायेगी। इसमें नये एसैट्स के लिए बजट क्या रह जायेगा यह तो सरकार और वित मंत्री इस सदन को बतायें क्योंकि प्लानिंग कमी ान लगातार अपनी प्लॉन में कट करता रहता है और फायनैंस कमी ान के परसैंटेज ऑफ एनुअल रेट में भी कमी होती जा रही है। स्टेट के सोर्स नये असैटस बढ़ाने के लिए प्लॉन में फन फंड के नाम से आन लाइन लॉटरी का ही जिक्र किया है। ऑन लाइन लाटरी कें नाम से प्रदे ा के जो नौजवान हैं उनका भविश्य खतरे में पड़ जायेंगा यह उसी तरह की बीमारीहै जिस तरह की बीमारी ाटरी फन कीथी और उस लॉटरी के आज जो छोटे–छोटे धंधे जहां चल रहे हैं उससे मजदूर और गरीब किस्म के लोग फांसी आक्र आत्महत्या करने के लिए मजबूर हो जाते है। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से सरकार से निवेदन करना चाहूँगा कि दिल्ली के चारों और हरियाणा प्रदे ा है, इन्फ्रास्ट्रक्चर यहां क्रिएट किया जा का है, अपने प्लॉन और असैटस को बढ़ाया जा सकता है, फाइनैंि ायल पॅनेजमैंट अच्छें ढंग से करके प्रदे ा के नौजवाों का इस लाटरी जैसी बुराई से पीछा छुड़ाया जा सकता है। अध्यक्ष महोदय, इस बजट में दिया हुआ है कि लोन रिपेमैंट और इंट्रस्ट पेमैंट पर 39 फीसदी खर्च होगा। जब टोटल बजट का 40 फीसदी बजट कर्ज और उसके ब्याज की अदायगी मंू चला जाएगा तो स्टेट

के पास इतना क्या रह जाएगा यह वित मंत्री जी अच्छी तरह से जानते हैं। 3600 करोड़ रूपये डैबिट सर्विसेज में द ार्या गया है। 3600 करोड़ रूपए का मतलब है जब हरियाणा में कोई बच्चा जन्म लेता है तो उसके ऊपर 1800 रूपए कर्ज होता है। नॉन प्लॉन एक्सपैंडिचर बुरी तरह से बढ़ता जा रहा है। वर्श 2000–2001का जब वित मंत्री जी ने रखा था उस समय टोटल प्लॉन में से 3384 करोड़ रूपए नॉन प्लॉन एक्सपैंडिचर के लिए रखा गया था और प्लॉन एक्सपैंडिचर के लिए 3233 करोड़ रूपए रखा गया था। इसका मतलब 75 फीसदी हरियाणा प्रदे ा का बजट जब नॉन प्लॉन यानि लोन की रिपेमैंट और कर्ज की अदायगी पर खर्च होगा तो 25 फीसदी में हरियाणा का क्या प्लॉन बनेगा। जब वर्श 2001–2002 का बजट रखा गया तो उसमें तकरीबन 9375 करोड़ रूपए नॉन प्लॉन एक्सपैंडिचर के लिए रखा गया और 8116 करोड़ रूपए प्लॉन एक्सपैंडिचर के लिए रखा गया। इसका मतलब नॉन प्लॉन एक्सपैंडिचर के लिए योजना का 78 फीसदी रखा गया और आज जो बजट रखा गया है तो उसमे टोटल 10401 करोड़ रूपए रखा गया है इसमें 9055 करोड़ रूपए नॉन प्लॉन एक्सपैंडिचर के लिए रखा गया। इस प्रकार जब 87 फीसदी हरियाणा प्रदे ा का बजट तनख्वाहों और गैर योजनाओं पर, कर्ज और उसके ब्याज की अदायगी पर खर्च हो जाएगा तो 13 फीसदी बजट में जो इन्होनें लम्बी–लम्बी योजनाएँ बिजली और सड़कों के बारे मेें बताई हैं उनका क्या होगा ? अगर 100 में से 13 रूपये हरियाणा प्रदे ा के लिए बचेगा तो उससे कौन–कौन से प्लॉन एग्जीक्यूट

होंगे और कौन–कौन से काम हो सकेंगे ? इससे हरियाणा प्रदे ा का जो पर कैपिटा इन्कम है या टोटल ग्रास डोमैस्टिक प्रोडैक्ट है वह कैसे बढ़ सकेगा और बिलो पावरटी लाइन के लोगो को कैसे ऊपर उठाया जाएगा यह हमारी समझ के बाहर की बात है ? वित मंत्री जी बहुत काबिल मंत्री हैं यह ठीक है लेकिन साफ नजर आता है कि इन्होंने बड़े भारी मन से इस कजट को बनाया है। इनकी भी लिमिटे ान हो सकती हैं। इसलिए मेरा इसमें यह सुझाव है कि हरियाणा दिल्ली के चारों तरफ है और उसकी ज्योग्राफिकल लोके ान ऐसी है कि अगर यहां इंडस्ट्रीज के लिए इन्फ्रास्ट्रक्चर क्रिएट किया जाये, फोर लेनिंग की जाए, बिजली और टेलीफोन की ओर दूसरी सुविधाएं दी जाएं तो आज जो इंडस्ट्रयलिस्टस दिल्ली में भटक रहे हैं वह हरियाणा की तरफ अट्रैक्ट हो सकेंगे। पूरे प्रदे ा का एग्जोस्टिव प्लॉन इस तरह बनाया जाए और इस तरह का माहौल बनाया जाए ताकि इंडस्ट्रयलिस्टस हरियाणा की तरफ अट्रैक्ट हो सके।

अध्यक्ष महोदय, जिस समय आपने मुझे पिछले बजट अधिवे ान में बोलने का समय दिया था उस समय भी मैंने जिक्र किया था कि हरियाणा और पंजाब के किसानों को W.T.O के तहत बहुत बड़ी मार पड़ने वाली है। स्पीकर सर, इतनी बड़ी मार कि हरियाणा में यहां गेहूॅ और चावल से दो फसलें उगाई जाती हैं और आज तक गेहूॅ के समथर्न मुल्य की भी घोशणा नहीं की गई है। दूसरी तरफ खाद्य और दूसरे इनपुट्स की कीमतों में वृद्धि हो

रही है। आज ऐसा लगता है कि प्रोक्योरमैंट के बारे में मुख्य मंत्री जी ने जो आ वासन किसानों को समथर्न मूल्य के बारे में दिया है वह समर्थन मूल्य किसानों को मिलने वाला नहीं है। पता नहीं जो समर्थन मूल्य किसानों को पहले दिया जा रहा है उस पर भी प्रोक्योरमैंट हो पायेगी या नहीं । स्पीकर सर,जैसा कि मुख्य मंत्री जी ने कहा था कि लिबरेलाईजे ान का मामला कांग्रेस सरकार के समय में भाुरू हुआ था इस बारे में मैं कहना चाहूॅगा कि यदि किसी सरकार की पॉलिसीज पूरी तरह से ठीक न हों तो उन्हें मोडीफाई किया जा सकता है, उन्हें इम्प्रूव किया जा सकता है। इसलिए मैं सदन के नेता से निवेदन करना चाहूॅगा कि हरियाणा में गेहूॅ और चावल की दो ही फसलें मुख्य तौर पर उगाई जाती हैं इसलिए अगर क्रोप डाईवर्सीफिके ान नहीं होगी,क्रोप रोटे ान को बदला नहीं जोगा तो हमारे किसानों को बहुत नुकसान होगा और गरीब किसान उजड़ जायेगा। इसलिए मेरा यह सूझाव है कि क्रोप डाईवर्सीफिके ान के नाम से बजट में एलोके ान होनी चाहिए और किसानों को दूसरी फसलों की तरफ प्रोत्साहित करना चाहिए। किसानों को दूसरी फसलों की तरफ प्रोत्साहित करने के लिए हिसार एग्रीकल्चरल यूनिवसिटी को जिम्मेवारी सौंपी जानी चाहिए। वे हरियाणा के किसानों को बतायें कि किस ढंग से नई फसलें उगाई जायें,नई फसल ही हर चीज के बारे में किसान को जानकारी दी चाहिए ताकि किसान को अच्छी आमदनी हो। स्पीकर सर, अब मैं मेरे हल्के में आये थे आपने भी देखा था कि वहां सड़कों कि कितनी खराब हालत है। इस बारे में मैंने बजट

अधिवे ान 2000–2001 और 2001–2002 में भी जिक्र किया था कि मेरे हल्के की 16 सड़कों की बहुत खराब हालत है। उस समय मुख्य मंत्री जी ने आश्वासन दिया था कि जून,2001 तक सभी सड़कें बन जायेंगी, फिर 2002 में भी यह बात आई लेंकिन खेद की बात है कि वहां पर सड़कों पर माईनर रिपेयर जरूर हुई लेकिन मेजर रिपेयर नहीं हुई है। वहां के लोग कहते हैं कि बेरी से अपोजी ान का विधायक होने के कारण वहां के लोगों के साथ भेदभाव किया जा रहा है। (इस समय माननीय उपाध्यक्ष महोदय पदासीन हुए।) उपाध्यक्ष महोदय, वहां कुछ सड़कें ऐसी हैं जिनमें 1995 की बाढ़ में तीन–तीन फिट के गड्ढे पड़ गये थे ओर वे आज तक भी ठीक नहीं किए गये हैं। डीघल रोड़ पर बेरी और दूबलधन की सड़कों में तीन–तीन फिट के गे पड़े हुए हैं। मैं माननीय मुख्य मंत्री जी से अपके माध्यम से पूछना चाहूॅगा कि इन सड़कों का निर्माण कब तक किया जायेगा और कब वहां के लोगों को राहत मिलेगी ? उपाध्यक्ष महोदय, इसके अतिरिक्त खेद की बात यह है कि सी.ऐ.जी. की रिपोर्ट जो कभी–कभी आई है उसके मुताबिक फिसकल डैफीसिट सरकार के कंट्रोल से बाहर हे और इसम ें साफ लिखा है कि यह लैक ऑफ फाईनैंि ायल मैनेजमैंट की वजह से है। हमारी पर–कैपिटा इन्कम डाउन न चली जाये इस बात का हमें ख्याल रखना चाहिए। हमारे प्रान्त की खु ाहाली के नाम पर दे ा में और दूसरे प्रदे ाों में गिनती होती है। यह मेरा सुझाव है कि हम गरीबी की तरफ न चले जाएं, हमारी पर–कैपिटा इन्कम डाउन न चली जाये इस बात का हमें ख्याल रखना चाहिए।

हमारे प्रान्त की खु ाहाली के नाम पर दे ा में और मुख्य मंत्री जी को सुझाव है कि इसमें फाईनैं ायल मैनेजमैंट की तरफ ध्यान दिया जाये क्योंकि आज बजट में तो विकास के कार्यो की घोशणाएं होती नहीं और फील्ड में मुख्य मंत्री जी की घोशणाओं पर कोई स्पीड ब्रेकर नहीं है इस बारे में मेरा सुझाव है कि वित मंत्री जी को स्वतंत्रता दी जाये कि बजट प्लान को ठीक ढंग से लागू कर सकें। अगर मौजूदा ढांचे के अनुसार इसी तरह से मामला चलता रहा तो बहुत बड़ा नुकसान होगा। क्योंकि ये दो साल की जो एन्युअल योजना है इसमें हमारी 1000 करोड़ रूपये की गिरावट आ गई हैं। आप देंखेंगे कि वर्श 1999–2000 की जो प्लान थी वह 1815 करोड़ रूपये की थी अब तीन सील के बाद भी इतनी ही आई है। इसमें इन्फले ान लगाकर देखें कि एक्चुअल प्लान कितनी घट गई होगी। इन बातों के साथ मैं बजठ के विरोध में बोलने के लिए खड़ा हुआ हॅू। अतः उपाध्यक्ष महोदय, मैने जो सुझाव दिए हैं उन बारे मुझे उम्मीद है कि सरकार उन पर गौर फरमायेगी। अंत में उपाध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बोलने का समय दिया, इसके लिए आपका धन्यवाद करते हुए मैं अपना स्थान लेता हॅूं।

चौधरी बंसी लाल (भिवानी) : उपाध्यक्ष महोदय, बजट जो है वह खाली आंकड़े जोड़ने के लिए नहीं होता। यह सरकार का एक पॉलिसी डिसीजन होता है, पॉलिसी डिकलेरे ान होता है। पर हम प्रदे ा को किस तरफ से और कहां लेकर जाएंगे, यह हमें

देखना होगा। वित मंत्री जी ने कोि ा ा तो की हे मगर इनकों कामयाबी कम मिली है और बजट एट ए ग्लांस अगर हम एक पेज पर देखें तो नॉन प्लॉन एक्सपैन्डीचर पर इन्होंने 2001–2002 में बजट ऐस्टिमेटस में 801643 लाख रूपये दिखाया है और रिवाइज्ड ऐस्टिमेटस 845599 लाख रूपये दिखाया है। आप देखेंगे कि यह 43956 लाख रूपये बढ़ गया। इसी प्रकार से प्लान साइड में बजट ऐस्टिमेटस 2001–02 में 252068 लाख रूपये दिखाया है और रिवाईज्ड एस्टिमेटस 222243 लाख रूपये दिखाया है। इसमें आप देंखेगे कि 298.25 लाख रूपये घट गया। मैं प्लान एक्सपैन्डीचर के बारे में वित मंत्री जी को कहना चाहूँगा कि जब तक यह नान प्लान एक्सपैन्डीचर पूरा हो, इसको और ज्यादा करने की कोि ा ा करो तो और भी अच्छी बात है। लेकिन एक तरफ सरकार कहती है कि तरक्की कर रहे हैं और दूसरी तरफ तरक्की वाले काम के बजट घट रहे हैं, इनकोमैं ठीक नहीं समझता और आपने जो 2002–03 का रिसीट एक्सपैन्डीचर बताया है उसमें 105623 लाख रूपये डैफिसिट है। डैफिसिट तो हो लेकिन डैफिसिट किसी परपज पर हो। उपाध्यक्ष महोदय, जो हमने लोन ले रखा है वह हम पेमैंट करते हैं, इन्ट्रस्ट पेमैंट 14 परसेन्ट, लोन रीपेमैंट 25 परसैंट यानि 39 परसैंट हम हर साल लोन की पेमैंट में देते हैं और पैण्डिग डैट से बजट में दिखाया गया है कि 37 पैसे आयेगा। 37 पैसे जो आयेगा और 39 पैसं आप देंगे, इसका मतलब 2 पैसे घर से मिलाकर देंगे तो फिर यह लोन कैसे उतरेगा ? क्योकि सरकार तो लोन देने के लिए लोन ले रही है तो यह

जो चीज है, मैं समझता हूँ कि यह कोई हैल्दी प्रैक्टिस नहीं हैं। जहां तक डैफिसिट का सवाल है, डैफिसिट होता है। 1997–98 में डैफिसिट था 1127 करोड़ रूपये और 1998–99 में यह डैफिसिट हो गयी 2240 करोड़ रूपये क्योकि 1200–1300 रूपये का एकदम पे–कमी ान आ गया। हमने डैफिसिट के ट्रैण्ड को घटाने की कोि ा ा की। अगले साल 1999–2000 में यह 2132 करोड़ रूपये हो गया और उससे अगले साल 2000–2001 में बढ़ कर 2265 करोड़ और उससे अगले साल 2001–2002 में बढ़ कर 2687 करोड़ रूपये अब 2002–2003 में यह 2617 करोड़ रूपये तक का आने का अनुमान है। यह भी कोई बहुत हैल्दी बात नहीं है। डैट सर्विसिज में कर्जा तो आप लेते जाएये लेकिन कर्जा लेनेके बाद यह भी देखना होगा कि देंगें कहां से ? अब तक आप इन्कम नहीं बढ़ाएंगे उस वक्त तक आप कर्जा कहां से चुकाएंगे। डैट सर्विसिज इन्ट्रस्ट पेमैंट्स से देंगे तो यह बजट एट ए ग्लांस पेज 9 पर लिखा है कि 2002–2003 में 1998 करोड़ का ब्याज देंगे और आगे यह बढ़ता जाएगा और अब आपने जो 14 दिखाया है डैट यह आगे जाकर 22–23 होने वाला है। आप इसे चुकाएंगे कहां से ? रिपेमैंट ऑफ लोन्ज से आपने इस साल चुकाया है 2795 करोड़ रूपये अगले साल यह हो जायेगा 3631 करोड़ रूपये। आपकी आउटस्टैंडिग लायब्लिटीज हैं जिसमें लोन औ गारन्टी दोनों हो गई। वर्श 2000–2001 में कर्जा टोटल था 14264 करोड़ रूपये । 2001–2002 में 16949 करोड़ रूपये, 2002–2003 में यह बढ़ कर 19297 करोड़ रूपये हो जाने का अनुमान है। आप लोन ले रहे हैं

सड़क बनाने के लिए, लोन ले रहे हैं दूसरे कामों के लिए भी लोन ले रहे हैं। हुडको से भी लोन ले रहे है। हुडकों से जो लोन लेकर आप सड़कें बना रहे हैं उन सड़कों की क्वालिटी भी आप चैक करवा सड़क बन रही थी। उसको लोहारू की तरफ से चालू किया हुआ था तो काम ठीक हो रहा था और रोड़ी पड़ रही थी और जो मैटीरियल लगना चाहिए था अब वह नहीं लग रहा है। अब तो वे ऐसा करते हैं कि जो मिट्टी होती है उसकी जगह पहाड़ की जिस रेती को पहाड़ का पत्थर निकालने के लिए ठेकेदार मुफ्त में उठाता है और ट्रक भी मुफ्त भी देते हैं वही रेत सड़क पर डाल कर थोड़ी रोड़ी डाल कर तारकोल डाल देते हैं। वह सड़क चलने वाली नहीं है। क्वालिटी कंट्रोल किए बगैर आपका काम चलेगा नहीं और आप लोग जो लोन ले रहे हैं सड़कों के लिए अगर आप लोन के लिए नैगोि ायेट करें वर्ल्ड बैंक से तो वर्ल्ड बैंक का लोन मेरे ख्याल से 9 से ज्यादा इन्ट्रस्ट पर नहीं पड़ेगा और अब तो भाायद 8 ही पड़ेगा। इसका पूरा रूपया भी आपको देना पड़ेगा, 70 या 75 आपको देना है बाकी भारत सरकार देती है। बाकी जो देना है वह होता भी लोंग टर्म लोन है। आप 11, 12 पर हुडको से लोन लैंगे तो वह आपको बहुत महंगा पड़ेगा और सड़कों की बात मुझे याद आ गई हमारे हरियाणा में सबसे डिफिकल्ट सड़क जो चलने में है वह सड़क कोटपुतली, नारनौल,महेन्द्रगढ़, चरखी दादरी, भिवानी,जीन्द है। आप यह सोचिएगा कि इस सड़क के ऊपर नारनौल से दादरी के बीच में चलने के लिए जगह नहीं मिलती है। अगर रात को वहां पर चले

जाएं तो वहां पर रोज 2–3 एक्सीडैंट हुए जरूर मिलेंगे। हमने इस सड़क को नै ानल हाई–वे बनाने के लिए लिख कर दरख्वास्त दी हुई है क्योंकि यह सड़क कोटपुतली से पटियाला तक जा सकती है। हमारी और सड़कें नै ानल हाई–वे बन चुकी हैं, पता नहीं उस दरख्वास्त का क्या कर रहे हैं। इसके अलावा कैप्टन अजय सिंह ने यहां पर एक सवाल किया था और उसके जवाब में मुख्य मंत्री जी ने कहा था कि रिवाड़ी में नारनौल वाली सड़क पर पुल बनाने का प्रावधान तो है लेकिन झज्जर तक की सड़क के ऊपर पुल बनाने का कोई प्रावधान नहीं है। मैं आपको याद दिलाना चाहता हॅू और वित मंत्री जी, आपको पता भी होगा बावल,रिवाड़ी,झज्जर, रोहतक, जींद,नरवाना और संगरूर वाला रोड़ नै ानल हाई–वे बन चुका हैं। जिस सड़क के बारे में मैंने नै ानल हाई–वे बनाने के लिए कहा है आप उस बारे में भारत सरकार से कहें। आप चाहे रिवाड़ी के लिए नारनौल वाले पुल से चले जाएं यां झज्जर के पुल से चले जाएं दोनों तरफ से आपको फाटक बंद मिलगा। वहां पर ट्रैफिक बहुत ही ज्यादा है और उस ट्रैफिक को निकालने के लिए वहां पर पूल दोनो तरफ बहुत जरूरी है।

वित मंत्री जी ने कहा कि सैलरीज एंड पें ानर्ज की तनख्वाह के ऊपर 46.28 प्रति ात खर्च होंगे। मेरे ख्याल से आपको दोबारा से इसको चैक करना होगा इसमें 55 प्रति ात के करीब होगा (विध्न) आपने 46.28 प्रति ात लिखा हुआ है।

उपाध्यक्ष महोदय, जो बजट है उसमें पिछले साल के आंकड़े दिखाए गए हैं उसमें वित मंत्री जी ने कहा था कि 233.86 करोड़ रूपए का घाटा रहेगा इसमें भी माईनस बैलेंस रहेगा, यह 288.19 करोड़ रूपए हो गया था। इन्होनें 2001–02 में डैफिसिट लगाया था कि यह 55 करोड़ रूपए का रहेगा हकीकत में यह 171.70 करोड़ रूपए हो गए हैं। सबसे खराब बात जो हो गई है वह यह कि इस साल का 200 करोड़ रूपए का घाटा होगा यह बताया गया है। मैं समझता हूँ कि 200 करोड़ के घाटे में सार नहीं सकेंगे अगर 55 करोड़ का जब 190 करोड़ हो गया तो 200 करोड़ 700 या 800 करोड़ होगा। (ाोर एवं व्यवधान) उपाध्यक्ष महोदय, डैफिसिट ट्रैंड जो हमारा है यह कोई उत्साहजनक बात नहीं है। डैफिसिट के बारे में मैंने बताया कि इसमें 21–3–1999–2000 से लेकर 2617 करोड़ रूपए हो गया तो इससे आपका गुजारा कैसे होगा ? यहीं आंकड़े आने बजट स्पीच में लिखे हैं। डैड लाईब्लिटीज जो है वह आउटस्टैंडिंग बढ़ता ही बढ़ता जा रहा है। डैड सर्विसिज का भी मैंने आपको बताया लेकिन जो सबसे गम्भीर मामला है वह नॉन प्लान एक्सपैंडिचर बढ़ने का और घटने का है। इसमें आपने जो 2001–2002 में बजट एस्टीमेट दिया था उसका 7 प्रति ात घाटा रहा है और प्लान एक्सपैंडिचर साढ़े चार प्रति ात ही रह गया।

अब एक्साईज के बारे में वित मंत्री जी ने पिछले साल कहा था कि हमको 924 करोड़ रूपए की आमदनी होगी लेकिन

इनकी आमदनी 870 करोड़ रूपए की हुई। अगर 924 करोड़ रूपए की आमदनी होती तो इनकी पिछले साल की इन्क्रीज 9.27 करोड़ की होती। मैनें पिछले साल भी वित मंत्री सम्पत सिंह जी से पूछा था कि क्या आपको पूरी उम्मीद है कि यह आपका 9.27 करोड़ हो जाएगा? तो इन्होंने कहा था कि मुझे पूरी उम्मीद है कि यह पूरा हो जाएगा लेकिन यह हो गया साढ़े तीन प्रति ात। अब इन्होने 2002–2003 के बजट एस्टीमैंट में एक्साईज के लिए 940 करोड़ रूपए दिखाया है that is 8 % increase Ch.Sampat Singh Ji, I think it is not possible.और अगर पोसिबल है तो वित मंत्री जी अपनी स्पीच के वक्त जरा सदन को भी बता दे। उपाध्यक्ष महोदय, इसी तरह से जहां तक पावर का मामला है। 31–12–2001 को सरकार कहती है कि 1460.90 करोड़ की पावर लाईब्लिटीज होगी। फिर राम कि ान फोजी ने जब इस बारे में एक प्र ान पूछा तो एक नोट देकर कह दिया कि 994 करोड़ के जो बांड जारी किए गए है वह इसमें भाामिल नहीं है इसका मतलब यह बन गया 2454 करोड़ 90 लाख रूपए। उपाध्यक्ष महोदय, मैं इनसे जानना चाहता हॅू कि पावर में सरकार क्या कर रही है ? पावर में मिस–मैनेजमैंट है। भारत सरकार की पोलिसी है कि अलग–अलग कम्पनिया बना कर इन्डिपैंडैंट बनाओ और उनको इन्डिपैंडैंटली काम करने दो। पावर लोसिज बड़े हैवी है। पावर लासिज को घटाने की कोि ा ा की जाएं। जब तक किसी प्राईवेट आदमी के पास इसका डिस्ट्रीब्यू ान नहीं होगा with the full banking of the Government. उस वक्त तक लाइन लोसिज नहीं धटेगा इसलिए

पावर सैक्टर में मुझे खास चिंता है कि क्या होने जा रहा है ? पांच साल के बांड को पावर सैक्टर के इस सरकार ने जारी कर दिए,कब देने पड़ेंगे, जो कोई मुख्य मंत्री होगा वह भुगतेगा इस सरकार की कोई जिम्मेदारी नहीं है। खर्च किया खत्म किया।

श्री ओम प्रका ा चौटाला : उपाध्यक्ष महोदय, ए.बी.बी. कम्पनी का भी तो हम भुगत रहे है। काम इन्होंने करें और भुगत हम रहे है।

चौ.बंसी लाल : ए.बी.बी. को भुगतने वाले ही भुगतेंगें। उपाध्यक्ष महोदय, आप इनसे कहिये कि ये थोड़ी देर चुप रहेंगें तो फायदा रहेंगा।

श्री ओम प्रका ा चौटाला : उपाध्यक्ष महोदय, ये ए.बी. बी. के बारे में भी थोड़ा सा स्पशट करें ताकि पूरे सदन को पता लग जाए। बावजूद विरोध के इन्होनें ए.बी.बी. को दिया और वह यूनिट खोलकर दी जिससे तीन सौ करोड़ रूपए का घाटा हो गया। 110 मेगावाट बिजली तीन वर्श से नहीं मिल रही है। उपाध्यक्ष महोदय, ये थोड़ा सा इस बारे में भी स्पशट कर दें।

चौ.बंसी लाल : उपाध्यक्ष महोदय, हमने ए.बी.बी. को भी ठीक सोच समझकर दिया था। सब एक्सपर्टस ने बैठकर फैसला किया था लेकिन इन साथियों ने क्या झगड़ा किया मुझे पता नहीं। दिया हमने था और हमारे टाइम में चलता भी रहा लेकिन इन्होंने आकर उसको बंद कर दिया। (विध्न)

इ उपाध्यक्ष महोदय, वह इनके टाइम में बंद हो गया था।

श्री ओम प्रका ा चौटाला : उपाध्यक्ष महोदय, ये हाउस को क्यों गुमराह कर रहे हैं ?

चौ.बंसी लाल : उपाध्यक्ष महोदय, मैं एक सच्ची बात को एक बार कहूँ और ये एक गलत बात को सौ बार कहें जिस पर इनको विश्वास है तो मेरे पास उसका कोई जवाब नहीं हैं।

श्री ओम प्रका ा चौटाला : उपाध्यक्ष महोदय, ये तो हाउस के बड़े सीनियर मैम्बर हैं लेकिन ये हाउस को गुमराह कर रहे हैं। वह इनके समय में बंद हुआ और इनके वक्त का ही पचास–साठ करोड़ रूपए के वर्क का सामान पड़ा है। तीन सौ करोड़ रूपए का नुक्सान प्रदे ा ने भुगत लिया है। हम तो आर्बीट्रेटर में गए हैं हमने तो आपको यह कहा कि चौधरी साहब इसको मत दो लेकिन आपको केवल कमी ान खाने की जो आदत थी वह नहीं गयी। आपने नहर में भी कमी ान खाया। आपने कमी ान खा–खाकर प्रदे ा का बेड़ा गर्क कर दिया है।

वैयक्तिक स्पश्टीकरण

चौ.बंसी लाल एम.एल.ए. द्वारा

चौ.बंसी लाल : उपाध्यक्ष महोदय, मेरा पर्सनल एक्सप्लेने ान है। उपाध्यक्ष महोदय,मेरी न कमी ान खाने की

आदत है और न मुझे कमी ान खाना आता है। कमी ान खाने का तरीका तो यह होता है कि कोई भी चीफ चेयरमैन हैं। यह कमी ान के लिए ही होता है यह ऐसे नहीं होता है।

मुख्य मंत्री(श्री ओम प्रका ा चौटाला) : उपाध्यक्ष महोदय,हाई पावर परचेज कमेटी का चेयरमैन बनने के बाद उसमें कितना सुधार आया है जरा इसकी चर्चा भी थोड़ी सी कर दें। पहले जिनको चेयरमैन बनाया जाता था उससे पैसा खाया जाता था लेकिन हम बाकायदगी चैकिंग करते हैं। न एक पैसा हमारी सरकार में कोई खाएगा और जिन्होंने खा रखा है हम उससे वसूल भी करेंगे।

श्री उपाध्यक्ष : बंसी लाल जी, आप यह बता दें कि किस डेट से पानीपत थर्मल प्लांट की दूसरी यूनिट बंद है ?

चौ.बंसी लाल : उपाध्यक्ष महोदय, इस बारे में ये ही बताएंगे क्योंकि वह इनके वक्त में ही बंद हुआ है। (विध्न) उपाध्यक्ष महोदय, अगर इस तरह से ये बोलते जाएंगे तो मेरे बोलने का टाइम कहां रह जाएगा।

श्री कृ ण लाल : उपाध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट ऑफ आर्डर है। सर, अभी जैसा मुख्य मंत्री जी ने सदन में पानीपत थर्मल प्लांट की दूसरी यूनिट के बारे में ए.बी.बी कम्पनी का जिक्र किया। वह जनवरी 1999 के अंदर जब चौधरी बंसीलाल जी की सरकार थी, पानीपत थर्मल प्लांट की नम्बर एक और दो यूनिट जो

110–110 मेगावाट की हैं, उनमें केवल आठ मेगावाट बढ़ाने के लिए तीन सौ करोड़ का ठेका दिया था और वह प्लांट 1999 में बंद हुआ था इसके साथ में जब एक नंबर प्लांट चलता रहा, चौधरी ओम प्रका ा चौटाला जी ने आदे ा देकर और 4–5 करोड़ रूपया लगाकर के एक नम्बर को बी.एच.ई.एल. से ओवरहाल करवाया आज यह 110 मेगावाट प्लांट लोड दे रहा है अब इसका प्लांट लोड फैक्टर 114मेगावाट तक बढ़ा हैं।

वर्श 2002–2003 के लिए बजट पर सामान्य चर्चा (पुनरारम्भ)

चौ.बंसी लाल : उपाध्यक्ष महोदय, हमने एक या दो नहीं चारों प्लांटों का एग्रीमैंट किया था। 30–32 परसैंट प्लांट लोड फैक्टर पर वे चलते थे उस कम्पनी ने वादा किया था कि 110 मेगावाट का 118 मेगावाट का हर प्लांट कर देंगे और 118 मेगावाट करके 80 परसैंट प्लांट लोड फैक्टर 6–6 महीने सब के सब चलाकर देंगे। ये फैसला हुआ था। उपाध्यक्ष महोदय, एक साइबर सिटी गुड़गांव में बन रही है मुझे ताज्जुब यह है कि वह प्राइवेट सैक्टर को दी जा रही है जबकि प्राइवेट सैक्टर को देने की कोई आव यकता ही नहीं थी उसको हुड्डा भी कर सकता है और एच.एस.आई.डी.सी. भी बखूबी कर सकती है। जो प्राइवेट पार्टी को दिया गया है इसमें हरियाणा सरकार को कम से कम 200–300 करोड़ रूपए का लौस हुआ है। उनको यह कैसे दिया गया,क्यों दिया गया ? न तो उनसे कोई लाइसैंस फीस के पैसे

लिए गए, न सी.एल.यू.के पैसे लिए, कुछ भी नहीं लिया। एक खैरात बांट दी गई। एक तरफ कहते हैं कि पैसे की कमी है मैं मानता हूँ कि पैसे की कमी है लेकिन एक तरफ कमी है दूसरी तरफ खैरात बाटंते हैं। कैसे काम चलेगा। अभी तो ये एक प्राइवेट पार्टी को दिया है,अभी तो पता नहीं कहां तक पहुँचेंगे ? मैं समझता हूँ कि इससे स्टेट ऐक्सचैकर पर 200–300 करोड़ रूपए की चोट हैं। एक चौधरी सम्पत सिंह ने बजट में पैरा नं. 96 लिख दिया। इसमें लिखा है कि 'हमारी सरकार इस सिद्धान्त में पूर्ण विश्वास रखती है कि प्रजातंत्र में भाासन लोगों का है, लोगों के लिए हैं और लोगों के द्वारा चलाया जाता है इसलिए भाासन को लोगों की भावनाओं और आकांक्षाओं के अनुरूप बनाना हमारा मुख्य लक्ष्य हैं। मैं समझता हूँ कि इसे इनको स्पीच में से निकाल देना चाहिए ये बिल्कुल ही गलत है, इस पैरा मे कोई सच्चाई नहीं है यहां इससे उलट काम है।

श्री उपाध्यक्ष : बंसी लाल जी, आप वाइंड अप करें। आपको बोलने के लिए 12 मिनट का समय तय था। आपको बोलते हुए 25 मिनट हो गए है।

चौ.बंसी लाल : मैं थोड़ी देर में वाईड अप कर देता हूँ। सरकार ड्रिंकिंग वाटर सप्लाई स्कीम का जो कर रही है,टयूबवैल लगा रही है मै बताना चाहूँगा कि सैलो टयूबवैल लगाकर वाटर सप्लाई कर रहे है मै बता देना चाहता हूँ कि इससे वाटर बोर्न डिजिजिज पैदा होगी और लोगों को तकलीफ होगी।

मैं सरकार को सुझाव देना चाहूॅगा कि डीप टयूबवैल बोर करा कर लोगों को पीने के लिए पानी दिया जाए ताकि लोगों की सेहत ठीक रहे। उपाध्यक्ष महोदय, मुख्य मंत्री जी ने मेरे भाई के ऊपर इल्जाम लगाया है कि वह बेनामी निगाना पहाड़ को चलाते रहे हैं। मेरे भाई ने कोई बेनामी पहाड़ नहीं चलाया, कोई ब्लैकमार्किट का धंधा नहीं किया वह बिल्कुल साफ है। यह तो जब तिलक उघड़ेगा तब पता चलेगा कि बेनामी कहां की है, किस की है और कैसी है ? सेल टैक्स क्र ार वाले ने ले लिया, मैटीरियल की कीमत ले ली, रॉ मैटीरियल भी लिख दिया, उसके आगे सेल टैक्स भी लिख दिया। एक माल का एक ट्रक,एक ड्राइवर का नाम और एक ही टाइम और उस पर दो दफा सेल टैक्स लिया जा रहा है,दो दफा मैटीरियल की कीमत ली जा रही है। उपाध्यक्ष महोदय, यह तो चीजें है कि कब तो नीलामी हुई,कब ऐग्रीमेंट हुआ और कब ये ठेके बैठे क्योंकि असल मे बेनामी का जाक सौदा है (विध्न)

श्री उपाध्यक्ष : बंसी लाल जी, आप बैठ जाएं। मुख्य मंत्री जी बोलेंगे।

मुख्य मंत्री(श्री ओम प्रका ा चौटाला) : उपाध्यक्ष महोदय, चौधरी बंसीलाल जी कह रहे हैं कि वहां पर कैम्प बैठा दियें हैं पुलिस लगा दी। आपके वक्त में तो जो नीलामी की थी तीन महीने प्रयास किये, ट्रैक्टर जलाये गयें पुलिस बैठाई गई तब जाकर आपने उनसे साजबाज सटपट करके उनको 54 लाख रूपए में दिया। हमने उस पर कंट्रोल किया और जो आप 54 लाख

रूपये में नीलाम किया करते थे अब वे खानें सात करोड़ की बिकी हैं और दनादन चल रही हैं। पहले जिन लोगों ने लिया था आपके भाई की भी चर्चा बतायी जायेगी लेकिन वे साल के 40 हजार रूपये दिया करते थे कि अब हमे उनके एक करोड़ 72 लाख रूपये मिल रहे हैं। अब यह बजट स्पीच चल रही हैं। यह रिप्लाई गवर्नर एड्रेस के रिप्लाई में दिया गया था आप तो उस समय भाग गये थे ये सरकारी आंकड़े हैं इनको कोई झुठला नहीं सकता। मैं आपको पढ़कर बता दूं आपके भाई का नाम तो इसमें नही हैं आप मुझे बतायें कि क्या चौधरी रघबीर सिंह सुपुत्र चौधरी मोहर सिंह आपका भाई नहीं है वही ई वर गुप्ता के जामन हैं वह उनका पार्टनर है। (ाोर)

चौ.बंसी लाल : उपाध्यक्ष महोदय, पार्टनर गड़बड़ी घोटाला या कोई घपला कभीं नहीं हुआ आप इस बारे में इंक्वायरी करवायें और जो दोशी हो उसको सजा दें।

श्री ओम प्रका ा चौटाला : उपाध्यक्ष महोदय, हम तो जो दस साल पहले घोटाले हुए हैं उनके बारे में भी इंक्वायरी करवायेंगे और उनसे वसूल भी करवायेंगे।

चौ.बंसी लाल : उपाध्यक्ष महोदय,जो हजारों रूपये के सेल टैक्स ले रहे हैं उनके खिलाफ भी एक ान लें और उनके खिलाफ केस दर्ज करायें और केन्द्र की सी.बी.आई. से इस मामले की इंक्वायरी करवायें।

श्री ओम प्रका ा चौटाला : उपाध्यक्ष महोदय, 12 दिसम्बर से 18 जनवरी के बीच में उनसे 80 लाख रूपये वहाॅ से वसूल किये हैं जबकि दस साल पहले रघवीर सिंह जी साल के 40 हजार रूपये दिया करते थे उसकी एवज में अब हम साल के एक करोड़ 72 लाख रूपये ले रहे हैं। पिछले दस साल का भी वसूल लूंगा, बड़ी पीड़ा होगी आपको (ाोर)

चौ.बंसी लाल : उपाध्यक्ष महोदय, यह इल्जाम गलत लगा रहे हैं। इकीकत यह है कि आज एक हजार रूपए प्रति ट्रक लिया जाता हैं।

श्री उपाध्यक्ष : चौधरी बंसी लाल जी आप मेरी बात सुलिये आपको इस बारे में भाायद मालूम नहीं हैं। इस बारे में गवर्नर एड्रेस पर बोलते हुए माननीय मुख्य मंत्री जी ने इस बात का रिप्लाई डिटेल में दे दिया हैं। मैं आपको याद दिला रहा हॅू आप उस समय हाउस में नहीं थे आपने यह इ यू गवर्नर एड्रेस पर भी उठाया था।

चौ.बंसी लाल : उपाध्यक्ष महोदय, 30 टन का ट्रेलर रॉ मैटीरियल का ये क्रे ार के रैम्प पर चढ़ाकर दिखा दें। 15 टन का ट्रक जिसकी रसीद 15 टन के ट्रक की काटते है उस ट्रक को रैम्प पर चढ़ाकर दिखा दें अगर रॉ मैटीरियल के पैसे ले रहे हैं। मैं तो यह कहता हॅू कि हरियाणा बना तब से अब तक के इन सारे केसों के बारे सी.बी.आई.की इंक्वायरी करवाई जाये।

श्री उपाध्यक्ष : बंसी लाल जी वाइंड अप कीजिये।

श्री ओम प्रका ा चौटाला : उपाध्यक्ष महोदय, मुझे इन पर बहुत तर्स भी आता हैं। अफसोस भी होता है। बुजुर्ग आदमी हैं।(विध्न) चौधरी साहब, आता तो नहीं रहेगा आवेगा तो तब जब चीपड़ी में हाथ लगेगा तब पता लगेगा कि खौसूड़े आ रहे हैं। चौधरी साहब जिसके आप चालीस हजार रूपये साल के दिया करते थे आपको पता होना चाहिये उसी पहाड़ की 24 रूपये प्रति टन रायल्अी सरकार देती हैं और क्रे ार वाला 12 रूपये टन के हिसाब से सेल्स टैक्स देता है और यह बीच में रॉ मैटीरियल का 20 प्रति ात सेल्ज टैक्स था आपके भाासन काल में एक नया पैसा वसूल नहीं हुआ वह पैसा कहॉ गया ? आप तो चले गये थे सदन छोड़कर के। सुनने की हिम्मत नहीं है भाग जाते हो लेकिन कितने दिन टलौंगे। हम तो मौका देखकर बता देंगे आपको। आपने तो समझा कि पैंडा छूट गया।

चौ.बंसी लाल : उपाध्यक्ष महोदय, जो मुख्य मंत्री जी कह रहे है उस बारे में मै इनहें बता दूं। मेरे ऊपर जो इल्जाम लगाया है वह बेबुनियाद हैं। मैंने न कभी पत्थर का काम किया न कोई धंधा किया। लेकिन आज यह बगैर ठेका हुए यानी 15 लाख रूपये रोज का जाता है यानी साढ़े चार करोड़ रूपये महीने के वे कहां जाते हैं ? इस साढ़े चार करोड़ रूपये महीने के बारे में केस रजिसटर करके सी.बी.आई.को दिया जाये। मैं कहता हूॅ जब

से स्टेट बनी तब से आज तक के केस ऐसे के ऐसे सी.बी.आई. को दे दो मुझे कोई एतराज नहीं है।

कैप्टन अजय सिंह यादव(रिवाड़ी) : उपाध्यक्ष महोदय,आपने मुझे बजट पर बोलने का समय दिया इसके लिए आपका धन्यवाद। आज मुझे इस बात का अफसोस हे कि बजाय रोजगार देने के जो कि सरकार की एक अहम् भूमिका होती है, 5400 पोस्टें अबोलि ा की जा रही हैं। सरकार आज के दिन पूर्ण रूप से कर्ज में डूब चुकी है। वर्श 1998–99 में टोटल डैबिट 29. 16 परसैंट था, 2000–2001 में यह बढ़कर 34.37 परसैंट,2001–2002 में 35.28 परसैंट और आज बढ़कर 37 परसैंट हो गया है। इस प्रकार से 1998–99 में लोन रिपेमैंट 11.14 परसैंट था जो बढ़कर 25 परसैंट हो गया है, इन्ट्रस्ट पेमैंट 1998–1999 में 11.14 परसैंट था जो बढ़कर 14 परसैंट हो गया हैं। उपाध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से यह कहना चाहूंगा कि जो सरकार तकरीबन 50 परसैंट सैलरीज पर और 39 परसैंट इन्ट्रस्ट में देगी तो आप सोच सकते हैं कि यह सरकार विकास के लिए कया कार्य कर सकती हैं। उपाध्यक्ष महोदय, जहां तक एक्सपैंडीचर की बात हैं तो आज जो सी.ए.जी. की रिपोर्ट पे ा हुई है इसमें बाकायदा लिखा हुआ है–

"he Government achieved a decrease in Revenue Deficit by curtailing budgeted expenditure of Rs. 273 crore of subsidy on rural electricification."यानी रूरल इलैक्ट्रिफिके ान

की सबसिडी को 273 करोड़ रूपए करटेल कर दिया गया उसके बाद रिवैन्यू में डैफिसिट द ार्शाया गया है। उपाध्यक्ष महोदय, एक बात मे साफ भाब्दों में और कहना चाहता हूॅ कि जहां यमुनानगर के चुनावों की ये बात करते हैं, यू.पी के चुलावों में इन्होंने क्या काम किया। इस बजट की किताब में लिखा है––"The capital expenditure increased significantly dur to unnecessary ptocurement of foodgrains for Central pool by nearly Rs. 600 Crore………" फिर ये फूड ग्रेन की बात करते हैं कि फूड ग्रेन हमने हरियाणा से प्रोक्योर की, मेरा सरकार से यह कहना है ि जिस प्रकार यू.पी. से फूड ग्रेन आई, हमारे किसान दर–दर भटकते रहे, तकरीबन 600 करोड़ रूपए सरकार ने प्रोक्योरमैंट के लिए खर्च किया। उपाध्यक्ष महोदय, जहां तक घपलों की बात है तो अम्बाला में एक्साइज डिपार्टमैंट में किस तरह से सैक्रेटरी कें साइन से स्टेट वाउचर से पैसा निकलता रहा, सरकारकी तरफ से वहां कार्यवाही भी हुई हैं। फिर ये आज घाटे की बात करते हैं। इनका जो नाइन्थ फाइच इयर प्लॉन का आउट–ले था वह 11600 करोड़ रूपए का था और यह इस वर्श में साफ होने वाला हैं। मंहगाई बढ़ने में बावजूद भी टैन्थ फाइव इयर प्लॉन में 11250 करोड़ रूपया रखा गया है जबकि नाइन्थ फाइव इयर प्लॉन में 11600 करोड़ रूपया रखा गया था और फिर ये कहते हैं कि इसमें हमने 40 पसैंट इन्क्रीज किया हैं। एक्चुयल एक्सपैंडीचर 8019.25 करोड़ रूपया रखा गया हैं। इस प्रकार वर्श 2001–2002 का एनुयल प्लॉन 1838.68 द ार्शाया गया था जबकि उसका आउट–ले

2150 करोड़ था। इस साल इन्होनें 1922 करोड़ रूपये रखा गया हैं। इसलिए उपाध्यक्ष महोदय, जो यह 4.5 परसैंट प्रोजैक ान दिखाया गया है यह गलत है, यह हाइपोथैटिकल है। प्राइस इंडैक्स पूर्ण रूप से बढ़े हैं और बजट मे डैफिसिट 202 करोड़ रूपए का दिखाया गया है। मैं कहना चाहता हूॅ कि ये कम से कम 400–500 करोड़ रूपये का डैफिसिट है और सरकार ने ऐसा कोई तरीका नहीं दिखाया कि किस तरह से इसको वसूल करेंगे।उपाध्यक्ष महोदय,इन्होंने एक काम और किया है,वोके ानल ट्रेनिंग जिसको ये इतना स्ट्रैस करते हैं उसमें 2001–2002 में 46. 10 करोड़ रूपये रयाा गया था, उसको घटाकर 45.21 कर दिया है। उपाध्यक्ष महोदय, आपका अैक्नीकल हैडिंड पर्सनज हैं वे कहां जाएगें। उपाध्यक्ष महोदय, 20001–2002 में इनरालमैंट ऑफस्टूडैंटस 23.91 लाख था, वर्श 2002–2003 में ये घटकर 20. 17 लाख हो गया है यानि पौने चार लाख स्अूडैंटस की कमी सरकारी स्कूलों में हो गई हैं। उपाध्यक्ष महोदय, अब मैं रिवैन्यू डिपार्टमैंट के बारे में कुछ कहना चाहूॅगा,यह मामला मैंने पहले भी उठकाया था कि को–आपरेटिव सोसायटीज के जो मैम्बर्ज हैं। वे यदि 50 हजार रूपए से अधिक लोन लेते हैं तो उन पर रैवेन्यू विभाग ने डेढ़ प्रति ात स्टैंप डयूटी लगा दी है, यह कोआपरेटिव एक्ट के खिलाफ है। इस बारे मैं मैं मुख्य मंत्री जी से कहना चाहूॅगा कि यह जो डेढ़ प्रति ात स्टै।पा डयूटी लगाई है यह गलत है, यह नहीं लेनी चाहिए और इससे किसानों के साथ ज्यादती होगी। उपाध्यक्ष महोदय, एग्रीकल्चर प्रोडैक ान

1999–2000 में 17.48 था जो घटकर इलैक्ट्रीकल कन्ज्यूमर्ज हैं चाहे इण्डिस्ट्रीयल हैं, चाहे ट्यूबवैल के हैं इनकी तादाद में भी कमी हुइ है। लिट्रेसी के मामले में ये कह रहे हैं कि हमारा प्रदे ा आगे है लेकिन इस बारे में मैं बताना चाहूॅगा कि लिट्रेसी में हमारे प्रदे ा का दे ा में 20वां नम्बर है। जहां तक रोजगार की बात है, पब्लिक सैक्टर में रोजगार भी कम हो रहा है। उपाध्यक्ष महोदय, सिंगल फाईल सिस्टम होने से कर्मचारियों की रिट्रैंचमैंट अधिक होगी। रिट्रैंचमैंट के बारे में मैं बताना चाहूॅगा कि इन्होनें द ार्या है कि 5400 कर्मचारी रिट्रैंच किए हैं लेकिन वास्तविकता यह है कि 20,000 से अधिक कर्मचारी रिट्रैंच हुये हैं। नगरपालिकाओं के अंदर,हरको फैड के अंदर, होस्पिटीलिटी के अंदर, हांसी स्पिनिंग मिल के अंदर टूरिज्म के अन्दर और हरियाणा मिनरल्ज के अंदर कर्मचारियों की बहुत अधिक रिट्रैंचमैंट हुई है। एम.आई.टी.सी. के अंदर 682, कॉनफैड के अंदर 623 कर्मचारियों को रिट्रैंच किया गया है। इसी तरह से डी.पी.आई. के अंदर भी 3200 टीचर्ज सरप्लस करने की बात चल रही है तथा इरीगे ान विभाग के अंदर भी लगभग 4000 पोस्टे अबोलि ा की गई हैं। उपाध्यक्ष महोदय, सिंगल फाईल सिस्टम करने से एक्साईज एण्ड टैक्से ान विभाग और सेक्रेटेरियट के अंदर बहुत ज्यादा रिट्रैंचमैंट होगी।

उपाध्यक्ष महोदय, जिन कर्मचारियों को इस सरकार ने निकाला था या सस्पैंड किया था उनको वापिस नही लिया। वे बेचारे दर–दर की ठोकरें खा रहे हैं। जहां तक ‘सरकार आपके

द्वार 'कार्यक्रम का सवाल है इस बारें में मैं कहना चाहूॅगा कि इस कार्यक्रम के तहत रिवाड़ी में एक पैसा नही दिया गयौ विधायक डवैल्पमैंट फंड के तहत एच.आर.डी.एफ.का जो पैसा पहले विधायक बांटते थे और बी.डी.ओ. बांटता था उसी पैसे से लोग 'सरकार आपके द्वार' कार्यक्रम के तहत बांट रहे हैं। उपाध्यक्ष महोदय, जहां तक इलैक्ट्रोनिक मीटरों का सवाल है इस बारे में मैं कहना चाहूॅगा कि इन मीटरों को गांव रामा के लोगों ने उखाड़ फेंक दिया है, अखबार में भी इस बारे में आया है, मैं कहना चाहूॅगा कि इन मीटरों को गांव रामा के लोगों ने उखाड़ फेंक दिया है, अखबार में भी इस बारें में आया है, यह अखबार मैं सदन में दिखा सकता हूॅ। उपाध्यक्ष महोदय, ट्यूबवैल्ज के बिजली के बिल हमारे यहां स्लैब प्रणाली के तहत दिए जाते है वहां भी स्लैब रेट 65 रूपये से बढ़ाकर 100 रूपये कर दिये हैं। उपाध्यक्ष महोदय, सरकार 435 करोड़ रूपये इलैक्ट्रोनिक मीटरौं पर खर्च करेगी। इस बारे में मैं यह कहना चाहता हूॅ कि जहां पर स्लैब प्रणाली के तहत बिजली के बिल ट्यूबवैलों के लिए जाते हैं वहां पर इलैक्ट्रोनिक मीटर क्यों लगाये जा रहे हैं। इसके विरोध में किसानों ने धरने दिये हैं, प्रद र्शन किए हैं। उपाध्यक्ष महोदय, इसके अतिरिक्त किसानों से जबरदस्ती बिजली के बिल वसूल किए जा रहे हैं। कण्डेला काण्ड इसका जीता–जागता उदाहरण है। 25 जनवरी,1997 को जींद में चौधरी देवी लाल जी के जन्म दिन पर चौटाला साहब ने किसानों को कहा था कि ये किसानों को मुफ्त बिजली,पानी देंगे और लोगों को कहा कि वे बिजली का बिल न भरें। जिसके

नतीजन पण्डियाली काण्ड हुआ। मण्डियाली में किसानों पर फायरिंग हुई और काफी किसान मारें गये। उपाध्यक्ष महोदय, अब मैं हाउस टैक्स के बारे में कहना चाहूँगा कि रिवाड़ी के अंदर पुलिस पहरा लगवाकर, लोगों को आक्र म्यूनिसिपल कमि नर को डराकर हाउस टैक्स का बिल पास करवाया। वहां पुलिस की छावनी बैठा दी तथा जिस समय ये यह आर्डिनैंस लेकर आये थे उसमें इन्होंने कहा था कि ये और टैक्स नहीं लगायेंगे लेकिन इन्होंनें 2500 रूपए प्रोफै ानल टैक्स रैस्टोरैंटस पर लगा दिया और 1000 रूपये आटा चक्की पर लगा दिया और हर प्रकार से टैक्स लग रहे हैं। ये कहते हैं कि हमारा यह बजट टैक्स फ्री बजट है। (विघ्न) डिप्टी स्पीकर साहब, अब मैं कानून व्यवस्था की बात कहना चाहता हूँ।

श्री उपाध्यक्ष : कैप्टन साहब, वाइंड अप प्लीज, आपको कहना चाहता हूँ।

कैप्टन अजय सिंह यादव : डिप्टी स्पीकर साहब, मेरे एरिया में जो साबन गांव है, दिल्ली राश्ट्रीय राजमार्ग पर वहां पर राव राम कुंवार सिंह का पेट्रोल पम्प दिन–दहाड़े लूट ले गये। वहां से 14 लाख रूपए लूट ले गए। उस वारदात के बारे में आज तक पता नहीं लगा कि कौन व्यक्ति थे और दिन दहाड़े न नाके बन्दी हो सकी और न कोई और बात हो सकी। इसी प्रकार से उपाध्यक्ष महोदय, कुछ हथियारबंद लोगें ने रिवाड़ी के अन्दर विजय नगर कालोनी में बाकायदा लूटपाट की, उनका भी आज

तक कुछ पता नहीं लगा कि वे कौन लोग थे। वे लोग मदन लाल की नकदी ले गए। गांव रोजूवास में पुलिस हिरासत के अन्दर एक नौजवान मारा गया, वह भी आपने अखबार में काफी पढ़ा होगा। इसी प्रकार से मेरे हल्के के अन्दर देवलावास गांव के 25 वर्शीय जिले सिंह पुत्र भुथर सिंह की मारूति कार ले गए और डहिना के पास उसकी ला ा मिली। इस बारे में भी आज तक कुछ पता नहीं लगा। (विध्न) जो नौजंवान लड़के थे वे बाकाया सचिन होटल में रहे थे लेकिन आज तक पता नहीं लगा कि वे कौन लोग थे जिन्होंने उसको मारा। इसी प्रकार से बल्लबगढ़ के अन्दर हमारी दो बहनों की इज्जत के ऊपर बाकायदा प्रहार किया गया। इस बारे में भी आज तक यह पता नहीं लगा कि किस प्रकार की यह बात हुई हैं। इसी प्रकार से करनाल के अन्दर माडल टाउन पोस्ट कालोनी में ....(विध्न)

श्री ओम प्रका ा चौटाला : कैप्टन साहब, आप तो सीजन्ड पोलिटि ायन हैं। आप तो बहुत पुराने रहे हैं। क्या इस बारे में बजट में कोई प्रावधान हैं। आपकी यह बात तो मान सकते हैं कि इलीट्रेसी है, जो पढ़े लिखे हैं, उनको कैसे समझायेंगे। आप तो थोड़ा–सा समझों। आप बजट पर बोलो,समय क्यों खराब कर रहे हों। (विध्न)

श्री उपाध्यक्ष : कैप्टन साहब, आप वाइंड अप करें। (विध्न)

कैप्टन अजय सिंह यादव : उपाध्यक्ष महोदय, इन्होंने भाुरूआत किस बात पर की थी .... (विघ्न)

श्री उपाध्यक्ष : कैप्टन साहब, आप वाइंड अप करें। (विघ्न)

कैप्टन अजय सिंह यादव : उपाध्यक्ष महोदय, मैं एक बात अपने होने वाले भाहीदों में कहना चाहता हूँ। हमारे यहां पर बहुत से ऐसे नौजवान हैं,जो भाहीद हुए हैं............. (विघ्न) जब चुनाव हुए थे तब आपने कारगिल के अन्दर मरने वाले नौजवानों के लिए सरकार द्वारा बाकायदा घोशणा की थी कि कारगिल के अन्दर भाहीद होने वाले नौजवान को 10 लाख रूपये देंगे। आज आपने उस राि ा को घटा कर 2.5 लाख कर दिया है। हमारी जो पैरामिल्ट्री फोर्स है, उनके भाहीद होने पर यानि उनको मिलने वाले पैसे बिल्कुल खत्म कर दिया। इस बारे में मैं मुख्य मंत्री जी को कहना चाहूँगा कि वे इस बारे में जरा ध्यान दे दें और युद्ध वीर कोश में भाहीद होने वालों जवानों के लिए पैसा रख लें।

श्री उपाध्यक्ष : कैप्टन साहब, आप समापन करें।

कैप्टन अजय सिंह यादव : उपाध्यक्ष महोदय, अब मैं एग्रीकल्चर के बारे में कुछ बातें कहना चाहूॅगा। हमारे एरिया में सरसों और बाजरे की मुख्य फसल होती है मैं बाजरे और सरसों की फसल की मिनिमम सपोर्ट प्राईस के बारे में कहना चाहता हूॅ कि किसानों को उनकी उपज का जो उचित मुल्य मिलना चाहिए

था वह नहीं मिल पाया। मण्डियों में किसानो की फसल खराब हो गई। मेरे कहने का भाव है कि यदि किसानो को सरसों और बाजरे की मिनिमम सपोर्ट प्राईस न मिले तो फिर किसान कहां जाएंगे। उनको उचित प्राईस न मिलने के कारण बड़ा नुकसान हुआ है। आज फर्टीलाईजर और सीड पर सबसिडी जिस प्रकार से करटेल की जा रही है वह भी ठीक नहीं है। आपको पता है कि कितना डी.ए.पी और यूरिया का रेट बढ़ा है। जो आऊट पुट है उसके हिसाब से जितनी किसानों को मिलनी चाहिए, वह नहीं मिल पा रही। ऐसा न होने पर किसानों का बहुत बड़ा नुकसान हो रहा है। जो एग्रीकल्चर प्रौडक्ट इम्पोर्ट कर रहे हैं, इस पर भी ध्यान देने की आव यकता है।

श्री उपाध्यक्ष : कैप्टन साहब, क्या इम्पोर्ट करने का अधिकार स्टेट गवर्नमैंट का है। प्लीज कन्वलयूड। (विघ्न) आप यहां पर वही बातें करें जो स्टेट से संबंधित हों। कैप्टन साहब, आपको बोलते हुए 15 मिनट हो गए है, आप जल्दी अपनी बात खत्म करें।

कैप्टन अजय सिंह यादव : उपाध्यक्ष महोदय, मैं एग्रीकल्चरल मार्किटिंग बोर्ड में एक बात कहना चाहता हूँ। बोर्ड द्वारा जो सड़कें बनाई जा रही हैं, मेरे हल्के में एक भी सड़क नहीं बन रही । हम पहले चौधरी बंसी लाल जी का प्रकोप सहते रहे। अब ये मुख्य मंत्री जी जो आये हैं, ये यहां पर बैठ कर कहा करते थे कि मैं आपके साथ सहानुभूति रखता हूँ। लेकिन मैं

आपके माध्यम से इनको कहना चाहता हॅू कि मेरे हल्के में एक किलोमीटी भी सड़क नहीं बनी। मेरे हल्के में एक सांपली से पिथनवास गांव है वह सड़क भी आज तक नही बनी। (विध्न)

श्री ओम प्रका ा चौटाला : आपके समय में कितने किलोमीटर सड़कें बनी थीं। (विध्न)

कैप्टन अजय सिंह यादव : हमारे समय में 50 लाख रूपये एम.एल.ए. को लोगों की भलाई करने और उनके विकास के कार्य करने के लिए मिला करते थे। (विध्न)

श्री ओम प्रका ा चौटाला : जब आप इधर बैठा करते थे तो कितनी सड़क बना करती थी। (विध्न)

कैप्टन अजय सिंह यादव : हमने तो खूब सड़कें बनायी हैं। (विध्न) रिकार्ड तो सरकार के पास है, मेरे पास है नहीं। (विध्न)

श्री ओम प्रका ा चौटाला : मैं तो आपकी कांस्टीच्युंसी के बारे में पूछना चाहता हॅू कि उस वक्त आपकी कितनी सड़कें बनी थी।

कैप्टन अजय सिंह यादव : रिकार्ड तो जिसकी सरकार होती है, उसके पास होता है। (विध्न)

श्री उपाध्यक्ष : कैप्टन साहब, आप अपनी बात जल्दी खत्म करें।

कैप्टन अजय सिंह यादव : डिप्टी स्पीकर साहब, हमारा जो पोस्ट ग्रेजुएट रिजनल सैन्टर था, वह बनना भाुरू हुआ था और उस पर चौधरी बंसी लाल जी जब मुख्य मंत्री थे तो उस वक्त उस पर 1 करोड़ रूपये भी खर्च हुए थे। उस वक्त उसकी चार दीवारी बन गई थी। इस वक्त दक्षिणी हरियाणा के अन्दर एक भी रिजनल सैन्टर नहीं है। (विध्न) आपने एक रिजनल सैन्टर गुड़गांव में खुलवा दिया है। (विध्न)

श्री उपाध्यक्ष : हमारे यहां पर यूनिवर्सिटी नहीं खुली है। हम यूनिवर्सिटी के लिए प्रयास कर रहे हैं। (विध्न)

कैप्टन अजय सिंह यादव : डिप्टी स्पीकर साहब, आप मेंरी बात सुनिये,100 एकड़ भूमि लोगों ने फ्री ऑफ कॉस्ट दी है और उस पर एक करोड़ रूपया लग चुका है, उसकी चारदीवारी बन गई हैं और सड़कें भी बन गई हैं। मुख्य मंत्री जी जब विपक्ष में हुआ करते थे तो कहा करते थे किवहां परमैं काम चालू कर दूंगा आज दो तीन साल हो गये हैं लेकिन लोग वहां पर अभी तक इसके चालू होने की बाट जोह रहे हैं। कम से कम वहां पर एक रीजनल सैंटर जरूर खोलें। उपाध्यक्ष महोदय,इसी प्रकार से बावल में एग्रीकल्चरल कॉलेज था उसको भी वहां से उठा कर ले गए। तो मेरे कहने का मीरपुर के अन्दर रीजनल सैंटर की आधार ि ाला रखी थी। हमारे क्षेत्र के नौजवान रोहतक और कुरूक्षेत्र में पढ़ने के लिए आते हैं अगर उनको आज यह सुविधा मिल जाए तो उसके लिए मैं मुख्य मंत्री जी का आभारी हूँगा तथा मुख्य मंत्री जी

से यह आश्वासन चाहूँगा कि उसे चालू रिवाएं। इस रीजनल सैंटर पर हमारी सरकार के समय एक करोड़ रूपया खर्च किया गया था उसको अभी तक अधूरा क्यों छोड़ा हुआ हैं। उपाध्यक्ष महोदय,जो झज्जर से रिवाड़ी की रोड है उस पर बाई पास बनाने की बात है। इतना भारी ट्रैफिक रोहतक से आता है आई.ओ.सी. की गाड़ियां वहां से निकलती हैं जिसकी वजह से बड़ी दिक्कत का सामना करना पड़ता है। वहां पर कण्टेनर पोर्ट बनने वाला है और फ्लाई ओवर बनने वाला है। उपाध्यक्ष महोदय, वहां पर बाईपास बनाने की बहुत जरूरत है क्योंकि वहां पर हर रोज एक्सीडैंट्स होते हैं। मुख्य मंत्री महोदय से मेरा यह कहना है कि वहां पर बाईपास तथा फ्लाई ओवर की बहुत जरूरत है।

श्री उपाध्यक्ष : कैप्टन साहब, इस बारें में चौधरी बंसी लाल जी ने कह दिया है, आप इसको किस लिए दोहरा रहे हैं। अब आप अपना स्गिन लें। आप इस बात को देखें कि और सदस्यों ने भी बोलना है यदि आप बोलते रहे तो आपके दूसरे मैम्बरों को बोलने का टाइम नहीं मिलेगा।

कैप्टन अजय सिंह यादव : उपाध्यक्ष महोदय, आपका धन्यवाद करते हुए मैं अपना स्गिन ग्रहण करता हूँ।

श्री धर्मवीर सिंह(तो ाम) : उपाध्यक्ष महोदय,आपका बहुत–बहुत धन्यवाद। 13 तारीख को वित मन्त्री जी ने इस साल का जो बजट रखा है मैं उसका विरोध करने कि लिए खड़ा हुआ

हूँ। (विघ्न) उपाध्यक्ष महोदय,बजट के पेज नम्बर 6 पर जो द ार्या गया है यह पैसा कहां से आता है कहां जाता है कुछ क्लीयर नहीं है यह कैंसर की तरह स्टेट के बजट को खा रहा है। इस बजट की जो प्लान है उससे ज्यादा पैसा तो आपने पहले ही खर्च कर लिया है। 4—5 साल अगर यही हालरहा तो प्रदे ा में एक भी पैसा विकास के नाम पर नहीं बचेगा इसलिए इस को राकने के कलए मैं तो केवल कुछ सुझाच देना चाहता हूँ। इसके लिए सबसे पहले करप् ान को रोकिए। अब तक करप् ान, टैक्सिज की चोरी और दूसरी करप् ान्ज बंद नहीं होती तब तक आपका काम नहीं चलेगा। उपाध्यक्ष महोदय, क्योंकि हरियाणा प्रदे ा एक कृशि प्रधान प्रदे ा है,यह किसानों का प्रदे ा है और किसानों को बिजली, पानी और फसल का भाव चाहिए। लेकिन वित मन्त्री महोदय ने तीनों महकमों में जिस प्रकार असीमित बजट देना है वह प्रदे ा के किसान केलिए अच्छी बात नहीं है। अगर हम नहरों की बात लें उपाध्यक्ष महोदय, 4 तारीख को गवर्नर महोदय ने जो हाउस को एड्रैस किया तो पहली लाइन यह कहीं कि कई साल से भाखड़ा में पानी कम है, यमुना में पानी कम है लेकिन बड़े दुःख की बात है कि इस बारें सरकारी आंकड़े बताते हैं कि गोबिन्द सागर खतरे के नि ाान पर है और यमुना में 90 हजार क्यूसिक पानी आया आज से 15 दिन पहले और दूसरी तरफ यह दिखाया जाता है कि पानी की कमी है। उपाध्यक्ष महोदय,आपके माध्यम से मैं सरकार से एक बात कहना चाहता हूँ कि मुख्य मंत्री जी बार—बार कहते हैं कि टेल से एस.वाई.एल का काम चालू नहीं

करवाना चाहिए था लेकिन हम इस बात के हक में नहीं हैं। जब तक पीछे का पो र्न पूरा नहीं होगा तो बाद में हमें उससे बहुत भारी खतरा है। उपाध्यक्ष महोदय, आज हरियाणा को बने हुए 35 साल हो गए हैं।

श्री उपाध्यक्ष : धर्मवीर जी, आप भी कैप्टन साहब की तरह सिर्फ बजट पर बोलें । मैं आपको यह बात बता रहां हूॅ कि कांग्रेस पार्टी का केवल 13 मिनट का समय बचा है। आप इस चीज का वि ोश ध्यान रखें। अगर 13 मिनट आप अकेले लेंगे तो दूसरे लोगों को टाइम नहीं मिलेगा इसलिए जैसे कैप्टन साहब ने बजट पर बात की है आप भी बजट पर ही बोलें।

श्री धर्मवीर सिंह : उपाध्यक्ष महोदय, एस.वाई.एल. के पूरा होने पर भी हमारे ऊपर खतरा मंडरा रहा है। हमारे दक्षिणी हरियाणा के जब तक लिफ्ट कैनाल सिस्टम है उनके पम्प्स को ठीक नहीं करवाया जाएगा तब तक वहां पर पानी नहीं आएगा और हो सकता है कि एस.वाई.एल. का पानी मिलने के बाद वह पानी दोबारा सिरसा, जींद,कैथल और नरवाना की तरफ न भेज दिया जाए, यह कहकर कि आपकी लिफ्टिंग कपैस्टी नहीं है। इसलिए मैं आपके माध्यम से मुख्य मंत्री जी से कहना चाहता हूॅ कि एक साल के अन्दर जितने भी हमारे लिफ्ट कैनाल सिस्टम हैं उनका सुधार किया जाए। (विध्न)

उपाध्यक्ष महोदय,अब मैं बिजली के बारे में कहना चाहता हूॅ कि आज बिजली की क्या हालत है यह किसी से छुपी नहीं हुई है। ज्यादा से ज्यादा 3000 मैगावाट बिजली ये प्रदे ा को देते हैं। उपाध्यक्ष महोदय, सबसे दुःख की बात है कि आ प्रदे ा के अन्दर बी.जे.पी. के कम्बीने ान की सरकार है, केन्द्र में भी बी.जे.पी.की सरकार है और हिमाचल में भी बी.जे.पी की सरकार है। आज हिमाचल प्रदे ा कीसरकार 18 हजार मैगावाट के संयंत्र लगाने जा रही है लेकिन वहां पर हमें एक प्रति ात का हिस्सा नहीं मिल रहा है। यह हमारे प्रदे ा की सरकार की कमजोरी है। उपाध्यक्ष महोदय, यह हमारा हक बनता है और इसके लिए प्रदे ा की सरकार को केन्द्र सरकार पर दबाव डालकर अपना हिस्स लेना चाहिए।

उपाध्यक्ष महोदय, आज यह सरकार हरियाणा में प्रदूशण ठीक रखने जा रही है। अगर प्रदूशण फेलेगा तो वह हरियाणा स्टेट के लिए ठीक नहीं होगा। उपाध्यक्ष महोदय, यहां पर बार–बार थर्मल प्लांट की बात कही जाती है तो मैं आपके माध्यम से सरकार को कहना चाहूॅगा कि जब तक आप हाईडल प्रोजैक्ट को बढ़ावा नहीं देंगे तब तक इस प्रदे ा का और दे ा का भला नहीं होनें वाला है।

उपाध्यक्ष महोदय, इसी के साथ मैं यहां पर टैक्स के बारे मे कहना चाहूॅगा। वित मंत्री जी का जवाब आया था कि इस साल 65 करोड़ रूपए रोड़ी, बजरी और रेत से टैक्स के मिलेंगे।

लेकिन उपाध्यक्ष महोदय, यमुनानगर से सोनीपत तक जो यमुना नहर जाती है उसमें खानक और वागनवाला, डिगाना में जाकर देखें, गुड़गांव और फरीदाबाद में जाकर देखें वह तो उपाध्यक्ष महोदय, आपके नजदीक पड़ता है वहां पर हर रोज एक प्रकार से खुली लूट होती है। हजार–हजार रूपए के हिसाब से वहां पर कुपन काटे जाते हैं। उपाध्यक्ष महोदय, 12 दिसम्बर से लेकर 18जरवरी तक का मुख्य मंत्री जी यहां पर रिकार्ड दिखाएं कि वहां पर कोई एग्रीमैंट हुआ है। वहां पर एक भी एग्रीमैंट नहीं हुआ है। सारा पैसा फर्जी पर्ची काटने वालों के हाथों में गया है। उपाध्यक्ष महोदय, पूरी स्टेट में हर रोज 10 हजार ट्रकों से वे पैसा लूटते हैं। अगर वही पैसा सरकारी खजाने में आया होता तो जो टैक्स है वह 5 गुणा बढ़ गया होता।

श्री ओम प्रका I चौटाला : उपाध्यक्ष महोदय, मेरे ख्याल से धर्मवीर सिंह ने मेरी बात पहले सुनी की नहीं। या सूनी भी तो अनसुनी कर रहा है। इनको मैं यह बता दूं कि मैंने यह क्लीयरकट कहा था कि 12 दिसम्बर को ज्यों ही हमें ि ाकायत मिली हमने इस पर कार्यवाही करके उनसे 20 या 40 लाख रूपये वसूल किए हैं और यह टोटल 80 लाख वसूल किए जाएंगे। उस समय मैंने यह भी कहा था कि पहले 10 सालों में भी जो चोरी करते रहे हैं। उनसे भी यह सरकार वसूली करेगी फिर आपको पीड़ा होगी।

श्री धर्मवीर सिंह : उपाध्यक्ष महोदय, मैं इनको आपके माध्यम से बताना चाहूँगा कि हमें पीड़ा कभीनहीं होती और न ही हम इस बात से डरते हैं। सच्चाई यह है कि 12 दिसम्बर से 18 जनवरी तक कोई भी एग्रीमैंट नहीं हुआ है। इस प्रकार से हर रोज 1 हजार 15 सौ ट्रक बिना टैक्स दिए वहां से गए है। जहां तक एग्रीमैंट का सवाल है आप सरकार से पता करवा लें या सरकार खुद पता करवा लें कि निगाना के अन्दर अब तक एग्रीमैंट का कोई नामोनि ाान नहीं है। उपाध्यक्ष महोदय, रिवासा ढाणी,माओ और दूलेहड़ी के ऊपर तीन नाके लगाए हुए थे। बाकेवाला मे जिस प्रकार से हजारों पुलिस कर्मचारियों ने कार्यवाही की है, वहां पर भय दिखाने के लिए प ाुओं को भी नहीं छोड़ा गया है ताकि वहां पर कोई आदमी आवाज न उठा सके। उपाध्यक्ष महोदय, मैं कोई लम्बी चौड़ी बात नहीं कहना चाहता हूँ, इस बारे में सी.बी.आई. से इन्क्वायरी करवा ली जाए और जिन–जिन लोगों ने वह पैसा लूटा है उनका पता करवांए, यही हमारी मांग है। उपाध्यक्ष महोदय, जिस आदमी के नाम पर यह पहाड़ है उसके बारे में जानते तो मुख्य मंत्री जी भी हैं। चौधरी बंसी लाल जी के बारे में मुख्य मंत्री जी कह रहे थे कि वे दारू बिकवाते हैं। उपाध्यक्ष महोदय, हमें यहां पर कहते हुए भार्म आती है कि जिनके ऊपर भाराब बेचने के अनेकों केस बने हुए थे वही आज इनके नेता बने बैठे हैं। इसके अलावा धानक में पब्लिक हैल्थ का एक सरकारी कर्मचारी ट्रक यूनियन के नाम से 300 रूपए प्रति ट्रक के वसूल करता है। हर रोज साढ़े चार लाख रूपए कमाता है लेकिन

उस पैसे का कोई रिकार्ड नहीं हैं। उपाध्यक्ष महोदय, हम तो आपके माध्यम से सरकार से प्रार्थना करते है कि सरकार के इस खजाने को बचाएं ताकि प्रदे ा का विकास हो सके।

श्री उपाध्यक्ष : धर्मवीर जी, आप वाइंड अप करें। (ाोर एवं व्यवधान) चौधरी भजन लाल जी खानक पर कितनी बार बोलगें। फिर बाद में मुझे मत कहना कि समय नहीं दयिा गया। (ाोर एवं व्यवधान) आप उनको वाइंड अप करने दो।

श्री धर्मवीर सिंह : उपाध्यक्ष महोदय, हमारे यहां पर ओलावृश्टि से बड़ा भारी नुकसान हुआ है। कम से कम 50 गांव खरकड़ी,उलेड़ी,रिवासा,वीर ढाणी,मिरान से लेकर के छपार, सलह आदि ऐसे गांव हैं जहां पर 100 प्रति ात नुकसान हुआ हैं। इसी के साथ उपाध्यक्ष महोदय, खासकर दक्षिणी हरियाणा में सदी ज्यादा होने की वजह से, जीरो डिग्री टैम्परेचर होने की वजह से सरसों की फसल खराब हो गई है। इस वजह से फसल का बड़ा भारी नुकसान हुआ है। हम मुख्य मंत्री महोदय से आपके द्वारा प्रार्थना करते हैं कि जिनकी फसल तबाह हुई है उनको मुआवजा देने जरूर कोि ा ा करें।

श्री ओम प्रका ा चौटाला : उपाध्यक्ष महोदय,इनको याद नहीं रहती है। मैं इनको बता दूं कि पिछले सै ान में इसी सीट पर बैठकर ये कह रहे थे कि हमारा इलाका सूखा रह गसा बोया नहीं गया और अब यह कह रहे हैं कि ओले पड़ गए।

(विध्न) उस वक्त इन्होनें कहा था कि सूखा पड़ गया और कहीं पर भी फसल बोयी नहीं गयी और अब ये कह रहे हैं कि ओलावृश्टि से नुकसान हो गया।

श्री धर्मवीर सिंह : सरकार द्वारा गिरदावरी की गयी है। ये पता करवा लें। वहां पर 80 परसैंट से ज्यादा नुकसान ओलावृश्टि से हुआ है।

श्री उपाध्यक्ष : धर्मवीर जी, आप भाायद उस समय हाउस में नहीं थे ओलावृश्टि की सारी डिटेल धीरपाल जी ने सदन को दी थी।

श्री धर्मवीर सिंह : उपाध्यक्ष महोदय, इसी तरह से मैं कानून एवं व्यवस्था के बारे में कहना चाहता हूॅ।

श्री उपाध्यक्ष : कानून व्यवस्था के बारे में नहीं बल्कि आप बजट पर अपनी बात रखें।

चौधरी भजन लाल : उपाध्यक्ष महोदय, कानून एवं व्यवस्था का मामला भी बजट में ही आता है।

श्री ओम प्रका ा चौटाला : उपाध्यक्ष महोदय, अब इनको बजट के बारे में बोलना चाहिए।

श्री धर्मवीर सिंह : उपाध्यक्ष महोदय, मैं कोई लम्बी चौड़ी बात नहीं कहना चाहता। चौधरी बंसी लाल जी ने जब सरकार से सिक्योंरिटी मांगी थी उस वक्त इन्होंने कहा था कि

इस आदमी पर 70 रूपये की गोली कौन खराब करेगा। उपाध्यक्ष महोदय, भारीर तो सबका एक जैसा ही होंता है। मुख्य मंत्री जी के परिवार पर सिक्योरिटी पर हर साल सात करोड़ रूपये से भी ज्यादा का खर्चा होता है। जब इनके परिवार का कोई सदस्य कहीं जाता है तो पुलिस की लाईन लग जाती हैं इसलिए अगर बंसीलाल जी ने सरकार से सिक्योरिटी मांग ली तो इसमें ऐसी कोई बात नहीं थी, सरकार को उन्हे सिक्योरिटी देनी चाहिए थी। धन्यवाद।

श्री उपाध्यक्ष : अच्छी बात है कि आज आप भी बंसीलाल जी के बारे में ध्यान रख रहे हैं। अब श्री अनिल विज बोलेगें ।

श्री अनिल विज(अम्बाला कैंट) : डिप्टी स्पीकर सर, आपका समय देने के लिए धन्यवाद। डिप्टी स्पीकर सर, जो हमारे वितमंत्री जी ने इस सदन में एक बहुत ही संतुलित बजट प्रस्तुत किया है मैं उस पर चर्चा करने के लिए खड़ा हुआ हॅू। डिप्टी स्पीकर सर, प्रजातंत्र मौजूदा प्र ाासनिक व्यवस्था का एक बहुत ही बेहतरीन तोहफा है। इस प्रजातंत्र में तीन चीजें बहुत महत्वपूर्ण हैं, बहुत आव यक है। से तीन चीजें हैं——नेता,नीति और नीयत। इन तीनो ही चीजो का होना बहुत आव यक है। अगर इन तीनों चीजरें में से एक भी कम्पोनैंट मिसिंग हो गया तो काम खराब हो जाता है। मान लो नेता हैं नीतियां नहीं हैं तो उसका नतीजा नहीं निकल सकता, अगर नेता है,नीतियां भी हैं और अगर नीयत नहीं

है तो भी प्रजातंत्र में लाभ नहीं मिल सकता और अगर नेता नहीं है नीतियां हैं एवं उनको लागू करने वाला कोई नहीं है तो भी नतीजा नहीं निकल सकता । उपाध्यक्ष महोदय, मुझे फख्र है कि आज प्रदे ा की बागडोर एक ऐसे व्यक्ति के हाथों में है जो हमें नेता भी उपलब्ध करवा रहा है, उसकी नीतियां भी हैं और जो वित मंत्री महोदय ने अपना बजट प्रस्तुत किया है उससे उनकी नीयत भी साफ झलक रही है। उनकी नीयत ठीक लग रही है। जो सम्पत सिंह जी ने बजट प्रस्तुत किया है उसमें उन्होनें 1922 करोड़ रूपये की योजना हमारे सामने प्रस्तुत की है। उपाध्यक्ष महोदय, आज हम जिस वितीय दौर से गुजर रहे हैं और जो प्रावधान आज की व्यवस्था में केन्द्रीय सरकार एवं प्लानिंग कमी ान के द्वारा किए जा रहे हैं वह भी देखने की बात है। आज इस बात पर अधिक ध्यान दिया जा रहा हैकि हम अपने रिसोसिंज को अधिक से अधिक इंफ्रास्ट्रक्चर फेसेलिटीज को प्रोवाइड करने के लिए लगाएं। एक समय था कि जब हम अपने सारे संसाधन लोगों को सबसिडियां बांटने में लगा देते थे जिसकी वजह बदले हैं इसलिए अधिक से अधिक तवज्जोह, अधिक से अधिक ध्यानआज इफ्रास्ट्रक्चर फेसेलिटीज देने की तरफ दिया जा रहा है। मुझे यह बताते हुए हर्श हो रहा है कि हमारे वित मंत्री जी ने जो बजट प्रस्तुत किया है उसमें उन्होंने इंफ्रास्ट्रक्चर पर 42 परसैंट खर्च करने की बात कही है। यह बहुत ही सराहनीय है। इन्फ्रास्ट्रक्चर अगर मजबूत होगा तो दे ा की इकोनोमी मजबूत होगी, अगर इन्फ्रास्ट्रक्चर मजबूत होगा तो ही प्रदे ा की तरक्की होगी और

प्रदे ा का दे ा में एक नम्बर का राज्य बनने का समना साकार हो सकेगा। 42 परसैंट यानी 1900 करोड़ में से 800 करोड़ रूपया खाली इन्फ्रास्ट्रक्चर फेसिलिटी प्रोवाइड करने के लिए होगा। पावर पर 165 करोड़ रूपया, रोड्स पर 285 करोड़ रूपया और इरीगे ान पर 300 करोड़ रूपया रखा गया है जो कि बहुत ही सराहनीय काम है।

श्री मांगे राम गुप्ता : पिछले साल कितना था। (विध्न)

श्री अनिल विज : पिछले साल का भी बता देता हूँ। पिछले साल रिवाइज्ड ऐस्टीमेट रोड्स कें लिए 190 करोड़ का था इस बार 285 करोड़ का प्रावधान रखा है। (विध्न)

श्री उपाध्यक्ष : विज साहब, आप उनसे बात न करें। मांगे राम जी 63 मिनट बोल चुके है और ये सब सुनते हैं, सुनकर अनसुना करते हैं।

श्री अनिल विज : उपाध्यक्ष महोदय, सो ाल सर्विसेज पर बजट का 37 परसैंट का प्रावधान रखा गया हैं और हम जो नीति बनाते हैं। दो चीजें होती हैं Work your plan and the second is plan your work. These two things are very important और जो नीतियां हैं जैसा मैंने कहा, हमारे पास नीति भी है, नेता भी है और नीयत भी हैं। अभी जो यमुनानगर का इलैक ान हुआ, उसने यह सिद्ध कर दिया कि हमारे पास तीनों चीजें हैं। यमुनानगर में जो पार्टी की जीत हुई उसमें लोगों ने,हरियाणा की

जनता ने इन तीनों पर अपनी स्वीकृति की मोहर लगाई। (विध्न) मांगे राम जी, आपकी पार्टी थर्ड आई हैं। आज कल रेलगाड़ी में भी थर्ड क्लास का डिब्बा नहीं लगाया जाता (ाोर एवं व्यवधान) थर्ड की आजकल कोई जगह नहीं है (ाोर एवं व्यवधान)

श्री उपाध्यक्ष : जो माननीय विधायक बोल चुके हैं वे कृपया बैठ जाएं। कैप्टन साहब, आप बैठ जाएं, दूसरों को बोलने दें। विज साहब, आप कंटीन्यू करें। (ाोर एवं व्यवधान)

एक आवाज : बी.जे.पी. के बारे में बता दें।

श्री अनिल विज : बी.जे.पी. मेरी पुरानी पार्टी रही है इसलिए मैं उनके बारे में कुछ अधिक नहीं कहना चाहता हॅू। मैनें इस पार्टी में 20—25 साल काम किया है। कल मेरी पुरानी पाटी के नेता बहुत बौखलाहट में बातें कर रहे थें, बहुत कुछ कह रहे थे। वे यमुनानगर में आउट क्लास हो गए, कारण क्या हैं ? कारण ये है कि एक अच्छी पार्टी गलत मैनेजर के हाथ में है लेकिन जो हमारे मित्र की बौखलाहट है, उससे ऐसा लगता है कि वे बेचारे इस दुविधा में है कि मैं उधर का हॅू या इधर का हॅू बड़ी मुि कल में हॅू कि मैं किधर का हॅू। (ाोर एवं व्यवधान) इनकी दुविधा लोगों पर क्या असर कर रही है वह भी कहना जरूरी है। यह ठीक है कि इस हाउस की परम्परा बन गई है कि जब कोई चीज प्रस्तुत की जाएगी तो एक उसके पक्ष में बोलेगा और दूसरा उसके विपक्ष में बोलेगा। अगर मैं सच कहॅू तो आज हिन्दूस्तान में कोई

भी राजनीतिक पार्टी नहीं है ये जितने अलग–अलग नाम हैं ये बिल्कुल गलत हैं। खाली दो पार्टियां हैं हिन्दुस्तान में, एक सता पक्ष और एक विपक्ष। इनमें जब वे इधर बैठती हैं तो उधर की बात करती हैं और उधर बैठती हैं तो इधर की बात करती हैं। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री उपाध्यक्ष : अनिल विज जी आपको 6 मिनट और दिए जाते हैं आप अपनी बात को कंवल्यूड करें। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री अनिल विज : उपाध्यक्ष महोदय, हम यहां बैठकर काम ठीक कर रहे हैं या गलत कर रहे हैं इसका सर्टिफिकेट न इधर से दिया जाता और न उधर से, इसका सर्टिफिकेट तो जनता देती है जनता की अदालत देती है। जनता का जो नतीजा होता है उसकी हमें मानना चाहियें और उसकी चर्चा यहां पर की जा सकती है। चाहे वह बजट की स्पीच हो चाहे गवर्नर एड्रेस की स्पीच हो। (ाोर एवं व्यवधान) पिछली परफोमैंस ठीक थी। आगे के लिए हालांकि आजकल आथिंक मंदी का दौर है उसका अगर हम अवलोकन करें तो यह बहुत ही चिंन्ताजनक है।

श्री उपाध्यक्ष : विज साहब कंक्लयूड कीजिये।

श्री अनिल विज : उपाध्यक्ष महोदय, मेरे साथ आप अन्याय मत कीजियें।

श्री उपाध्यक्ष : आप मेरे से अन्याय की उम्मीद रखते हैं आप जल्दी कंक्लयूड कीजिए। (ोर एवं व्यवधान)

श्री अनिल विज : उपाध्यक्ष महोदय, मैं प्रार्थना करूँगां कि जिस तरह कल कांग्रेस पार्टी ने बी.जे.पी. पार्टी को टाइम दिया था हम और आप तो एक ही हैं आप अपनी डिस्क्री ान से अपना समय मुझे दें।

श्री उपाध्यक्ष : विज साहब कंक्लयूड कीजिये। आपको मैने अपना 6 मिनट का समय दे दिया है।

श्री अनिल विज : उपाध्यक्ष महोदय, किन परिस्थितियों में माननीय सम्पत सिंह जी ने बजट प्रस्तुत किया है अगर हम प्रदे ा की सी.ए.जी. की स्अेटमैंट देखें तो पता लगेगा कि What are athe assets and liabilities of our State, अगर उसको देखें तो कैसी भयावह स्थिति काफी लगातार बनती जा रही है। सी.ए. जी. ने जो 31–3–2001 को अपनी रिपोर्ट दी है उसके हिसाब से हमारी लायब्लिटीज 14263 करोड़ रूपये थी और हमारी असैट्स 10495 करोड़ रूपये की थी यानि 3768करोड़ रूपये की जो हमारी असैट्स थी वे लायब्लिटीज से कम थी। यह हमारी पिछले साल की वितीय स्थिति थी। इसी प्रकार से 2002–2003 में मैं समझता हूँ कि ऐसी परिस्थिति में इससे बेंहतर बजट प्रस्तुत करने की कल्पना की नहीं जा सकती। इन्होंने किस प्रकार से अपने संसाधनों का बंटवारा किया है। मैने बताया कि इंफ्रास्ट्रक्चर के

लिए 42 प्रति ात का प्रावधान रखा गया है। इसी प्रकार से सो ाल सर्विसिज के लिए 37 प्रति ात का और इसी प्रकार से ओल्ड ऐज पैं ान और विडो पैं ान जोकि आज के समाज की आव यकता है उसके लिए 305 करोड़ रूपये का प्रावधान किया गया है। इसी प्रकार से वूमैन एण्ड चाइल्ड डिवैल्पमैंट के लिए 12. 12 करोड़ यपये का प्रावधान रखा गया है। टैक्नीकल और वोके ानल एजूके ान के लिए 146 करोड़ रूपये का प्रावधान रखा गया है, हैल्थ सर्विसिज के लिए 47 करोड़ रूपये का प्रावधान रखा गया है, पब्लिक हैल्थ के लिए 77 करोड़ रूपये का प्रावधान रखा गया है, हाउसिंग के लिए 54 करोड़ रूपये का प्रावधान रखा गया है, एस.सी.एस.टी के लिए 21 करोड़ रूपये का प्रावधान रखा गया है। इसी प्रकार से 37 प्रति ात का जो पैसा है वह सो ाल सैक्टर के लिए रखा गया है। सो ाल सैक्टर के लिए जो पैसा रखा गया है उसके एक हैड के बारे में मैं माननीय सम्पत सिंह जी से जरूर कहना चाहूँगा कि स्पोट्‌र्स के लिए जो पैसा रखा गया है उसको अधिक बढ़ाया जाएं क्योंकि मैं ऐसा मानता हूँ और मेरी ऐसी सोच है कि पिछले बजट में जो रिवाइज्ड एस्टिमेट्‌स थे उस में 11.91 लाख रूपये रखा गया था जो इस साल 3.40 लाख रूपये रखा गया है जो कि कम है। उपाध्यक्ष महोदय, मुझे माफ करें क्योंकि मैं अभी थोड़ा समय और लूंगा क्योंकि मैं गवर्नर एड्रैस पर भी नहीं बोला।

श्री उपाध्यक्ष : आप स्पोट्र्स पर बोलने चाहते हैं इसलिए मैं आपको एक मिनट का समय स्पोट्र्स पर बोलने के लिए देता हूँ।

श्री अनिल विज : उपाध्यक्ष महोदय, सरकार ने स्पोट्स की, आई.टी. की और एजुके ान की एक नीति बनाई है, इंडस्ट्रियल नीति बनाई है, राइट ऑफ वे की नीति बनाई है, इन सब नीतियों में से मैं सबसे अधिक स्पोट्र्स नीति को महत्व देता हूँ और वह इसलिए क्योंकि मैं स्पाकट्र्स को रिफोर्मस्ट मानता हूँ। यदि आप समाज को रिफोर्म करना चाहते हैं और समाज में परिवर्तन लाना चाहते हैं, नौजवानों की भाक्ति सकारात्मक कार्यों की और लगाना चाहते हैं तो आपको नौजवानों के हाथों में कोई न कोई खेल की चीज पकड़ानी पड़ेगी। आज अगर सारे संसार में सर्वेक्षण रें और पदक तालिका पर नजर डालें तो आज देखेंगे कि जिन–जिन दे ाों में ओलम्पिक के पदक ज्यादा आए हैं उनमें कहीं उग्रवाद नहीं है, कहीं गुंडागर्दी नहीं है। युवकों में अत्याधिक भाक्ति होती है और उस भाक्ति को कहीं न कहीं तो लगना होता है। अगर उसके हाथ में बैट या हाकी नहीं पकड़ाएंगे तो वह डिस्को क्लब में जा सकता है या उसके हाथ गन भी उठा सकते हैं । हमारे प्रदे ा में काफी लम्बे समय तक खेलों के प्रति खामो ाी रहने के बाद इस सरकार के आते ही नई बनाई गई है। खेलों को प्रोत्साहन दिया जा रहा है। उपाध्यक्ष महोदय, आज आलोचना तो सभी करते हैं, कहीं दुकान पर कहीं दफ्तर में और

कहीं बाजार में कि 100 करोड़ की आबादी वाला दे ा है और पदक तालिका में नाम नहीं है। खेलों के लिए हम क्या कर रहे हैं, हम कितना बजट खेलों के लिए मुहैया करा रहे है।

श्री उपाध्यक्ष : अनिल विज जी आप जल्दी वाइंड अप करें।

श्री अनिल विज : उपाध्यक्ष महोदय, अगर हम खेलों को प्रोत्साहन दें तो उसके नतीजे अच्छे निकल सकते हैं और ऐसा हुआ भी है। इसका मैं एक उदाहरण देना चाहूॅगा कि इस सरकार के आते ही मुख्य मंत्री महोदय ने घोशणा की है कि ओलम्पिक में जो स्वर्ण पदक लाएगा उसे 1 करोड़ रूपये और रजत पदक लाने वाले को 50 लाख रूपये और ब्रोंज पदक लाने वाले को 25 लाख रूपये इनाम दिया जाएगा और इस घोशणा का असर भी हुआ है कि पीछे जो ओलम्पिक हुए उसमें पदक तालिका में कर्णम मल्लेश्वरी पदक हासिल करने में कामयाब हुई। उपाध्यक्ष महोदय,आज इस सदन में आपके सामने मैं यह दावा करता हूॅ कि अगर हरियाणा प्रदे ा का अनुसरण करते हुये बाकी सारे प्रदे ा भी इस प्रकार की नीतियों पर अमल करें और इसी प्रकार खेलों को बढ़ावा दें तो अगले जो भी ओलम्पिक होगें उसमें पदक तालिका में हिन्दुस्तान के खिलाड़ियों के नामों की संख्या सबसे अधिक होगी।

श्री उपाध्यक्ष : अनिल विज जी,आप दो मिनट में कंकल्यूड करें। (ोर एवं व्यवधान)

श्री अनिल विज : उपाध्यक्ष महोदय, मेरी बात दो मिनट में खत्म नहीं होगी, अभी मैनें अपने हल्के की एक भी बात नहीं की। उपाध्यक्ष महोदय, इसी तरह से और भी अच्छी बात का जिक्र करना चाहूॅगा। मेरे साथी अ ोक अरोड़ा जी यहां बैठे हैं उनके दिमाग में यह बात कहां से आई, वे बाहर गये थे वहां से पता करके आये या मुख्य मंत्री जी ने उन्हें बताया कि हाईवे पैट्रोलिंग बनाया जाये। उपाध्यक्ष महोदय, हाई–वे पेट्रोलिंग की व्यवस्था हर 30 कि.मी. पर करके बहुत ही बेहतरीन काम किया गया है। वहां पर एम्बुलैंस का प्रावधान किया गया है, वहां पर चीज का प्रावधान किया गया है, पुलिस का भी इंतजाम किया गया है। इसके अतिरिक्त मैं एक बात और कहना चाहूॅगा कि हर भाहर में एक ऐसा पार्क बनाया जाये जहां स्कूली बच्चों को यातायात नियमों की जानकारी दी जा सकें। यदि ऐसे पार्क बनाये जायेंगे तो यह इस दि ाा में एक और बड़ा कदम होंगा। उपाध्यक्ष महोदय, इसके अतिरिक्त जिन नै ानल हाईवेज पर मुख्य क्रोसिंग हैं वहां पर ट्रैफिक लाईट्स का प्रावधान होना चाहिए। कुछ सीानों पर तो है लेकिन दूसरी जगह जहां भी मुख्य क्रोसिंग हैं वहां भी ट्रैफिक लाईट्स होनी चाहिए।उपाध्यक्ष महोदय, यदि मैं नगर पालिकाओं के बारे में चर्चा नहीं करूंगा तो I think I will be failing in my duty. You will kindly give me few minuters more.

श्री उपाध्यक्ष : अनिल विज जी, नगर पालिकाओं के बारे में पहले भी काफी चर्चा हो चुकी है। इनके बारे में आपका कालिंग अटें ान मो ान भी आ चुका है। प्लीज आप वाइंड अप करें। (विध्न)

श्री अनिल विज : उपाध्यक्ष महोदय, माननीय मंत्री महोदय ने आम जनता की भावनाओं की कद्र करते हुए हाउस टैक्स रिड्यूस किया है। उसकी जितनी सराहना ही जाये वह कम है। (विध्न) पहले आम जनता पर बहुत टैक्स था। वे लोग रोते रहे लेकिन उस तरफ किसी भी सरकार ने ध्यान नही दिया। मैं इस सरकार को मुबारकबाद देता हूॅ और यह कहना चाहता हूॅं कि मुख्य मंत्री महोदय ने उस कहावत को सिद्ध किया है कि लोक राज लोक लाज से चलता है और मुख्य मंत्री जी ने इसी कदम को आगे बढ़ाया है। **(इस समय श्री अध्यक्ष पदासीन हुए।)** 30 करोड़ रूपये सलाना कम किया है (ाोर एवं व्यवधान) जो कि बहुत अच्छी बात है। उपाध्यक्ष महोदय, इसी तरह से डेरियों की ि ाफ्ट करने की योजना बनाई जा रही है। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : साईलैंस प्लीज। गुप्ता जी प्लीज भाांति बनाये रखें। प्लीज बैठे–बैठे न बोलें।

कैप्टन अजय सिंह यादव : उपाध्यक्ष महोदय, विज साहब को हाउस टैक्स के बारे में क्या मालूम।

प्रो. सम्पत सिंह : उपाध्यक्ष महोदय, मैं कैप्टन साहब को बताना चाहूँगा कि अम्बाला कैंट हरियाणा की सबसे इंटैनीजैंट कांस्टीच्यूंसी है और विज साहब उसकी नुमाइंदगी कर रहे हैं। (विध्न) अध्यक्ष महोदय, विज साहब दो बार वहां से कांग्रेस और बी.जे.पी. के कैडीडेटस को हराकर आये हैं। (विध्न)

श्री अध्यक्ष : विज साहब आप वाइंड अप करें।

श्री अनिल विज : अध्यक्ष महोदय, उपाध्यक्ष महोदय, ने मुझ पर बड़ी कृपा रखी। आप भी थोड़ी सी कृपा करके मुझे थोड़ा समय बोलने के लिए और दें। इसके अतिरिक्त मैं यह कह रहा था कि वित मंत्री जी ने बजट में 25 करोड़ रूपये का प्रावधान नगरपालिकाओं को ग्रांट देने के लिए रखा है जो अच्छी बात है। लेकिन साथ–साथ मैं यह भी कहना चाहूंगा कि नगरपालिकाओं की तरफ जो आउटस्टैंडिंग अमाउंट है, जो रिकवरीज हैं वे बहुत ज्यादा लगभग 258 करोड़ रूपये की रिकवरी हैं कृपया इस ओर लोकल बॉडीज मिनिस्टर ध्यान दें। सरकार अपने संसाधनों से नगरपालिकाओं को 25 करोड़ रूपये दे रही है लेकिन इसके साथ–साथ हमें नगरपालिका पर भी अपना िकंजा कसना चाहिए। यह जो मैंने बताया है 258 करोड़ रूपया इसमें से 22 करोड़ रूपया तो पिछले पांच साल से भी ज्यादा पुराना है। इसकी रिकवरी करने की तरफ नगरपालिका ध्यान दें तो ही हमारा सुधार हो सकता है। एक और महत्वपूर्ण मुद्दा मैं आपके द्वारा सदन के ध्यान में लाना चाहता हूँ कि जो अन–अथोराज्ड कालोनीज बन

गई हैं उनकी तरफ भी सरकार ध्यान दे। इसके लिए मैने एक क्वै चन भी दिया था। इस सम्बन्ध में मैं अपने भाहर का ही जिक्र करता हूॅ। हमारी म्यूनिसिपल कमेटी के एरिया में ही 40–45 ऐसी कालोनीज हैं जिनमें लोग अपने नक ों पास करवा कर मकान बनवाते हैं। उन लोंगों ने 60 रूपया डिवैल्पमैंट टैक्स नक ाा पास करवाने पर दिया है। जब वे लोग बिजली का कनैक ान लेते हैं तो 25 रूपये उनसे और लिए जाते हैं, जो ठीक नहीं हैं। जो कालोनीज नगरपालिकाओं के अन्दर आ गई हैं और जिन्होंने डिवैल्पमैंटल चार्जिज दे दिये हैं, जिनको हमने डिवैल्प कर दिया है, हमने मकान बना दिये हैं उनसे इस तरह के पैसे अलग से न लिये जायें। यह तो ठीक है कि आगे से एक भी कालोनी मत बनने दें। यदि कोई बनाता हैं तो उसके खिलाफ सख्त से सख्त कार्यवाही करें लेकिन जो बन चुकी हैं उनके बारे में कोई न कोई नीति जरूर बनायी जानी चाहिए। लोगों के खून पसीने की कमाई है, जरा उसकी तरफ भी ध्यान देना चाहिए। अध्यक्ष महोदय, जो एम.पीज. को लोकल एरिया डिवैल्पमैंट फण्ड दिया जाता है, उस बारे में भी कुछ कहना चाहता है। यह ठीक है कि उनको पैसा दिया जाता है लेकिन एम.पीज. को भाहरों की जरूरत का पता नहीं होता। (विध्न)

चौ. भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, इनको बोलते हुए काफी देर हो गई है।

श्री अध्यक्ष : चौधरी भजन लाल जी, आप इनको बोलने दें। (विघ्न)

श्री अनिल विज : चौधरी साहब,आप मेरी बात ध्यान से सुनें। (विघ्न)

श्री अध्यक्ष : चौधरी भजन लाल जी, आप मेरी बात ध्यान से सुनिये। मैं सोमवार से पान का प्रबन्ध करवांऊगा। जो ज्यादा बोलता है उनको पान खिला देंगे फिर वे बोलेंगे नहीं। (हंसी) चौधरी भजन लाल जी को पान दिलवा दूंगा,फिर ये बैठे–बैठे नहीं बोलेंगे। (विघ्न)

श्री मांगे राम गुप्ता : अध्यक्ष महोदय, इनको बोलते हुए काफी देर हो गई है। (विघ्न)

श्री अध्यक्ष : गुप्ता जी, जब आप बोल रहे थे, तब कोई नहीं बोल रहा था। (विघ्न)

श्री मांगे राम गुप्ता : आधा समय मैं बोला हूॅ और आधा समय मेरे बीच में सतापक्ष के सदस्य बोले हैं। (विघ्न)

श्री अध्यक्ष : विज साहब, आप अपनी बात पूरी करें।

श्री अनिल विज : अध्यक्ष महोदय, अब मैं एक बहुत ही गम्भीर बात कहना चाहता हूॅ। मैं सदन से हट कर बात करना चाहता हूॅ, मैं पार्टी पोलिटिक्स से हट कर बात करना चाहता हूॅ। मैं यह कहना चाहता हूॅ कि हमारे सदन के सभी सदस्य चाहे वे

किसी भी पार्टी से हों .... (विध्न) मैं भजन लाल जी से , चौधरी बंसी लाल जी से और हाउस के नेता से यानि सबसे कहना चहाता हूॅ कि जो बात मैं कहने जा रहा हूॅ उस पर चर्चा हाउस में करने में कोई दिक्कत हो तो, हाउस की परम्परा टूटती हो तो हम सब हाउस से बाहर बैठ जाएं लेकिन मेरे द्वारा कहीं जाने वाली बात पर चर्चा अव य करें। इस चर्चा के लिए चाहे विपक्ष के नेता सभी सदस्यों को बुला लें, चाहे मुख्य मंत्री जी सभी सदस्यों को बुला लें अगर कोई नहीं बुलाता तो मैं बुला लूंगा। लेकिन कुछ बातें है जिन पर विचार जरूर करें। आज मैं इस राज की बात नहीं कर रहा। (विध्न) मैं तीसरी बार सदन में आया हूॅ। मैनें तीनों अलग–अलग राज देखें है। इस सारी प्र ासनिक व्यवस्था में एम. एल.एज. की क्या दयनीय स्थिति है, मैं उस पर बात कहना चाहता हूॅ। एम.एल.एज.का जो दिन प्रति दिन इमेज गिर रहा है, मैं उसकी बात करना चाहता हूॅ। मैं यह कहना चाहता हूॅ कि इस बात पर बैठ कर हम सभी सोचें और विचार करें। कहने को हमें चीफ सैक्रेटरी का दर्जा दिया जाता है। लेकिन असल में एक क्लर्क भी एम.एल.ए की चिट्ठी का उतर नहीं देता। (विध्न)

श्री अध्यक्ष : अनिल जी अब आप वाइंड अप करें।

श्री अनिल विज : अध्यक्ष महोदय, मैं इस राज की या उस राज की बात नहीं कर रहा। मैंने पहले भी कहा है कि अगर सदन में चर्चा करने में कोई दिक्कत हो तो अम्बाला छावनी में बात कर लेगे। वहां पर सभी सदस्य आ जाएं। सारे विधायक व

पूर्व विधायक आ जाएं, और जो मैं कह रहा हूॅ उस पर चर्चा करें। मैं एल.एल.ए को अधिक भाक्ति देने की बात रि रहा हूॅ, उस पर चर्चा करें। जनता हमें सता सौंपती है। लेकिन अगर हमारे हाथ में ताकत नहीं है जिस कारण हम किसी के खिलाफ एक ान नहीं ले सकते ऐसी बात पूरे हिन्दुस्तान में कही पर भी नहीं है लेकिन हम भाुरू करेंगे। अगर मेरे सामने कोई सरेआम रि वत भी लेता है तो मैं उसको पकड़ नहीं सकता और अगर पकड़ूंगा तो सरकारी काम काज में दखल देने का दोशी पाया जाऊंगा, मुझे दोशी करार दिया जाएगा। हमारे पास न व्यक्ति चला जाए, कोई बीमार आदमी चला जाए या डी.सी. कहीं स्कूल वगैरा का उद्घाटन करने चला जाता है तो वह 5, 10 या 20 हजार रूपये की ग्रान्ट दे सकता है लेकिन विधायक नहीं दे सकेगा। जैसे मन्त्रियों को सरकार ने 15–15 लाख रूपये की ग्रांट दे रखी है। इसी तरह एक–एक लाख रूपये की ग्रांट विधायकों को भी दे दें। स्पीकर सर, हमारी मजबूरी है और हमें हर जगह जाना पड़ता है और हर विधायक ही जगह जाना ऐफोर्ड नहीं कर सकता। मैं उन विधायकों की बात नहीं करता जो गलत तरीकों से पैसा कमाते है। अध्यक्ष महोदय, मुझे माफ करैंगें मेरे पास इसका कोई पयार्यवाची भाब्द नहीं अगर वह संसदीय भाब्द न हो तो आप उसे तबदील कर लें। वास्तव में यह राजनीति***********का खेल बन कर रह गई है। (विध्न)

श्री अध्यक्ष : विज साहब ने जो अनपार्लियामैंटरी भाब्द कहा यह रिकॉर्ड न किया जाए।

श्री अनिल विज : अध्यक्ष महोदय, मैंने पहले ही निवेदन कर दिया है कि आप इसको चेंज कर लें मेरे पास इसके लिए कोई और भाब्द नहीं है। (विध्न)

श्री अध्यक्ष : विज साहब,अब आप बैठिये (विध्न) नो–नो यह रिकार्ड न करे।

श्री अनिल विज : अध्यक्ष महोदय, मैं पुनः कह रहा हॅू कि मैं इस राज या उस राज की बात नहीं कर रहा हॅू। इसके या उसके राज की बात कह कर या एक दूसरे की तरफ इस बात को हल्का करने की कोि ा ा न करें । स्पीकर सर, मैं विल्कुल सत्य बात कह रहा हॅू ओर ठीक बात कहने की कोि ा ा कर रहा हॅू (विध्न) हम सभी एम.एल.एज. को बैठकर विचार करना चाहिए। (विध्न) मैं सभी साथिसों से आग्रह करूंगाकि मेरीबात को पार्टी पॉलिटिक्स में बांध कर मत देखें। (विध्न) अध्यक्ष महोदय, इनका राज अधिकतर समय रहा है इसलिए ये भी इसके लिए दोशी हो सकते हैं Don’t tell it me.स्पीकर सर, मैं किसी एक के समय की बात नहीं कर रहा हॅूँ। मैने इसलिए कहा कि चौधरी भजन लाल जी, चौधरी बंसी लाल जी और सदन के नेता को मैं कुछ कहना चाह रहा हॅू। यह मेरे अपने दिल की बात है। (विध्न) मैं एम.एल.ए चुन कर आया हॅू। अपनी बात कहने का मेरा अधिकार है (विध्न एवं भाोर) इन चीजों के अधिकार हमें दिए जाने चाहिएं (विध्न)

श्री अध्यक्ष : विज साहब, अब आप वाइंड अप करिए।

श्री अनिल विज : अध्यक्ष महोदय, लोग तन्खवाह बढ़ाने की बात करते है मैं इसका पक्षधर नहीं हूँ हम इसके हकदार नहीं है। हमें अधिकारों की जरूरत है। हम किसी को सस्पैंड नहीं कर सकते और जो बातें मैं कह रहा हूँ मेरे ख्याल से वे इस हाउस के लिए ही नहीं हैं हमारे पड़ोसी हाउस में भी ऐसा ही हैं, सब जगह ऐसा ही है लेकिन मैं चाहूँगा कि हम भुरू करें। आज नगरपालिका के अध्यक्ष को पावर है, आज एक पंच को, एक सरपंच को पावर है लेकिन अपने–अपने दिलों पर हाथ रख कर बताइयें कि हमारे पास क्या पावर है, अपने–अपने दिलों पर हाथ रख कर बताइयें कि जो गलत काम करते हैं उनको छोड़ कर कोई भी आदमी अपनी कारगुजारी पर सन्तुश्ट है ? आप भी बताइये। (विध्न) अध्यक्ष महोदय, मेरा निमन्त्रण है सदन के सारे सदस्यों को अगर वे इस पर सहमत हों किसी पार्टी पोलिटिक्स में इस बात को न ले जा कर पोलिटिक्स से हट कर हम हाउस से बाहर बैठ कर इस सारे विशय पर चर्चा करें। जैसे हम पंचायतो ंको पावर्ज दे रहे हैं, जिला परिशदों को पावर्ज दे रहे हैं वैसे ही हम एम.एल.एज. को भी पावर्ज दी जानी चाहिए। क्योंकि जनता के प्रति हमारी जवाबदेही है, क्योंकि जनता हमें राज देती है और हमसे हिसाब मांगती हैं। इसलिए हमें इस पर गम्भीरता से विचार करना चाहिए। हम यहां पर 10–15 दिन बैठकर एक दूसरे के खिलाफ खाली विरोध करके अपना समय बर्बाद करते हैं अगर इसकी बजाय हम बाहर बैठकर चर्चा करें तो बहुत अच्छी बात होगी। अध्यक्ष महोदय, इसके साथ ही मैं अपने हल्के की भी कुछ बात कहना चाहता हूँ।

श्री अध्यक्ष : विज साहब, अब आप वाइंड अप करें। आपका समय अब खत्म हो गया है इसलिए आप बैठे। (विध्न) विज साहब, आप बहुत लम्बा समय बोल लिए हैं इसलिए अब आप वाइंड अप करें। आपने 12.27 पर बोलना भाुरू किया था अब आप प्लीज अपनी बात को समाप्त करें। (विध्न)

श्री अनिल विज : स्पीकर साहब, मैं समाप्त कर रहा हूँ। चौधरी देवी लाल जी के नाम पर पानीपत में 7वीं और 8वीं यूनिट लगाने जा रहे हैं जिसके लिए सरकार ने बजट में 165 में से 159 करोड़ रूपये का प्रावधान किया है। सड़कें बनाने का प्रावधान किया है, सरकार स्टेट हाई–वे को मजबूत करने जा रही है, उनको पक्का कर रही है,सरकार यह बहुत ही बेहतरीन काम करने जा रही है। इस बारे में मैंने बजट में पढ़ा हैं। इसके अलावा यह सरकार हरियाणा प्रदे ा के उन सात गांवों को जो कि अभी तक सड़क से कनैक्टिड नहीं है, उनके लिए भी बजट मे प्रावधान रखा है। (विध्न) अध्यक्ष महोदय, 6685 गांवों में से सात गांव ऐसे हैं जो सड़क से जुड़े हुए नहीं हैं उनके लिए भी बजट में 63 करोड़ रूपये का प्रावधान रखा है। इसके अलावा 145 करोड़ रूपये स्टेट हाई–वे के लिए, 2 करोड़ रूपये डिस्ट्रक्ट रोडज के लिए भी रखें हैं। यह जो 2 करोड़ का अमाउन्ट है, अमाउन्ट थोड़ा कम है अगर इसको बढ़ा दें तो बहुत अच्छा होगा।

श्री अध्यक्ष : अनिल जी, आपका समय समाप्त हो गया है (विध्न) आप फिर किसी मांग पर बोल लेना। अब आप अपनी सीट पर बैठ जाएं।

श्री अनिल विज : अध्यक्ष महोदय, मैं आने हल्के के बारे में दो–तीन बातें कहना चाहूंगा। अध्यक्ष महोदय,हमारे हल्के में अनाज मण्डी के लिए जमीन अधिग्रहण की गई है। इस सरकार ने ऐसा करके लोगों की बहुत पुरानी मांग पूरी की है और उसके लिए सैक ान 4 और 6 ई ु हो चुकी है। मैं आपके माध्यम से सरकार से कहना चाहूँगा कि वहां पर सरकार द्वारा जल्दी से जल्दी अनाज मण्डी बनाई जाए। इसके अलावा हमारा भाहर हर साल बाढ़ से बुरी तरह प्रभावित होता था और मुख्यमंत्री जी ने वहां पर फ्लड की रोकथाम के लिए आदे ा दे दिए हैं,उसके लिए पैसे का भी प्रावधान हो चुका है इसके लिए भी मैं अम्बाला की जनता की तरफ से मुख्य मंत्री जी का आधार व्यक्त करता हूँ। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से सदन में बताना चाहूंगा कि हमारे भाहर में बहुत ही बढ़िया पुल बनाया गया है जो कि अम्बाला सैन्ट्रल जेल से लेकर के अम्बाला कैंट तक बनाया गया है। उसमें पता नहीं कैसे एक चूक रह गई है कि वहां पर लाईटे नहीं लगा पाए हैं। उसके बारे मे भी मैं कई बार मुख्य मंत्री जी से कह चुका हूँ और इन्होनें इसके लिए आ वासन भी दिया है। मेरी आपके माध्यम से मुख्य मंत्री जी से प्रार्थना है कि उस आ वासन को भीघ्र अति भीघ्र पुरा किया जाए। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : अनिल विज जी, आपको बोलते हुए काफी समय हो गया है अब आप सीट पर बैठ जाएं। दूसरे मैम्बर्ज को भी बोलने का मौका दें।

श्री अनिल विज : अध्यक्ष महोदय, आप मुझे दो मिनट दे दें अपनी बात कह कर बैठ जाऊंगा। आपको मुझे कहना नहीं पड़ेगा। मैं अपनी बात यहां पर विस्तार से कर लेता समय नहीं है। अध्यक्ष महोदय, कैनाल बेस्डवाटर सप्लाई स्कीम के लिए मुख्य मंत्री जी ने बहुत कृपा की है और उसके लिए पैसे का भी प्रावधान किया है और हमारे यहां एक योजना के तहत प्रोग्राम चल रहा है। मैं इस बारे मे भी आपके माध्यम से मुख्य मंत्री जी से आग्रह करना चाहूँगा कि वह काम समय सीमा में ही समाप्त हो जाएं। अध्यक्ष महोदय, इसी के साथ साहा ग्रोथ सैन्टर है वहां पर मुख्य मंत्री जी ने एक फूड पार्क लगाने की घोशणा की है। अम्बाला की जनता ने इसका इस बात के लिए बहुत स्वागत किया है। अध्यक्ष महोदय, वहां पर 400 एकड़ जमीन एक्वायर की जा चुकी है। मैं इस बारे में कहना चाहूँगा कि इसको भी भीघ्र अति भीघ्र बसाया जाए। अध्यक्ष महोदय, हमारा जो सिविल अस्पताल है वह कम से कम 150—200 साल पुराना है, मैं चाहता हूँ कि उससे पहले वह गिरे और वहां पर कोई दुर्घटना घटे, उससे पहले उसको भी बनवाने के बारे में विचार किया जाए। अध्यक्ष महोदय, यूरोपियन कम्पनी का जो पैसा आया है उसको भी भीघ्र आ वासन मिला था, उस पर सरकार को कार्य भीघ्र करना चाहिए। अध्यक्ष महोदय, एक

तोपखाना बाजार भाहर से 5 किलोमीटर दूर पड़ता है और वहां से वापिस आने के लिए कन्टोनमैंट एरिये से गुजर कर आना पड़ता है। वहां पर महोदय, सरकार आपके द्वार प्रोग्राम के तहत एक डिस्पैंसरी के लिए कहा था और मुझे खु ी है कि मुख्य मंत्री जी ने वहां पर सारी बातें भाुरू से लेकर आखिर तक स्वीकार कर ली थी और उनमें से कई कामों का पैसा भी आ चुका है मेरी आपके माध्यम से प्रार्थना है कि उस पैसे का प्रयोग किया जाए।

श्री अध्यक्ष : अनिल जी, अब आप बैठ जाएं आप अपनी बाकी बातें लिख कर दे देना । (ोर एवं व्यवधान) आप यों ही नहीं बोलें, आप तो बड़े कल्चर्ड आदमी हैं।

श्री अनिल विज : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मुख्य मंत्री महोदय से कहना चाहूँगा कि अम्बाला का कन्जयूमर फोरम पिछले दो साल से खाली पड़ा हुआ है उसके लिए भी कुछ किया जाए। अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बोलने के लिए समय दिया इसके लिए आपका बहुत–बहुत धन्यवाद। मैंने यहां कुछ बातें कहीं है उस बारे में मैं कहना चाहूँगा कि हमे सबको पार्टी पोलिटिक्स से ऊपर उठकर इस सदन की अपनी मर्यादाएँ हैं उनको ध्यान में रखते हुए हमें यहां पर अपनी बाते कहनी चाहिएं। इसके अतिरिक्त एक जो यहां पर एक दूसरे का विरोध करने की परम्परा है उसको भूल कर हम सबको कहीं बाहर बैठकर इस बारे में विचार करना चाहिए कि कैसे इस माहौल को सुधार सकते हैं।

श्री लक्षमण दास अरोड़ा(सिरसा) : अध्यक्ष महोदय, जहां तक बजट पर बोलने की बात है तो हाउस में एक प्रथा बन गई है कि रूलिंग पार्टी वाले इसके पक्ष में बोलते हैं और अपोजि ान वाले इसके विरोध मे बोलते है। मैं सदन में यह कहना चाहता हूॅकि बजट में जो अच्छी बात हो उसके पक्ष में बोला जाए औ जो गलत बात हो उसके विरोध में बोला जाए चाहे वह मैम्बर रूलिंग पार्टी का हो या अपोजि ान का हों।

अध्यक्ष महोदय, मैं एक ही बात मुख्य मंत्री महोदय जी से कहना चाहता हूॅ कि यह जो हाउस टैक्स लगाया गया है इससे भाहर में बवेला सा मच गया है। अगर आज कोई झोंपड़ी, कच्चा मकान और वक्फ बोर्ड की जमीन पर कहीं पर भी छोटा–मोटा मकान बनाकर बैठा हुआ है,वह आज डर से कांप रहा है। मुख्य मंत्री जी इस बारे में मेहरबानी करके कुछ विचार करें। धन्यवाद।

श्री चन्द्र भाटिया (फरीदाबाद) : आदरणीय अध्यक्ष जी, आपने बजट और बोलने के लिए मुझे जो समय दिया उसके लिए मैं आपका धन्यवाद करता हूॅ। मेरे से पहले भी बोलते हुए अनेक साथियों ने अपनी बाते कही है। मैं भी बजट पर बोलने के लिए खड़ा हुआ हूॅ। वित मंत्री जी, हरियाणा में प्रो.सम्पत सिंह जी ने जो बजट पे ा किया है उसमें मैं यह समझता हूॅ कि सभी वर्गो का ध्यान रखा गया है चाहे किसान वर्ग हो या चाहे व्यापारी वर्ग

हो, सभी वर्गो की बात कही गई है। अभी हमारे कांग्रेस के एक साथी ने भी एक बात कही कि जो अच्छी बाते है उनको कहना चाहिए और जो गलत बाते है उनके लिए हमे बताना भी चाहिए। अध्यक्ष महोदय, इनकी यह बिल्कुल सही बात है लेकिन हमारे कुछ साथियों को यह बात भाायद समझ में नहीं आती। मै दूसरी बार विधान सभा में चुन कर आया हूॅ। फरीदाबाद के लोगों ने दुबारा मुझे विधान सभा में भेजा है। पिछले समय में भी जब हम विधायक थे जब हमारे बुर्जुग आदरणीय चौ.बंसीलाल जी मुख्य मंत्री थे, हमने वह समय भी देखा था। हमने उससे पहले का कांग्रेस की हकूमत का समय भी देखा है। दो बार विधान सभा में आने के बाद हमने देखा कि यहां पर जो सही बाते है उनको भी विरोध किया जाता है। जो अच्छे काम थे उनको भी अच्छा नहीं कहा गया क्योंकि हमारे जो विपक्ष के साथी है वे यह सोचते हैकि अगर वे हमें ाा विपक्ष वाली बातनहीं कहेगे या सही बात को भी गलत बात नहीं कहेंगे तो वे विपक्ष की भूमिका को नहीं निभा पाएंगे, उनकी भूमिका विपक्ष की नहीं मानी जाएगी। अध्यक्ष महोदय, वित मंत्री जी द्वारा जो बजट पें ा किया गया मैंने पहले भी कहां कि उसमें सभी वर्गों की बात कही गयी है। मेरे से पहले भी इस बारे में सभी साथियों ने अपनी बातें कहीं। चौ. बंसी लाल जी इस समय यहां पर बैठे नहीं है। उन्होने अपनी बात कहते हुए कुछ सुझाव मुख्य मंत्री जी के सामने रखे लेकिन जब उनको उनकी बातों का जवाब मिला तो वे उस बात को घुमा फिरा कर खत्म करने की कोि ा ा करते थे। अध्यक्ष महोदय, हरियाणा

सरकार एक बड़ा परिवार है इसके मुखिया माननीय मुख्य मंत्री जी है। मैं यह मानता हूॅ कि कोई ना कोई कमी इतने बड़े परिवार में रह भी सकती है। हमें उस बारे में सुझाव देने चाहिए। अध्यक्ष महोदय, मुझे यह लगता है कि आज जो पीढ़ा हमारे इन विपक्ष के साथियों को हो रही है वह ठीक नहीं है। एक समय वे भी था जब इनकी सरकार थी, इनका अपना राज था। उस समय इनके राज के दोरान क्या–क्या होता था वह हरियाणा की जनता अच्छी तरह से जानते है और आप भी जानते है(विध्न) मैं बजट पर ही बोलने जा रहा हूॅ। मै ंउसी बात को सामने ला रहा हूॅ। अध्यक्ष महोदय, मैं एक और प्रार्थना करना चाहूॅगा कि आप मुझे बजट पर बोलने के लिए थोड़ा समय ज्यादा दे क्योंकि पिछले दिनों बुर्जुग चौ.बंसी लाल जी की मेहरबानी से हम जेल में भी रह कर आए है हमारा वह समय जो हमे पिछले दिनों नहीं मिला वह हमें दिया जाए। मैं कहना चाहता था कि वह भी एक समय होता था जब इनके पास हुकूमत होती थी और आज सुझाव देने में भी कोई दम नहीं दिखता है। जब राजपाट था, जब सरकार होती थी तब उन बातो की तरफ कोई ध्यान नहीं जाता था। आज बंसी लाल जी हाउस टैक्स की बात कह रहे हैं। यही चौधरी बंसीलाल थे जब बल्लबगढ़ से आनंद भार्मा विधायक होते थे तथा मैं फरीदाबाद से विधायक होता था। तब मैंने कहा था कि फरीदाबाद में जो हाउस टैक्स लगाया जा रहा है, उसे ठीक करे तब हमारी बात नहीं सुनी जाती थी। अब फरीदाबाद में कहीं तोड़फोड़ होती है तो ये कहते हैं कि हमारी सरकार आएगी तो हम कोई तोडफोड़ नहीं होने देंगे और

जब ये मुख्य मंत्री थे तो फरीदाबाद और बल्लबगढ़ के अन्दर तथा साथ लगते विधानसभा क्षेत्र मं बुल्डोजर चलाए जाते थे, झुग्गी झोपड़ियों को तोड़ा जाता था। मैं यह कहना चाहता हूॅ कि जब इनके पास पावर होती थी तो क्या किया जाता था। अब ये लोग कहते हैं कि ओम प्रका ा चौटाला जी घोशणा मंत्री हैं और सरकार आपके द्वार कार्यक्रम के तहत जो घोशणाएं करके आते हैं उन पर काम नहीं होता जबकि सरकार आपके द्वार कार्यक्रम के तहत बहुत सारे काम हो रहे हैं और जो भी घोशणाएं मुख्य मंत्री जी करके आते हैं वह पूरी होती है। सरकार आपके द्वार कार्यक्रम कोई बुरा काम नहीं है यह एक अच्छा काम हैं। बंसी लाल जी तो अपने कमरे से बाहर नहीं निकलते थे औ निकलते थे तो ऐ.सी. गाड़ी में बैठकर निकलते थे, लोंगों के बीच में नहीं जाते थे। (विध्न)

रामकि ान फौजी : अध्यक्ष महोदय, ***********

श्री अध्यक्ष : फौजी की कोई बात रिकार्ड न की जाए। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री चन्द्र भाटिया : अध्यक्ष महोदय, कल जब बंसी लाल जी बोल रहे थे और मैं खड़ा होकर कुछ कहना चाहता था तो उन्होंने मुझे टोक दिया था इसलिए मैं बीच में नही बोला। आज अगर वे बैठे होते तो मैं उनको अपनी बात कहता। वे चुपचाप चले गए जबकि सै ान में पूरे समय बैठना चाहिए। उन्होने अपनी बात

कह दी और चले गए। उनको मुख्यमंत्री जी की बात भी सुननी चाहिए थी। (विध्न) मैं यह कहना चाहता हूॅ कि आज बहुत अच्छे काम हो रहे है। जिस मुख्य मंत्री जी को घोशणा मंत्री कहा जाता था आज से पहले ऐसा कभी नहीं हुआ कि कोई मुख्य मंत्री गांव में जाता हों, कोई व्यक्ति यह नहीं कह सकता कि हमने मुख्य मंत्री जी को रू–ब–रू नहीं देखा है या हमने कोई काम कहा हो और इन्होनें न किया हो । जितने भी सदस्य बैठें हैं मैं कहना चाहूॅगा कि कोई भी सदस्य ऐस नहीं होगा और कोई भी विधान सभी क्षेत्र ऐसा नहीं होगा जहां विकास के काम नहीं चल रहे हों । कहने को कह भी दें लेकिन प्रैक्टिकल जो लोगों के बीच में काम हो रहे हैं वे दिख भी रहे हैं। अध्यक्ष महोदय, वित मंत्री जी ने बजट पे ा किया है उसमें बंसों की बात को भी रखा गया है। हमारे परिवहन मंत्री जी ने बहुत बढ़िया सुविधाएं लोगों को प्रदान की हैं। इसी तरह खेलों को भी बढ़ावा दिया जा रहा है। अच्छे कामों की सरहाना करनी चाहिए, यह हमारा फर्ज बनता है और जो काम वाजिब हों तथा न हो रहे हों वह बात भी मुख्य मंत्री जी के समक्ष रखनी चाहिएं। (विध्न) मैं बंसी लाल जी को सारी बात सुनाना चाहता था कि उन्होंने हरियाणा प्रदे ा की जनता के साथ क्या–क्या ज्यादतियां की थीं। अध्यक्ष महोदय,चौधरी बंसी लाल जी ऐसे मुख्य मंत्री थे जो लोगों के पास नहीं जाते थे, लोगों के पास जाने में इनकों भार्म आती थी। यह लोगों से गाड़ी में बैठकर बातें किया करते थे। उस समय कोई विधायक,कोई मंत्री इनके घर नहीं जा सकता था। श्री करतार सिंह भड़ाना जी इस बात को

अच्छी तरह से जानते हैं। आज से इस सदन में बात करते हैंकि खानों में हजारों रूपये की पर्चियों काटते हैं। माननीय मुंख्य मंत्री जी ने उनको उसका जवाब दे दिया था कि किस प्रकार 80 लाख रूपये मौजूदा सरकार ने वसूल किये हैं और 50 लाख तथा 30 लाख रूपये और वसूल कर लेंगे। इससे आगे मैं क्या बताऊं। अध्यक्ष महोदय,चौधरी बंसीलाल जी की दिल्ली में जो कोठी बनी हुई हैं उसको बनाने में 15 करोड़ रूपये लगे हुए हैं। उस प्लाट की उस वक्त कितनी कीमत थी इसका आप अंदाजा लगा सकते है। (ोर एवं व्यवधान) अध्यक्ष महोदय, यह सब गरीबों की चून पसीने की कमाई में से बनाई चीज है। मैं तो वहीं बातें बता रहा हू्ँ जो चीज सामने हैं। अध्यक्ष महोदय, चौधरी बंसीलाल जी के राजपाट में हमारे को बोलने के लिए समय नहीं दिया जाता था। चौधरी बंसीलाल जी के राज में जब पुलिस में भर्ती हुई तो मैंने खड़े होकर कहा कि चौधरी साहब पुलिस की भर्ती में खुल्लेआम पैसे लिये जा रहे हैं। लेकिन उस समय हमारी बात को सूना नहीं जाता था और हमे बैठा दिया जाता था। आज सरकार के समय में जो पुलिस की भर्ती हुई है वह बिल्कुल निशपक्ष तरीके से हुई है। कोई व्यक्ति यह नहीं कह सकता कि मेरे से पुलिस की भर्ती के लिए पैसे लिए हैं। जो पुलिस में भर्ती के लायक था, उसी को पुलिस में भर्ती किया गया है जो इसके काबिल था। आज जो काम इस सरकार ने किये हैं उनके बारे में हरियाणा के लोग मुख्य मंत्री महोदय की प्र ांसा करते हैं। 22 फरवरी को इस सरकार को बने हुए दो साल हो गये हैं और अभी तीन साल बाकी रह रहे हैं।

हम भगवान से प्रार्थना करते हैं कि चौधरी बंसीलाल जी की उम्र लम्बी हो और जो वे स्वप्न देख रहे है वह सपना अब पूरा होने वाला नहीं है। (ोर एवं व्यवधान)

श्री रामकि ान फौजी : अध्यक्ष महोदय, ***********

श्री अध्यक्ष : रामकि ान फौजी की कोई बात रिकार्ड न की जायें।

श्री चन्द्र भाटिया : अध्यक्ष महोदय, सपने की बात की जा रही थी। हमारे मन में एक बात थी कि चौधरी बंसीलाल जी अगली बार चुनाव जरूर जीत कर आयें लेकिन विपक्ष में बैठे नजर आयें। पहले तो यह लग रहा था की इनकी छुट्टी होने जा रही है लेकिन फिरपता लगा कि यह हमारे साथ बैठे हैं बड़ा अच्छा लग रहा है। वह सपना हमारा पूरा हुआ है हम यही भगवान से प्रार्थना करते हैं कि उनकी लम्बी उम्र हो वे हमारे बुजुर्ग हैं और वे अगले तीन साल में जो विकास के कार्य हों उनकों देखें। एक बात जरूर है कि चौधरी बंसीलाल जी बुजुर्ग हैं वे सुझाव खूब दे सकते हैं। जब वे सता में होते है तो उनको कोई सुझाव याद नहीं आता लेकिन जब विपक्ष में बैठतें है तो उनकों सुझाव देने याद आ जाते हैं। अब उनको याद आ गया कि बुलडोजर चलवा रहें हैं, खदानों में गड़बड़ हो रही है । ये कभी बिजली की बात करते हैं तो कभी एस.वाई.एल. की बात करते हैं। कभी कह रहे हैं कि नारनौल–महेन्द्रगढ़ वाली सड़क खराब है। अध्यक्ष महोदय, मैं यह

कहना चाहता हूॅ कि जब चौधरी बंसी लाल जी मुख्य मंत्री थे उस समय कभी इनको सड़कों की बात याद नहीं आई कि कोई सड़क भी बनानी है। यह बिल्कुल सही है कि आज मुख्य मंत्री महोदय ने जो विकास के काम किए हैं वे सराहनीय हैं इसमें कोई दो राय नहीं हैं। आज जगह–जगह सड़कें बन रही हैं अध्यक्ष महोदय, अब मैं एस.वाई.एल. नहर के बारे में जिक्र करना चाहूॅगा जिस बारे में चौधरी बंसीलाल जी कह रहे थे कि यह काम उन्होनें करवाया था। कोई अच्छा काम हो जिसमें सराहना मिलने वाली हो तो उसमें चौधरी बंसी लाल जी कहते हैं ये काम उन्होनें कभी ध्यान नहीं दिया । लेकिन अध्यक्ष महोदय, मैं वही बात कहूॅगा जिसमें सच्चाई हैं। एस.वाई.एल. नहर के बारे में इन्होनें कभी ध्यान नहीं दिया। लेकिन आज जब मुख्य मंत्री ओम प्रका ा चौटाला ने इस नहर के ऊपर एक कदम उठाया हैं तो इनको तकलीफ हो रही है। सुप्रीम कोर्ट ने जब इस नहर को बनवाने के लिए एक साल का समय दिया है तो इनको खु ाी नहीं हो रही है। आज जहां ये सरकार इतने विकास के कार्य करा रही है तो मुझे उम्मीद है कि यदि यह काम पूरा हो गया तो ये जनता को क्या कहेंगे ? अध्यक्ष महोदय, इनके समय में जहां पत्थर लगे थे वहां पत्थर लगे के लगे रह गए, उन पर कोई नहीं होता था।। अब मैं कानून और व्यवस्था की बात करना चाहूॅगा। मेरे पास बंसीलाल जी के समय में कानून व्यवस्था का क्या हाल था उसका पूरा बही खाता हैं इनके भाासन काल में गुड़गांव में 100 करोड़ रूपये का घपला हुआ था, इसकी पूरी डिटेल मैं यहां सदन के सामने रखने जा रहा हूॅ। मैं चाहूॅगा

कि इस 100 करोड़ रूपये के घपले वाले केस में सभी साथी मेरा साथ जरूर दें कि मुख्य मंत्री महोदय इस केस में इन्कवायरी करवायें। गुड़गांव में भाकुन्तला यादव नाम की औरत थी, पिछले दिनोंउसकी रि ते दारी के 5–7 लोग फरीदाबाद के क्षेत्र के लोगों से मिले और वे मेरे पास भी आए।

श्री रामकि ान फौजी : ***********

श्री अध्यक्ष : रामकि ान जी, आप बिना परमी ान के न बोले इसलिए आप बैठे। रामकि ान जी जो कुछ बोल रहे हैं वह रिकार्ड न किया जाए।

श्री चन्द्र भाटिया : अध्यक्ष महोदय, मैं जो बात कहना चाहूॅगा इसको बड़े ध्यान से सुनें। 116 कैनाल 11 मरले की जगह पर भाकुन्तला यादव रहती थी, उसके पति लाल सिंह जिसकी मौत 20–5–91 को हो गई थी। 116 कैनाल 11 मरले की जगह लाल सिंह के नाम थी। उसकी मौत के बाद भाकुंतला यादव पत्नी लाल सिंह पटवारी के पास वह जमीन अपने और अपने लड़को के नाम करवाने के लिए गई तो पटवारी ने यह बताया कि यह जमीन पहले ही जतविन्द्र सिंह के नाम इन्तकाल हो चुकी हैं और इस बारे अदालत दीवानी, गुड़गांव ने बताया कि 20–10–90 को एक डिग्री जतविन्द्र के हक में कराई गई थी जिसके ऊपर इन्तकाल जतविन्द्र सिंह के नाम 8–5–91 को हो गई है जिसका पहले लाल सिंह मालिक था। 2–7–91 को श्रीमती भाकुंतला यादव पत्नी लाल

सिंह ने अदालत गुड़गांव में फाइल देखने के लिए दरखास्त दी। जिस फाइल में लाल सिंह की सारी जमीन 116 कैनाल 11 मरले जतविन्द्र के नाम करने का हुक्म था जो कि दीवानी केस नम्बर 1588/90 के तहत किया गया था। वह फाईल अदालत में नहीं मिली और फाईल गुम होने की भाकुंतला यादव ने पुलिस में दरखास्त दी तथा एफ.आई. आर. दर्ज करवाई। (विध्न)अध्यक्ष महोदय, जो लोग मेरे पास आये थे वे कह रहे थे कि लाल सिंह मरा नहीं उसे भाराब पिलाकर मारा गया था और नाजायल तरीके से उसकी जमीन पर कब्जा कर लिया गया। भाकुंतला यादव को धमकियां दी जा रही हैं कि इस केस की पैरवी न करे । अध्यक्ष महोदय, 2–7–1991 को इस औरत न दरखास्त दी थी इस केस की इन्क्वायरी की जाये। उस समय कांग्रेस की सरकार थी उस औरत की अर्जी पर कोई एक ान आज तक नहीं हुआ हैं। यह मामला कोर्ट में गया। वहां सारी बातें हुई लेकिन उन लोगों ने मुझे बताया कि इस पर अब स्टे की कार्यवाही चल रही है। मैं माननीय मुख्य मंत्री जी से अनुरोंध करूँगा कि श्रीमती भाकुन्तला यादव ने जो दरखास्त 2–7–1991 को दी थी जिस पर कोई कार्यवाही नहीं हुई, जिसके ऊपर धारा 420,467 और 471 के तहत एफ.आई.आर. दर्ज हुई थी। इस बारे में मुख्य मंत्री महोदय, सी.बी. आई. से इन्क्वायरी करवायें यदि सी.बी.आई से इन्क्वारी संभव नहीं तो विजीलैंस इन्क्वारी इस मामले पर जरूर होनी चाहिए ताकि सबको पता लग जाये कि इसके अन्दर किन–किन लोगों का हाथ है तथा कौन लोग हैं जिन्होनं घपला किया है। अध्यक्ष महोदय,

उस औरत को डर है कि जिन लोगों ने उनकी जमीन पर कब्जा किया हैं वे लोग उसको मार न डाले। इसमें काफी ऐसे लोग जिनका मैं नाम नही लेना चाहता। इसमें हमारे फरीदाबाद का एक आदमी भाामिल है क्योंकि जो आदमी यहां नहीं बैठा मैं उसका नाम नहीं लेना चाहता। अध्यक्ष महोदय, यह 100 करोड़ रूपये का घपला है, उस औरत के साथ बहुत जुल्म हो रहे हैं इसमें विजीलैंस इन्क्वायरी होनी चाहिए और आगे जब भी सदन बैठे तब सबको बताया जाये कि इसमें किन–किन लोगों का हाथ हैं। इसमे कुछ कंग्रेसी साथियों का हाथ भी है इसकी मैं पूरी डिटेल में नही जाना चाहता यदि मैं पूरी डिटेल में जाऊंगा तो बहुत समय लगेगा। इन्क्वायरी होने के बाद जो लोग इसमें भामिल हैं उनकी तस्वीर भी ो की तरह साफ हो जायेगी।

बैठक का समय बढ़ाना

श्री अध्यक्ष : यदि हाउस की सहमति हो तो हाउस का समय 5 मिनट के लिए बढ़ा दिया जाए।

आवाजें : ठीक है जी।

श्री अध्यक्ष : ठीक है, हाउस का समय 5 मिनट के लिए बढ़ाया जाता है।

वर्श 2002–2003 के लिए बजट पर सामान्य चर्चा
(पुनरारम्भ)

श्री अध्यक्ष :अध्यक्ष महोदय, यह मामला मेरे हल्के से संबंधित है मैं सदन का ध्यान इसके बारे में आकर्शित करना चाहूँगा क्योंकि कल भी एक मामला गुड़गांव से रिलंटिड उठाया गया था। कल एक साथी ने गुड़गांव के बारे में 399 करोड़ रूपये के घपले का मुद्दा उठाया। मेरे साथी को मालूम होना चाहिए कि 399 करोड रूपये बजट का बहुत हिस्सा होता है औ उन्होनें कह दिया कि 399 करोड़ रूपये का घपला हुआ। इससे ज्यादा कोई इर–रैलेवैंट बात नहीं हो सकती। 1500 रूपये गज के भाव को बढ़ाकर 1950 रूपये गज किया गया तो इससे सरकार को नुकसान नहीं होता, करोड़ों रूपये का फायदा होता है। उस चर्चा को देखा जाये तो भाटिया जी जो चर्चा कर रहे हैं गुड़गांव के बारे में यह बड़ा बर्निग ई ू हैं। इसमें पिछले टाइम के मंत्री तक इनवोल्व हैं। आज भी विपक्ष के कई बड़े–बड़े नेता इसमें इनवोल्व हैं, जो अपने आपको पार्टी का नेता कहते है। (विध्न)अध्यक्ष महोदय, यह मामला डी.एल.एफ. के अन्दर एक सरोल गांव का है। यह गांव हमारे राव धर्मपाल जी का गांव हैं। उसके अंदर यह बड़ी ही कीमती जमीन है जिसके एक एकड़ की कीमत करोड़ों रूपये है। राव लाल सिंह जी की मृत्यु के बाद उसके भतीजे जतविन्द्र ने उस वक्त के मंत्री के साथ मिलकर जिसकी ससुराल उस गांव में होती थी इस जमीन पर गलत तरीके से कब्जा कर लिया और गलत कागज बनावा लिये। मैं नाम नहीं लेना चाहता इसमें उस समय के फरीदाबाद के भी एक मंत्री भाामिल हैं। यह एक पूरा दल हैं जिसने यह घपला किया है। मैं तो यह कहूँगा कि माननीय मुख्य

मंत्री इस सारें मामले की जांच करवायें। चौधरी साहब, मैं तो कहूॅगा कि पिछली सरकारों में जो लूट चल रही थी उस लूट पर आज अंकु ा हैं। मैंने पहले भी कहा कि गुड़गांव का विधायक इतना कमजोर नहीं है कि वहां पर जो किसी की मर्जी होगी वह होगा। अगर गुड़गांव में कहीं पर भी बेकायदगी होगी वह उजागर की जायेगी। इस सारे मामले को जिसको भाई चन्द्र भाटिया जी ने उठाया है यह बहुत बड़ा मामला है इसलिए इसकी जांच कराई जाये। इस जांच से पुराने मुद्दे उखड़ेंगें और आगे भी भविश्य में रोक लगेगी। यही बात मैं कहना चाहता हूॅ।

मुख्य मंत्री (श्री ओम प्रका ा चौटाला) : अध्यक्ष महोदय, श्री चन्द्र भाटियां जी द्वारा जो मुद्दा उठाया गया है और जिसकी जानकारी उपाध्यक्ष जी ने भी दी है, यह बड़ा अहम् मुद्दा है। मैं इन दोनो साथियों से कहूॅगा कि इस मामले में जो कोई भी डाकूमैंटस हैं वे प्रस्तुत कर दें, हम इसकी विजिलैंस से इन्क्वायरी करवायेंगे।

चौधरी भजन लाल : ठीक है, इन्क्वायरी हो जाने पर दूध का दूध और पानी का पानी हो जायेगा, यह अच्छी बात है।

श्री अध्यक्ष : भाटिया जी, आप पॉच मिनट मे वाइंड अप करे।

श्री चन्द्र भाटिया : अध्यक्ष महोदय, अभी मुख्य मंत्री जी ने कहा है कि इसकी विजीलैंस से इन्क्वायरी की जायेगी इस बारे

में एक प्रार्थना और करूंगा कि जिस भी अधिकारी से इसकी जांच करायें वह एक नि चित समय के अन्दर इसकी इन्क्वायरी करवायें। अध्यक्ष महोदय, साथ में जो कांग्रेस पार्टी के साथी बैठे हुए हैं इन्होनें भी इसकी जांच की मांग माननीय मुख्य मंत्री जी से की है, मैं इनका भी धन्यवाद करत हॅू क्योंकि यह काम भी बसी वक्त का था, कांग्रेस की हुकूमत के समय का था। जांच से सारी बातें खुल कर लोगों के सामनें आएंगी। अध्यक्ष महोदय, अब मैं साथी ही साथ अपने हल्के के बारे में भी कुछ बातें आपके माध्यम से सरकार के सामने रखना चाहता हॅू। हमारे फरीदाबाद के अन्दर नगर निगम पड़ता है। अध्यक्ष महोदय, हमारे विधान सभी क्षेत्र में इन पिछले दो सालों के अन्दर यानि फरीदाबाद के अन्दर लगभग ऐसी कोई सड़क नहीं है जो टूटी हुई हो। माननीय मुख्य मंत्री के आदे ा पर मेरे विधान सभा क्षेत्र की सभी सड़कें बरकर तैयार हैं। नगर निगम के अन्दर मुख्य मंत्री के आदे ा पर करोड़ों रूपये का काम किया जा रहा है। यदि कहीं पर बिजली की बात आती है तो बिजली की तारों को बदला जा रहा है, कहीं पर ट्रांसफार्मर बदले जा रहे हैं। मेरे कहने का मतलब है कि हम किसी भी बात को लेकर चलें हर काम वहां पर हो रहां है।

अध्यक्ष महोदय, हमारे फरीदाबाद में पानी की समस्या थी। जब हमने यह समस्या माननीय मुख्य मंत्री जी के सामने रखी तो इन्होनें हमारी बात को बड़े ध्यान से सुना। पिछली सरकार के वक्त में रेनी वैल योजना का काम चालू करने के लिए कहा गसा

था जब हमारा बंसी लाल जी से संघर्श चल रहा था तो उस वक्त जब हम यह समस्या उनके सामने रखते थे यानि अपनी बात कहतें थे इनको तकलीफ होती थी। उस वक्त इस काम को रोक दिया गया था। जब हम यह बात मुख्य मंत्री जी के नोटिस में लाये तो इन्होनें इस योजना पर तेजी से काम करने के आदे ा दिए। यह काम भाायद अप्रैल में पूरा होगा। इस योजना पर 40 करोड़ रूपये की लागत आ रही हैं। इस योजना के चालू हो जाने पर फरीदाबाद के लोगों को पानी की कोई दिक्कत आने वाली नहीं हैं। अध्यक्ष महोदय, अब मैं कानून व्यवस्था के बारे में बात करना चाहता हूॅ।

श्री अध्यक्ष : भाटिया जी, आप अपनी बात जल्दी खत्म करें।

श्री चन्द्र भाटिया : अध्यक्ष महोदय, मैं कानून व्यवस्था की बात करने से पहले एक बात मुख्य मंत्री जी से जरूय कहूॅगा कि आज हमारे फरीदाबाद में विकास के काम बहुत हो रहे है। मैं मुख्य मंत्री जी के ध्यान में लाना चाहता हूॅ कि पिछली हुकुमत में जब हाउस टैक्स देने की बात होती थी उस बारे में नगर निगम की उनके वक्त में एक कमेटी बनी हुई थी। जिस वक्त वहां पर नगर निगम बना तो उस वक्त प्रदे ा में कांग्रेस की सरकार थी। यानि उस वक्त वहां पर हाउस टैक्स बढ़ाया जाये। पीछें चौधरी बंसी लाल जी ने कहा थ कि हाउस टैक्स कम किया जाये। अध्यक्ष महोदय, आज की सरकार ने हरियाणा के अन्दर सब जगह पर

टैक्स कम किए, यह बहुत ही सराहनीय काम है। मैं माननीय मुख्य मंत्री जी से प्रार्थना करूंगा कि हमारा फरीदाबाद के अन्दर खासतौर पर विकास कार्य हों और वहां पर जो हाउस टैक्स है वह बढ़ा हुआ है। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मुख्य मंत्री जी से प्रार्थना करूंगा कि क्योंकि मुख्य मंत्री जी की जो सोच है वह यह है कि अगर पैसा आयेगा तो विकास के काम जरूर होगें। जैसे कि मैनें कहा है फरीदाबाद के अन्दर काम होने की कोई कमी हैं। कुछ लोग ता`यह चाहते हैं कि नगर निगम फरीदाबाद के अन्दर जो हाउस टैक्स बढ़ा हुआ है वह कम न हो लेकिन मैं यह कहना चाहूँगा कि हाउस टैक्स कम होने से पैसा बहुत ज्यादा आएगा। अध्यक्ष महोदय, आज लोग हाउस टैक्स का पैसा जमा करवा रहे हैं लेकिन कुछ पैसा तो काम आदमी से भी आना चाहिए वह पैसा भी आएगा। हरियाणा के अन्दर जो हाउस टैक्स में बराबर किया जाए। अध्यक्ष महोदय, इसी के साथ मैं यह भी कहना चाहूँगा कि यदि मुझे और समय दिया जाए तो मैं चौधरी बंसी लाल जी के बारे में कहना चाहूँगा । उनके कारनामों की यह मेरे पास लिस्ट है जिसमें एक से लेकर 27 तक केसिज हैं चौधरी बंसी लाल के खिलाफ (विध्न)।अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बोलने के लिए समय दिया उसके लिए मैं आपका बहुत–बहुत धन्यवाद करता हूँ तथा इस बजट का बड़े जोर– ाोर से समर्थन करता हूँ। जयहिन्द।

चौ. जय प्रका ा (बरवाला) : अध्यक्ष महोदय, आपका बहुत–बहुत धन्यवाद। मैं आपसे निवेदन करूंगा कि क्योंकि आप मुझे पांच मिनट का समय देंगे और मुझे पता है कि पांच मिनट में ही आप हाउस को ऐडजोर्न कर देंगे।

श्री अध्यक्ष : जय प्रका ा जी, आपके पास दस मिनट का समय है, आप पूरे 10 मिनट बोलें।

चौ. जय प्रका ा : अध्यक्ष महोदय, वित मंत्री जी जिन्होनें बजट भाशण हाउस में दिया और मुख्य मंत्री जी भी कह रहे थे कि बजट पर बोले। मुख्य मंत्री जी की बात तो सारे हाउस को माननी चाहिए जब इन्हीं के सहयोगी साथी इनकी बात को नहीं मान रहे हैं तो हम इनकी बात मानने के लिए क्यों विव ा है। अध्यक्ष महोदय, मैं पर्टिकुलरली एक बात कहना चाहूँगा क्योंकि मेरे से पहले विज साहब बोलें, भाटिया जी बोले मेरे कहने का तात्पर्य यह है कि मैनें देख लिया है कि सबसे पहले राजनीति की बात कही कि यमुना नगर के अन्दर बड़ी भारी जीत हुई है सरकार की नीतियों की। इसमें कोई दो राय नहीं हैं कि यमुना नगर में इनेलो पार्टी का प्रत्या ी बहुत बड़े बहुमत से जीता है लेकिन इसके मायने यह नहीं है कि यह पार्टी की नीतियों की जीत है। यमुना नगर का प्रत्या ी केवल इनैलों का ही प्रत्या ी नहीं था, मुख्य मंत्री जी, इस बात को सारे प्रदे ा के लोग जानते हैं कि वहां से इनेलों का प्रत्या ी नहीं बल्कि सरकार का प्रत्या ी

जीता है। सरकार ने सारा सरकारी तन्त्र सारा सरकारी ताम–झाम खासकर अधिकारी वर्ग को वहॉ झोंका हुआ था। (विध्न)

श्री अध्यक्ष : जय प्रका ा जी, आप बजट पर बोलें। (विध्न) आपके हाथ में किताब है, आप बजट पर बोलें। (विध्न)

चौ. जय प्रका ा : अध्यक्ष महोदय, सारा सरकारी तंत्र, सारे बड़े अधिकारी यमुना नगर में डाल दिए गए हम तब भी मानते हैं कि चलो कोई बात नहीं। (विध्न)

श्री अध्यक्ष : आप इसके लिए इलेक ान पैटी ान कर सकते हैं। इलेक ान पैटी ान करना आपका अधिकार है, लेकिन इस बारे यहां पर मत बोलें। (विध्न)

चौ. जय प्रका ा : जो मेरे से पहले बोलें हैं उनकी बात आपने सून ली अब मेरी बात भी सुन लें। (विध्न)

श्री अध्यक्ष : आप तो खुद पार्लियामैंट मे रहे हैं इसलिए आप अच्छे ढ़ग से बोलों।

चौ. जय प्रका ा : इस बात के लिए इनेलों के लोगों ने ही जिक्र किया है। 1996 में विधान सभा का उपचुनाव हुआ था । इस बात के लिए इनेलो के लोगों को हौसलें बहुत ज्यादा बुलन्द नहीं करने चाहिएं। ज्यादातर बाई–इलैक ान सरकार के हक में होते हैं। 1993 में हरियाणा में कांग्रेस की सरकार थी और चौधरी ओम प्रका ा चौटाला नावाना से 18,000 मतों से जीते थे

और1996 में अगर नीतियों पर मुहर होती तो कांग्रेस का प्रत्या ी जीतता और चौधरी ओम प्राक ा चौटाला तीसरे नम्बर पर रहे थे। यह किन नीतियों की बात कर रहे हैं। (विध्न)

प ुपालत राज्य मंत्री (चौधरी मुहम्मद इलियास) : स्पीकर सर, मेरा प्वायंट ऑफ ऑर्डर है। स्पीकर साहब, मैं आपके जरिये से माननीय साथी सदस्य को बताना चाहूॅगा कि जैसे कि भाई जय प्रका ा जी ने कहा है कि वहां पर सरकारी तन्त्र का इस्तेमाल हुआ, सरकारी म ीनरी का इस्तेमाल हुआ। सन् 1984 में हरियाणा प्रदे ा के अन्दर बाई–इलैक ान हुआ था और तावड़ विधान सभा से बाई–इलैक ान हुआ था। हमारे विपक्ष के आदरणीय नेता उस वक्त हरियाणा प्रदे ा के मुख्य मंत्री होते थें। अगर सरकारी तन्त्र से ही इलैक ान जीता जाता तो मैं विपक्ष के माननीय नेता से पुछना चाहता हूॅ कि आपकी पार्टी वह इलैक ान क्यों हारी थी ? (विध्न एवं भाोर)

चौ. भजन लाल : अब आप उधर जाकर बैठ गए उस वक्त उस हार मे आप भी हमारे साथ ही थे।

चौधरी मुहम्मद इलियास : हरियाणा प्रदे ा की जनता ने और यमुनानगर की जनता ने भी यह साबित कर दिया है। चौधरी साहब, यह कहने वाली बात नहीं है लेकिन मैं आपको बताना चाहूॅगा कि 36 साल के पीरियढ में कोई विकास हुआ है,

अगर कोई सम्मान जनता को मिला है तो वह सरकार के समय में मिला है। (ोर एवं व्यवधान)

चौ. जय प्रका ा : अध्यक्ष महोदय, मैंने यही बात कही कि अगर पार्टियों की नीति पर मोहर लगती तो 1993 में कांग्रेस हारी और 1996 में कांग्रेस जीत गई। यह तो समय का तकाजा है। इस बात के लिए इनैलों के साथियों को ज्यादा खु ाफहमी में नहीं रहना चाहिए। (ोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : जय प्रका ा जी। आप बजट पर बालें। (ोर एवं व्यवधान)

चौ. जय प्रका ा : अध्यक्ष महोदय, ये खुद इस तरह की बातें करते हैं और जब कोई दूसरा बात करे तो इनको भी दूसरे आदमी को इस बात के लिए रोकना नहीं चाहिए।अध्यक्ष महोदय, यह सरकार कहती है कि अगर किसानो को नुकसान होगा तो हम सर्वेसर्वा कुर्बान करने के लिए तैयार हैं। लेकिन अब जो बजट अभिभाशण प्रो.सम्पत सिंह ने सदन मे ंपढ़ा है उसमे कृशि के लिए पिछले साल की तुलना में अब की बार कम पैसा दिया गया है। अध्यक्ष महोदय, 1980 में जब मैं लोकसभा का चुनाव लड़ रहा था तो आज के मौजूदा मुख्य मंत्री जी जींद में चौधरी देवी लाल जी का जन्मदिन मना रहे थे और इन्होंने वहां पर कहा था कि अगर हमारी सरकार आएगी तो बिजली के बिल माफ कर दिए जाएंगे, बिजली मुफ्त कर दी जाएगी। आज उसी का

नतीजा है कि कण्डेला के अन्दर किसानों पर जो कि भाांतिपूर्वक अपनी बात कहना चाहते थे, उन पर गोलियां चलाई गई और 31 किसानों को घायल कर दिया गया।

श्री ओम प्रका ा चौटाला : अध्यक्ष महोदय, ये लोग बार–बार इस मुद्दे को बहुत प्रचारित करते है। जबकि हमने हमारे चुनाव घोशणा पत्र में जोकि 6 फरवरी,2000 को रीलिज किया था और 7 फरवरी,2000 की अखबार में छपा था उसमें लिखा था कि बिना पैसे बिजली नहीं दी जाएगी और जिनकी तरफ बिजली के बिल बकाया हैं, वे वसूल किए जाएंगे। अध्यक्ष महोदय, यहां पर कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष श्री हुड्डा जी बैठे हुए है। मेरे पास 25–8–1999 के अखबार की एक खबर है, इसमें चौधरी भूपेन्द्र सिंह हुड्डा का बयान है अब जिस हुड्डा का यह ब्यान है यह हुड्डा कोई और है तो मुझे पता नहीं । हुड्डा ने कहा है कि अगर कांग्रेस सता में आई तो बिजली पानी मुफ्त उपलब्ध करवाई जाएगी, चुंगी भी माफ की जाएगी। इसके बाद हुड्डा जी कहते हैं कि मैं प्रदे ा की जनता को वि वास दिलाना चाहता हूँ कि अगर ऐसा करने में हम नाकामयाब रहे या हमें देरी हुई तो हम तुरन्त इस्तीफा दें देंगें। यह बात भूपेंन्द्र सिंह हुड्डा ने कही है।(ाोर एवं व्यवधान)अध्यक्ष महोदय, चौधरी जय प्रका ा को मुगालता रह गया होगा। कईयों को तो फौबिया है, उनको तो ओम प्रका ा चौटाला के सिवाए कुछ दिखाई ही नहीं देता है। (ाोर एवं व्यवधान)

वैयक्तिक स्पश्टीकरण––

(iii) श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा द्वारा

श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा : अध्यक्ष महोदय, मुख्य मंत्री जी ने मेरा नाम लिया है मैं इस बारे में पर्सनल एक्सप्लेने ान देना चाहता हूॅ। अध्यक्ष महोदय, जो मुख्य मंत्री जी ने ब्यान पढ़कर बताया है वह चुनाव से पहले का है। हमारे घोशणा पत्र में क्या था ये वह भी पढ़ लें उसमें हमने कहा था कि सस्ती बिजली देंगें और आज भी हम किसानों को सस्ती बिजली देने के लिए वचनबद्ध हैं।

मुख्य मंत्री (श्री ओम प्रका ा चौटाला) : मैं यह कटिंग हुड्डा जी आपके पास भेज देता हूॅ आप इसको पढ़ लें कि आपने किसानों को सस्ती बिजली देने के लिए कहा था या बिजली मुफ्त देने के लिए कहा था।

(इस समय अखबार की कटिंग की फोटोस्टेट कापी श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा जी को भेजी गई)

श्री अध्यक्ष : हुड्डा जी, आप यह कटिंग सदन में पढ़ कर सुनाएं।

श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा : हमने जो वायदा किया था वह किसको देने का किया था, जो गरीब से गरीब आदमी होंगे। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : आप यह कटिंग पढ़कर सुनाएं।

श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा : इसको मैंने पढ़ लिया है और सुन भी लिया है। अध्यक्ष महोदय, मुख्य मंत्री जी हमारा घोशणा पत्र भी देख लें और उसको पढ़ लें।(ाोर एवं व्यवधान) आज सारा हरियाणा जानता है कि इन्होनें झूठ बोलकर ओथ ली है। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : हुड्डा साहब, आप इसको पढ़कर सुनाएं। (ाोर एवं व्यवधान)

चौ. भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, रूलिंग पार्टी वाले बीच में बार–बार बोल रहें हैं। इनको आप रोकें और श्री जय प्रका ा जी को बोलने दें। मैंने भी कम से कम 15 मिनट और बोलना है। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : चौधरी भजन लाल जी, आप बैठें। आपको भी समय दिया जाएगा। (ाोर एवं व्यवधान) सदन के नेता खड़े हैं इसलिए आप बैठ जाएं और मुख्य मंत्री जी क्या कह रहे हैं उनको सुनें।

श्री ओम प्रका ा चौटाला : अध्यक्ष महोदय, मुझे इस बात का अच्छी तरह से पता है कि भजन लाल और हुड्डा दोनें यहां पर दुर्भाग्य से इकट्ठे हैं वैसे से इकट्ठे नहीं हो सकते है। (ाोर एवं व्यवधान) अध्यक्ष महोदय, मुझे पता था कि अगर मैं इनकी बात कहूंगा तो भजन लाल जी भी बोलेंगे इसलिए मैं इनके ब्यान की दूसरी कापी भी लेकर आया हूं। अध्यक्ष महोदय, आप

किसी सरकारी कर्मचारी को बुलाएं और उसको यह कहें कि यह कापी श्री भजन लाल जी को भी दे दें। (ोर एवं व्यवधान)

(इस समय अखबार की कटिंग की फोटोस्टेट कापी श्री भजन लाल जी को भेजी गई।)

श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा : मुख्य मंत्री जी, आप हमारा घोशणा पत्र भी पढ़ लेना। (ोर एवं व्यवधान) पंजाब सरकार भी किसानों को बिजली पानी मुफ्त दे रही है और वहां पर भी कांग्रेस की सरकार है। (ोर एवं व्यवधान)

बैठक का समय बढ़ाना

श्री अध्यक्ष : यदि हाउस की सहमति हो तो हाउस का समय 5 मिनट के लिए बढ़ा दिया जाए।

आवाजें : ठीक है जी।

श्री अध्यक्ष : ठीक है, हाउस का समय 5 मिनट के लिए बढ़ाया जाता है।

वर्श 2002–2003 के लिए बजट पर सामान्य चर्चा (पुनरारम्भ)

चौ. जय प्रका ा : स्पीकर सर, यह बात में 1999 या 2000 की नहीं कर रहा हूँ। मैं यह बात 1998 की कर रहा हूँ। चीफ मिनिस्टर साहब भी इस बात को मानेंगे। उस समय लोक सभा के चुनाव थे और लोक सभा के चुनाव में उस समय इनेलो

और बसपा के प्रत्या ी एक साथ मिलकर चुनाव लड़ रहे थे। अध्यक्ष महोदय, उस समय मुख्य मंत्री जी ने कहा था कि हम मुफ्त में बिजली देने के लिए तैयार हैं। इन्होनें इस तरह की बातें करके उस समय लोगों को भ्रमित कर दिया। इन्होनें कहा था कि जब इनेली की सरकार बनेगी तो बिजली के बिल माफ कर देंगें लेकिन इन्होंने ये माफ नहीं किए। इसी कारण लोगों ने बिजली के बिल नहीं भरे। इसी कारण सरकार के दो मंत्री दो बार वहां पर जा चुके हैं लेकिन आज तक उस मामले का समाधान नहीं निकल सका है। भाई राम पाल जी दो दिन से लगातार एक बात कह रहे थें कि बिजली विभाग के इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए सरकार ने करोड़ो रूपये खर्च कर दिए। मैं माननीय मुख्य मंत्री महोदय से आपके माध्यम से पूछना चाहूँगा कि 1991 से लेकर आज तक हरियाणा प्रदे ा के किसान की खेती में जो बिलली प्रयोग में लायी गयी उसके रेट कितने बढे हैं ? एक तरफ पंजाब है वहां के किसानों को बिजली मुफ्त मिल रही है। इसी तरह से दूसरी तरफ उतर प्रदे ा है जहां पर इनकी पार्टी के केवल एक प्रत्या ी को छोड़कर सबकी जमानत जब्त हो गयी, वहां पचास रूपये प्रति हार्स पावर के हिसाब से किसान को बिजली मिलती है। हरियाणा प्रदे ा का किसान इस बजट से बड़ा निरा ा है, बड़ा दुखी है। बिजली के मामले में किसान को कोई सहूलियत नहीं दी गयी है। इसी तरह से जहां तक किसान के पानी की बात है,एस.वाई.एल.का मामला कल जब हाउस में आया तो हमारे सी.ण्ल.पी. लीडर ने भी और हमारे पार्टी प्रैजीडैंट ने भी उस रैजोल्यू ान का समर्थन

किया। मैं आज भी कहता हूँ कि एस.वाई.एल.कैनाल का पानी आए लेकिन मैं मुख्य मंत्री महोदय को उनकी उस घोशणा को भी याद दिलाना चाहूँगा अगर इन दोनो माईनर्ज को खुदवाने के लिए इन्होंने न कहा हो तो मैं अपने भाब्द वापस लेने के लिए तैयार हूँ। मैं आपके माध्यम से मुख्य मंत्री महोदय से पूछना चाहूँगा कि जो वहां पर मतलौडा का इलाका, या बोबुआ का सूखा इलाका है उसके लिए ये कब इन माईनर्ज को खुदवाएंगे ?

चौ. भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट ऑफ आर्डर है। मेरा कहना है कि जय प्रका ा जी को बोलने नहीं दिया है इसलिए आप उनको दो बजे तक बोलने दें। यानि सिर्फ दस मिनट।

श्री अध्यक्ष : भजन लाल जी, आप बैठे।

वित मंत्री (प्रो. सम्पत सिंह) : स्पीकर सर, टाइम अलॉट करने की आपकी अपनी सीमा है लेकिन जैसा विपक्ष के नेता ने जो यह कहा हक उनको बोलने नहीं दिया गया, यह बिल्कुल सरासर गलत बात है। जब आपने गवर्नर ऐड्रस पर टाइम बढ़ाया था तो इन्होनें विरोध किया था।

श्री अध्यक्ष : भजन लाल जी, जब हमने उस समय टाइम बढ़ाया था तो आप विरोध कर रहे थे।

चौ. जय प्रका ा : अध्यक्ष महोदय, सम्पत सिंह जी मेरा समय खराब कर रहे है। मैं आपके माध्यम से जानना चाहूँगा कि

जो इन्होनें उन दोनों माईनर्ज को खुदवाने की घोशणा की थी तो ये बता दें कि कब तक ये उनकी पूरा करवाने का कश्ट करेंगे। मुख्य मंत्री महोदय और इनेलो के सभी लोग बार–बार कहते हैं और मैं भी यह बात मानता हॅू कि चौधरी देवी लाल कहा करते थे कि लोकराज लाज से चलता है लेकिन अब लोक लाज नाम की चीज नहीं रह गयी हैं। यदि हरियाणा प्रदे ा में लोक लाज होता तो जिन माईनर्ज की घोशणा चुनाव से पूर्व मुख्य मंत्री द्वारा की गयी थी। वे अब तक पूरे हो जाते। मैं उनसे कहना चाहॅूगा कि तुरन्त प्रभाव से दोनो माईनर्ज बनवाएं जाएं ताकि वहां के जो सूखे खेत है उनको पानी मिल सके, उनकी आबपा ी हो सके। अध्यक्ष महोदय, इसी तरह से माईनिंग की चर्चा यहां बड़ी देर से चल रही है। मैं इस बात को तो मानने के लिए तैयार हॅू कि पिछली सरकारों के बनिस्बत इस सरकार के खजाने में ज्यादा पैसा आया है लेकिन मैं सारे सदन को सुचित करना चाहता हॅू कि पिछली सरकारों के समय में एक जमुना सैंड की ट्राली 150 रूपए में मिलती थी जबकि अब इसकी कीमत 600 रूपए है। उपभोक्ता बुरी तरह से परे ाान है। इस सरकार की नीतियों की वजह से आज फरीदाबाद और गुड़गांव के अन्दर जो क्रै ार जोन है उनकी हालत आप देखिए। पहले उपभोक्ता जो रोड़ी 400 रूपए प्रति सैकड़ा मिलती थी वही आज उसका भाव 1200 या 1300 रूपए प्रति सैकड़ा है। यह किसको नुक्सान हुआ है यह हरियाणा प्रदे ा के उपभोक्ता को नुक्सान हुआ है। आज एक कोकस हरियाणा में बना है और इनका ही हरियाणा में माईनिंग पर कबजा है। इनको

ही आज फायदा हुआ है। मैं माननीय मुख्य मंत्री महोदय से कहना चाहूँगा कि इसकी जांच सी.बी.आई.से करवाई जाएं। अंत में मैं एक बहुत जरूरी बात कहना चाहूँगा। मुझे पता है कि मुझे ज्यादा समय नहीं मिलेगा। यहा पर एक चर्चा बड़ी चलती है। कई भाई बड़ा भाोर करते हैकि वह पैसा खा गया, वह पैसा खा गया। मुख्य मंत्री जी बता दे की 1952 से लेकर आज तक जितने भी राजनीतिक लोग है आज तक जितने भी एम.पी., एम.एल.ए. बने है सबकी सम्पति की जांच कराई जाए। आपका बहुत भला होगा। ये कहते हैकि मैं रि वत नहीं खाता,वे कहते है कि मैं रि वत नहीं खाता। जबकि खाते सारे है। (ोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : आपका समय समाप्त होता है, आप बैठ जाएं। (ोर एवं व्यवधान)

Hon'ble Members, now the House Stands adjourned till 2.00P.M.,The 18th March,2002.

(The Sabha then *adjourned to till 2.00P.M. on Monday, the 18th March, 2002.)